फरीदाबाद की आवाज़

Email : faridabadkiawaz@gmail.com

RNI No. -DELHIN/2017/76338

वर्ष : 08 अंक : 02 दिल्ली से प्रकाशित सोमवार 16-22 दिसंबर 2024 Website : faridabadkiawaz.com मूल्य : 5/- रु. पृष्ठ : 8

देश की आवाज़

पहाड़ी इलाकों में बर्फबारी जारी, पंजाब, दिल्ली और यूपी में शीतलहर का कहर

राजस्थान के सीकर जिले में रात का तापमान 0.1 डिग्री पहुंचा

नई दिल्ली (एजेंसी)। पहाड़ी इलाकों में बर्फबारी जारी है। इसका असर मैदानी इलाकों में दिखाई देने लगा है। पंजाब, हरियाणा, दिल्ली और यूपी में शीतलहर चल रही है। दिल्ली में शुक्रवार को पारा न्यूनतम 4.2 डिग्री पहुंच गया। मौसम विभाग का अनुमान है कि उत्तर भारत में शीतलहर जारी रहेगी। ठंड और बढ़ सकती है। वहीं तमिलनाडु, कर्नाटक और आंध्र प्रदेश में बारिश का अलर्ट जारी किया है।

दिल्ली में पारा लगातार गिर रहा है। अनुमान के मुताबिक शनिवार को मौसम और ज्यादा ठंडा रहेगा और पारा 4 डिग्री तक लुढ़क सकता है। गुरुवार को बीते तीन साल में दिसंबर का सबसे ठंडा दिन रहा था। इसके अलावा सुबह-सुबह कोहरे की चादर भी बिछी रही। दिल्ली और एनसीआर में गुनगुनी धूप से लोगों को दिन में राहत मिल सकती है।

मौसम विभाग का कहना है कि उत्तर भारत में शीतलहर चलती रहेगी। इसके अलावा बिहार, यूपी, झारखंड और मध्य प्रदेश में भी शीतलहर का प्रकोप रहेगा। लोगों को ठंड से सतर्क रहने की सलाह दी गई है। उधर पहाड़ी इलाकों में बर्फबारी जारी है। कश्मीर के पुलवामा, बारामूला, अनंतनाग, बांदीपोरा में बर्फबारी दर्ज की गई। इसके अलावा जोजिला दर्रा, शिमला, मसूरी में भी हल्की बर्फबारी हुई। बर्फबारी से लेह-श्रीनगर मार्ग बंद कर दिया गया है।

राजस्थान में भी कड़ाके की ठंड पड़ रही है। सीकर जिले में रात का तापमान 0.1 डिग्री पहुंच गया। वहीं कई जगहों पर रात का तापमान जमाव बिंदु तक पहुंच गया। हरियाणा में शनिवार को तापमान 2 डिग्री तक नीचे जा सकता है। चंडीगढ़ में न्यूनतम तापमान 4 डिग्री तक जा सकता है। पंजाब, हरियाणा, राजस्थान और पश्चिमी यूपी में पाला पड़ने की भी संभावना है।

स्काईमेट के मुतबिक दक्षिण के राज्यों में अगले 24 घंटे के दौरान बारिश का अलर्ट जारी किया गया है। केरल, तमिलनाडु और कर्नाटक के कुछ जिलों में हल्की बारिश हो सकती है। इसके अलावा आंध्र प्रदेश, लक्षद्वीप और अंडमान-नीकोबार में भी हल्की बारिश हो सकती है।

सदन में बोले पीएम मोदी

इंदिरा गांधी ने लोकतंत्र का गला घोंटा, कांग्रेस के मुंह संविधान संशोधन का खून लग गया

हमने भी संविधान में बदलाव किए, लेकिन देश की एकता के लिए...

नई दिल्ली (एजेंसी)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने लोकसभा में संविधान पर चर्चा के दौरान आपातकाल का जिक्र किया और कहा कि इंदिरा गांधी ने लोकतंत्र का गला घोंट दिया। पीएम ने साथ ही कहा कि कांग्रेस के मुंह संविधान संशोधन का खून लग गया है। उन्होंने कहा कि कांग्रेस के एक परिवार ने संविधान को चोट पहुंचाने में कोई कोर कसर नहीं छोड़ी है। मैं इसलिए भी इस परिवार की चर्चा करता हूं कि मेरे 75 साल की इस यात्रा में 55 साल, एक ही परिवार ने राज किया है, इसलिए क्या-क्या हुआ है, देश को ये जानने का अधिकार है।

पीएम मोदी ने कहा, गरीबों के नाम पर बैंकों का राष्ट्रीयकरण किया गया लेकिन 2014 देश के 50 करोड़ ऐसे नागरिक थे जिन्होंने बैंक की शक्ल नहीं देखी थी। 50 करोड़ गरीबों के बैंक खाते खोलकर के हमने बैंकों के दरवाजे गरीबों के लिए खोले। गरीबी हटाओ इसी कारण जुमला बनकर रह गया। गरीब को इस मुश्किल से मुक्ति मिले ये हमारा मिशन है। जिनको कोई नहीं पूछता उनको मोदी पूजता है। पीएम मोदी ने कहा कि, कांग्रेस का सबसे प्रिय शब्द जिसके बिना वो जी नहीं सकते वो है, जुमला। गरीबी हटाओ कांग्रेस का सबसे पसंदीदा जुमला था। क्या आपको देश में टॉयलेट बनाने की भी फुरसत नहीं मिली। आपने गरीबों को दूरदर्शन में देखा है। अखबार में पढ़ा है। आपको पता ही नहीं कि गरीबी होती क्या है।

पीएम मोदी ने कहा कि संविधान के साथ खिलवाड़ करना, संविधान की स्पिरिट को तहस-नहस करना ये कांग्रेस की रगों में रहा है। हम भी सौदेबाजी कर सकते थे लेकिन हमने संविधान का रास्ता चुना। अटल जी ने सौदा नहीं किया। उन्होंने 13 दिन बाद इस्तीफ़ा दे दिया। अटल जी ने कभी सौदेबाजी का रास्ता नहीं अपनाया। उन्होंने कहा, हम भी सौदेबाजी कर सकते थे, लेकिन हमने संविधान का रास्ता चुना। बाजार तब भी लगते थे। खरीद-फरोख्त तब भी होता था। अटल जी ने बाजार और खरीद-फरोख्त के माहौल के बावजूद सौदा नहीं किया। उन्होंने 13 दिन बाद अपनी सरकार का इस्तीफा दे दिया, क्योंकि वे संविधान और लोकतांत्रिक मर्यादाओं के प्रति समर्पित थे।

मोदी ने बताया कि संविधान सभा ने यूसीसी को लेकर लंबी चर्चा की थी। बाबा साहब ने धार्मिक आधार पर बने पर्सनल लॉ को खत्म करने की उन्होंने जोरदार वकालत की थी। सुप्रीम कोर्ट ने भी कई बार कहा है कि देश में यूनिफॉर्म सिविल कोड जल्द से जल्द लाना है। आज कांग्रेस के लोग सुप्रीम कोर्ट की भावना का भी अनादर कर रहे हैं। लोगों को डराने के लिए संविधान का इस्तेमाल किया जाता है। जो अपनी पार्टी के संविधान को नहीं मानते हैं। ये जिनकी रगों में नहीं है।उनमें केवल सत्तावाद और परिवारवाद भरा पड़ा हुआ है। जो लोग अपनी पार्टी के संविधान को नहीं मानते वो लोग कैसे देश के संविधान को स्वीकार कर सकते हैं। सीताराम केसरी को उठाकर फुटपाथ पर फेंक दिया गया। कहते हैं बाथरूम में बंद कर दिया गया था।

पीएम मोदी ने कहा कि, बाबा साहब को भारत रत्न देने का काम भी तब संभव हुआ जब कांग्रेस सत्ता से बाहर हुई। वोटबैंक की राजनीति में डूबे हुए लोगों ने आरक्षण के अंदर नुक्ताचीनी करने का काम किया है इसका सबसे ज्यादा नुकसान एससी-एसटी और ओबीसी का नुकसान किया है। पीएम मोदी ने कहा कि, दशकों तक मंडल कमीशन की रिपोर्ट को डिब्बे में डाल दिया था।

पीएम मोदी ने कहा कि मनमोहन सिंह जी ने कहा था कि, मुझे यह स्वीकार करना होगा कि पार्टी अध्यक्ष सत्ता का केंद्र है। सरकार पार्टी के प्रति जवाबदेह है। इतिहास में पहली बार संविधान को ऐसी गहरी चोट पहुंचा दी गई।नैशनल अडवायजरी काउंसिल को पीएमओ के ऊपर बैठा दिया गया। एक अहंकारी व्यक्ति कैबिनेट के निर्णय को फाड़ दे और कैबिनेट अपना फैसला बदल दे ये कौन-सी व्यवस्था है। कांग्रेस ने निरंतर संविधान की अवमानना किया है। संविधान के महत्व को कम किया है।

केंद्र नहीं दे रहा वायनाड को विशेष पैकेज, प्रियंका गांधी व विपक्षी सांसदों ने किया विरोध प्रदर्शन

वायनाड (एजेंसी)। वायनाड सांसद प्रियंका गांधी समेत केरल के विपक्षी सांसदों ने शनिवार को वित्तीय मांग को लेकर संसद के मकर द्वार पर विरोध प्रदर्शन किया। इस दौरान प्रियंका ने कहा कि केंद्र सरकार वायनाड को विशेष पैकेज देने से इनकार कर रही है। हमने गृहमंत्री से अनुरोध किया है, हमने पीएम को लिखा है। इसके साथ ही उन्होंने कहा कि हिमाचल प्रदेश में भी इस तरह बड़े पैमाने पर तबाही देखी गई है और वहां कांग्रेस की सरकार है। वे केंद्र से मदद मांग रहे हैं और फिर भी दोनों मामलों में केंद्र सरकार राजनीति के कारण पीड़ितों को उनका हक नहीं दे रही है।

प्रियंका गांधी ने कहा कि वे भारत के नागरिक हैं। प्राकृतिक आपदाओं के दौरान कोई भेदभाव नहीं होना चाहिए। केरल आपदा के बाद के हालात से निपटने के लिए केंद्र से मदद मांग रहा है। राज्य को एक चुनौती का सामना करना पड़ रहा है क्योंकि रक्षा मंत्रालय ने राज्य से हेलीकॉप्टर बचाव कार्यों और अन्य सेवाओं के लिए भुगतान करने को कहा है। इससे पहले बाढ़ से अस्त-व्यस्त हो चुके केरल के वायनाड को लेकर गृह मंत्री से प्रियंका गांधी ने मुलाकात की थी।

प्रियंका ने कहा कि उन्होंने पीएम मोदी और गृह मंत्री अमित शाह को ज्ञापन दिया है। वायनाड में में तबाही खत्म हो गई है। जो लोग प्रभावित हुए हैं उन्होंने अपना सब कुछ खो दिया है। ऐसे में अगर केंद्र कोई कदम नहीं उठा सकता तो इससे पूरे देश और खासकर पीड़ितों में बहुत बुरा संदेश जाएगा। पीएम ने दौरा कर पीड़ितों से मुलाकात की थी। इसके बाद जब मैं पीड़ितों से मिली तो उन्होंने उम्मीद जताई कि शायद उन्हें कुछ राहत मिलेगी। प्रियंका ने गृहमंत्री अमित शाह से वायनाड के लिए 2221 करोड़ का रिलीफ फंड जारी करने की मांग की है। उन्होंने आगे कहा कि अब चार महीने बीत चुके हैं और वह राहत नहीं मिल रही है।

आतंकवाद मुक्त माहौल में ही पाकिस्तान से अच्छे संबंध हो सकते है: विदेश मंत्री

नई दिल्ली। विदेश मंत्री डॉ.एस.जयशंकर ने संसद में प्रश्नकाल में तमाम दलों के सांसदों के प्रश्नों के जवाब में भारत के निकट और दूरस्थ पड़ोसी देशों (पाकिस्तान, चीन, बांग्लादेश, श्रीलंका) के साथ अपने संबंधों को लेकर सरकार का मौजूदा रुख और नीति स्पष्ट की। उन्होंने पाकिस्तान को लेकर कहा कि भारत पाक के साथ अच्छे संबंध बनाने का इच्छुक है। लेकिन इसके लिए आतंकवाद रहित माहौल का होना बेहद जरूरी है। यही भारत सरकार का पाकिस्तान को लेकर वर्तमान में बना हुआ रुख है। लेकिन अगर ऐसा नहीं होता है और उनके पहले के व्यवहार में कोई बदलाव नहीं आता है तो उसका द्विपक्षीय संबंधों पर प्रभाव पड़ेगा। उन्होंने कहा कि बांग्लादेश में अल्पसंख्यकों के साथ किया जा रहा व्यवहार भारत के लिए चिंता का कारण है। हम उम्मीद करते हैं कि ढाका उनकी सुरक्षा के लिए कदम उठाएगा। विदेश मंत्री ने बांग्लादेश की मौजूदा अंतरिम सरकार का जिक्र करते हुए कहा कि वह भारत के साथ परस्पर लाभकारी स्थिर संबंध स्थापित करेगी। हमने उन्हें उक्त मामले पर अपनी चिंताओं से अवगत कराया है। विदेश सचिव ने भी हाल ही में ढाका की यात्रा के दौरान अल्पसंख्यकों पर हो रहे हमलों के मुद्दे को उठाया। बांग्लादेश में विकास परियोजनाओं को लेकर भारत का अच्छा इतिहास रहा है। जयशंकर ने चीन के साथ एलएसी विवाद और सैन्य गश्त के सवाल के जवाब में कहा कि हमारे सुरक्षा बल लद्दाख के देपसांग में सभी बिंदुओं तक सैन्य गश्त के लिए जा रहे हैं। यही भारत की ऐतिहासिक सैन्य गश्त सीमा है। पिछला समझौता देपसांग और डेमचौक से जुड़ा हुआ था। जिस पर मैंने एक विस्तृत बयान सदन में दिया था। उसी से मामले को लेकर हमारी स्थिति स्पष्ट हो जाती है। नेपाल द्वारा भारत के इलाकों को अपना बताकर जारी की गई करेंसी के मुद्दे पर विदेश मंत्री ने कि सीमा को लेकर हमारा रुख बिलकुल साफ है। अगर हमारा किसी पड़ोसी को ये लगता है कि उसके कुछ करने से भारत के रुख में तब्दीली आ जाएगी तो मैं उन्हें स्पष्ट कर दूं कि ऐसा कुछ भी नहीं होगा। म्यांमार के तनावपूर्ण हालात के बीच भारत को फ्री मूवमेंट रिजीम की समीक्षा करनी पड़ी।

किसानों ने दिन भर के लिए स्थगित किया दिल्ली मार्च, अब 16 दिसंबर को देशभर में करेंगे ट्रैक्टर मार्च

नई दिल्ली (एजेंसी। पंजाब के साथ राज्य की सीमा पर हरियाणा सुरक्षा कर्मियों द्वारा आंसू गैस की गोलाबारी में कुछ के घायल होने के बाद प्रदर्शनकारी किसानों ने शनिवार को दिल्ली तक अपना पैदल मार्च दिन भर के लिए स्थगित कर दिया। किसान नेता सरवन सिंह पंधेर ने कहा कि दोनों मंचों ने आज जत्था वापस लेने का फैसला किया है। सुनने में आ रहा है कि 17-18 लोग घायल हुए हैं। हम कुछ देर बाद पीसी करेंगे और आगे की कार्रवाई की जानकारी देंगे।

सरवन सिंह पंधेर ने कहा कि 16 दिसंबर को पंजाब के बाहर ट्रैक्टर मार्च निकाला जाएगा और 18 दिसंबर को हमने पंजाब में %रेल रोको% का आह्वान किया है। हम सभी पंजाबियों से बड़ी संख्या में ÷रेल रोको÷ में भाग लेने की अपील करते हैं। उन्होंने कहा कि विपक्ष को सिर्फ बयान देकर अपनी भूमिका से नहीं भागना चाहिए। उन्हें किसानों की मांगों को पूरा करने के एजेंडे पर प्रकाश डालना

चाहिए। उन्हें रुकना चाहिए जैसे वे अन्य मुद्दों पर संसद को ठप कर रहे हैं, वैसे ही राहुल गांधी हमारे मुद्दे को संसद में नहीं उठा रहे हैं, जैसा उन्होंने हमें आश्वासन दिया था।

किसान नेता मंजीत सिंह राय ने आरोप लगाया कि सुरक्षाकर्मियों द्वारा रबर की गोलियों का भी इस्तेमाल किया गया और एक किसान गंभीर रूप से घायल हो गया। राय ने कहा कि दोनों मंचों ने आज जत्थे को वापस बुलाने का फैसला किया है और बैठक के बाद अगली कार्रवाई की जाएगी। इससे पहले आज, हरियाणा के सुरक्षाकर्मियों ने शंभू सीमा से दिल्ली की ओर मार्च करने का प्रयास कर रहे 101 किसानों के एक समूह को तितर-बितर करने के लिए आंसू गैस के गोले छोड़े और पानी की बौछार की। उन्हें हरियाणा सुरक्षा कर्मियों द्वारा लगाए गए बैरिकेड्स पर रोक दिया गया।

पंढेर ने आरोप लगाया है कि पुलिस ने किसानों को तितर-बितर करने के लिए ÷रासायनिक मिश्रित पानी÷ का इस्तेमाल किया और ÷इस बार अधिक आंसू गैस के गोले÷ छोड़े। पंधेर ने यह भी कहा कि संविधान को अपनाने के 75 साल पूरे होने पर संसद में बहस चल रही है, लेकिन किसानों की आवाज कोई नहीं सुन रहा है। उन्होंने कहा कि संसद में किसानों के लिए कोई आवाज नहीं उठा रहा। यहां हम जानना चाहते हैं कि हमारे विरोध पर कौन सा संविधान लागू होता है। 101 किसानों का जत्था देश की कानून-व्यवस्था के लिए खतरा कैसे बन सकता है?

अभिव्यक्ति और संवाद के संतुलन पर पनपता है लोकतंत्र: धनखड़

नई दिल्ली (एजेंसी। उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ ने शनिवार को कहा कि लोकतंत्र केवल प्रणालियों पर ही नहीं, बल्कि अभिव्यक्ति और संवाद के संतुलन पर केंद्रित मूल मूल्यों पर भी पनपता है।

धनखड़ ने यहां भारतीय डाक एवं दूर संचार लेखा और वित्त सेवा के 50वें स्थापना संबोधित करते हुए कहा कि आज की संस्थागत चुनौतियाँ भीतर और बाहर से अक्सर सार्थक संवाद और प्रामाणिक अभिव्यक्ति के क्षरण से उत्पन्न होती हैं। विचार की अभिव्यक्ति और सार्थक संवाद दोनों ही लोकतंत्र के अनमोल रत्न हैं। अभिव्यक्ति और संचार एक दूसरे के पूरक हैं। दोनों के बीच सामंजस्य ही सफलता की कुंजी है। इस अवसर पर संचार एवं पूर्वोत्तर क्षेत्र विकास मंत्री ज्योतिरादित्य एम. सिंधिया, डिजिटल संचार आयोग के वित्त सदस्य मनीष सिन्हा और अन्य गणमान्य व्यक्ति भी उपस्थित थे।

धनखड़ ने कहा कि लोकतंत्र केवल व्यवस्थाओं पर नहीं, बल्कि मूल मूल्यों पर पनपता है। इसे अभिव्यक्ति और संवाद के नाजुक संतुलन पर केंद्रित होना चाहिए। अभिव्यक्ति और संवाद, ये जुड़वां ताकतें लोकतांत्रिक जीवन शक्ति को आकार देती हैं। उनकी प्रगति को व्यक्तिगत पदों से नहीं, बल्कि व्यापक सामाजिक लाभ से मापा जाता है। उन्होंने कहा कि

भारत की लोकतांत्रिक यात्रा इस बात का उदाहरण है कि विविधता और विशाल जनसांख्यिकीय क्षमता राष्ट्रीय प्रगति को बढ़ावा दे सकती है। लोकतांत्रिक स्वास्थ्य और आर्थिक उत्पादकता राष्ट्रीय विकास में बराबर भागीदार हैं।

स्व-लेखा परीक्षा की आवश्यकता पर बल देते हुए श्री धनखड़ ने कहा, 'सेल्फ ऑडिट बहुत ज़रूरी है। किसी व्यक्ति या संस्था को गिराने का सबसे पक्का तरीका है, उसे या सज्जन या सज्जन महिला को जांच से दूर रखना। आप जांच से परे, आपका पतन निश्चित है। और इसलिए, आत्म-लेखा परीक्षा, स्वयं से परे एक लेखा परीक्षा, आवश्यक है'। विभिन्न विभागों के बीच समन्वय और तालमेल पर जोर देते हुए उप राष्ट्रपति ने कहा, ÷एक दूसरे से जुड़ी दुनिया में विभागों के बीच सहयोग बहुत महत्वपूर्ण हो जाता है। हमें एक दूसरे के साथ तालमेल में रहना चाहिए, हमें एक दूसरे के साथ तालमेल बिठाना चाहिए। मैंने अक्सर सभी को यह समझाया है कि शक्तियों के पृथक्करण का सिद्धांत कुछ और नहीं बल्कि तीन संस्थाओं, न्यायपालिका, कार्यपालिका और विधायिका, को एक साथ मिलकर काम करना चाहिए।

पूर्व उप प्रधानमंत्री लालकृष्ण आडवाणी की तबीयत बिगड़ी

नई दिल्ली। भाजपा के वरिष्ठ नेता एवं पूर्व उपप्रधानमंत्री लालकृष्ण आडवाणी की तबीयत एक बार फिर बिगड़ी गई है। उन्हे दिल्ली के अपोलो अस्पताल में भर्ती कराया गया है। सूत्रों के अनुसार, फिलहाल उनकी स्थिति स्थिर है, और अस्पताल प्रशासन जल्द ही उनका मेडिकल बुलेटिन जारी कर सकता है। लालकृष्ण आडवाणी की उम्र 97 वर्ष है और हाल के महीनों में उनकी सेहत में गिरावट आई है। पिछले 4-5 महीनों में उन्हें कई बार अस्पताल में भर्ती कराना पड़ा है। इससे पहले अगस्त 2024 में भी उनकी तबीयत बिगड़ी थी, जिसके बाद उन्हें अस्पताल में भर्ती किया गया था। आडवाणी का स्वास्थ्य अचानक बिगड़ने के कारण उनके समर्थक और पार्टी कार्यकर्ता उनके जल्द ठीक होने की कामना कर रहे हैं।

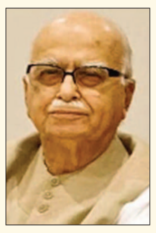

राजनीतिक उथल-पुथल के बीच सीरिया से निकाले गए चार भारतीय, दिल्ली पहुंचे

-भारतीय दूतावास के प्रयासों की सराहना की

नई दिल्ली। सीरिया में राजनीतिक उथल-पुथल के बीच सीरिया से निकाले गए चार भारतीय नागरिक दिल्ली एयरपोर्ट पहुंचे। भारत पहुंचने पर खुशी जाहिर कर उन्होंने कहा कि उनकी सुरक्षित वापसी सुनिश्चित करने के लिए भारतीय दूतावास के प्रयासों की सराहना की। भारत ने सीरिया से उन सभी नागरिकों को निकाला है, जो अरब राष्ट्र में विद्रोही बलों द्वारा राष्ट्रपति बशर असद की सरकार को गिराने के बाद घर लौटने की इच्छा रखते थे। दिल्ली पहुंचने के बाद एक भारतीय नागरिक ने कहा मैं 15-20 दिन पहले वहां गया था। हमें नहीं पता था कि ऐसा होगा। लेकिन भारतीय दूतावास ने हमें निकाला। पहले वे हमें लेबनान ले गए, फिर गोवा पहुंचे और आज हम दिल्ली पहुंचे हैं। हमें खुशी है कि हम अपने देश पहुंच गए। इस पूरे घटनाक्रम में भारतीय दूतावास ने हमारी बहुत मदद की। वे हमें सीरिया से लेबनान तक बस में ले आए। फिर, वे हमें गोवा ले आए उड़ान और फिर वे हमें दिल्ली लेकर आए। विदेश मंत्रालय ने कहा कि हमने सीरिया में उन सभी भारतीय नागरिकों को निकाल लिया है जो उस देश में हाल के घटनाक्रम के बाद घर लौटना चाहते थे। अब तक, सीरिया से 77 भारतीय नागरिकों को निकाला गया है।

जम्मू-कश्मीर के राज्य का दर्जा जल्द से जल्द बहाल करे केंद्र - उमर अब्दुल्ला

नई दिल्ली। जम्मू-कश्मीर के मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला ने केंद्र से अपना वादा निभाने और जम्मू-कश्मीर के राज्य का दर्जा जल्द से जल्द बहाल किये जाने का आग्रह किया है। एक साक्षात्कार में अब्दुल्ला ने जम्मू-कश्मीर में चुनाव प्रचार के दौरान प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी और गृह मंत्री अमित शाह द्वारा बार-बार किए गए वादों का हवाला देते हुए राज्य का दर्जा बहाल करने की केंद्र की प्रतिबद्धता को लेकर उम्मीद जताई। उन्होंने दिल्ली का उदाहरण दिया जहां सरकार उपराज्यपाल के साथ सत्ता साझा करती है जोकि अच्छा अनुभव नहीं रहा है। उन्होंने कहा, ''सत्ता के दो केंद्र कभी सफल नहीं हो सकते।'' अब्दुल्ला ने कहा कि दिल्ली आखिरकार एक छोटा शहरी राज्य है, जबकि जम्मू-कश्मीर एक बड़ा और रणनीतिक क्षेत्र है जो चीन और पाकिस्तान की सीमा से लगा हुआ है, जिससे एकीकृत कमान की आवश्यकता और अधिक बढ़ जाती है।

छोटे और सीमांत किसानों को अगले साल से बिना गारंटी के दो लाख रुपये तक का कर्ज

नई दिल्ली । अगले साल से छोटे और सीमांत किसानों को बिना गारंटी के दो लाख रुपये तक का कर्ज बैंकों से मिल सकेगा। रिजर्व बैंक ऑफ इंडिया (आरबीआई) ने 1 जनवरी से किसानों के लिए ऋण की सीमा 1.6 लाख रुपये से बढ़ाकर दो लाख रुपये कर दी है। कृषि एवं किसान कल?याण मंत्रालय ने एक बयान में बताया कि सरकार ने यह फैसला खेती की बढ़ती लागत और किसानों को आसानी से ऋण देने के मकसद से लिया है। नए निर्देश में देशभर के बैंकों से प्रत्येक किसानों के लिए दो लाख रुपये तक के कृषि ऋण के लिए जमानत और मार्जिन जरूरतों को माफ करने को कहा गया है। इस उपाय से छोटे और सीमांत भूमिधारक 86 फीसदी से ज?यादा किसानों को लाभ होगा। बैंकों को जारी दिशा-निर्देश तेजी से लागू करने और नए ऋण प्रावधानों के बारे में किसानों को जागरूक करने का निर्देश दिया गया है। कृषि? मंत्रालय ने कहा कि इस कदम से किसान क्रेडिट कार्ड (केसीसी) ऋण तक आसान पहुंच की सुविधा मिलने की उम्मीद है। यह सरकार की संशोधित ब्याज सहायता योजना का पूरक होगा। इस योजना के तहत सरकार चार फीसदी प्रभावी ब्याज दर पर तीन लाख रुपये तक का ऋण देती है। आरबीआई ने भी पिछले हफ्ते मौद्रिक नीति समिति (एमपीसी) की समीक्षा बैठक के बाद किसानों के लिए बिना गारंटी के ऋण की सीमा को 1.6 लाख रुपये से बढ़ाकर दो लाख रुपये करने का ऐलान किया था।

सम्पादकीय

पर्यावरण की चिंता बनता बढ़ता औद्योगिक कचरा

दिनेश शर्मा

विकास का सूचक और अर्थव्यवस्था का आधार बनता बढ़ता मशीनीकरण आज आधुनिक जीवन के हर क्षेत्र को संचालित कर रहा है। आधुनिक जीवन मशीनों पर इस कदर निर्भर है कि इसके बिना कई काम रूक जाते हैं। इंटरनेट और मोबाइल दूरी व समय की सीमाओं को लांघ कर सारी दुनिया को अपने में समेटने का दावा करते हैं। इस यंत्र युग में सारी दुनिया में हिंसा, शोषण, विषमता और बेरोजगारी भी बढ़ रही है। स्वास्थ्य समस्याएँ और पर्यावरण विनाश भी अपने चरम पर हैं। दौड़ती-भागती जिंदगी में समय का अभाव प्राय÷ आम शिकायत रहती है। रिश्तों में कृत्रिमता और दूरियाँ बढ़ रही हैं। लोग स्वयं को बेहद अकेला महसूस करने लगे हैं। बढ़ती मशीनों ने मनुष्य की शारीरिक श्रम की आदत को कम करके स्वास्थ्य समस्याओं का आधार तैयार किया है। दूरदर्शी गांधीजी ने चेताया था कि-%%अगर मशीनीकरण की यह सनक जारी रही, तो काफी संभावना है कि एक समय ऐसा आएगा जब हम इतने असमर्थ और लाचार हो जाएंगे कि अपने को ही यह कोसने लगेंगे कि हम भगवान द्वारा दी गई शरीर रूपी मशीन का इस्तेमाल करना क्यों भूल गए%%। बढ़ता मशीनीकरण उपभोक्तावाद को बढ़ावा देकर समाज में विषमता की नींव को पुख्ता करता आया है। एक औद्योगिककृत अर्थव्यवस्था में अंधाधुंध बढ़ता मशीनीकरण वस्तुत÷ स्थानीय जरूरतों व सीमाओ को लांघकर व्यापक स्तर पर वस्तुओं के उत्पादन, बिक्री या खपत को बढ़ाने की महत्वाकांक्षाओ से प्रेरित होता है। औद्योगिक कचरे को बढ़ाता है। ग्लोबल वार्मिंग को जन्म देता है। पर्यावरण प्रदूषण की ऐसी आग को जन्म देता है जिसे बुझाने वाला सचमुच कोई नहीं है. भोपाल गैस त्रासदी को वर्षो हो गए हैं। वहां पर पड़ा जहरीला अपशिष्ट प्रत्येक मानसून में जमीन में रिस कर प्रति वर्ष क्षेत्र को और अधिक जहरीला बना रहा है। कंपनी को इस बात के लिए मजबूर किया जाना चाहिये कि वह इसे अमेरिका ले जाकर इसका निपटान वहां के अत्याधुनिक संयंत्रों में करे परन्तु इसके बजाय सरकारें अब भोपाल ही नहीं बल्कि गुजरात में अंकलेश्वर व म.प्र. के पीथमपुर के भस्मकों में इसे जला कर इस औद्योगिक अति हानिकारक कचरे को नष्ट करना चाहती हैं। आधुनिकीकरण के चलते गैस त्रासदी भुगत चुकी दुनिया इलेक्ट्रॉनिक उपकरणों के अनुपयोगी हो जाने से इकट्ठा हो रहे कचरे का निपटान भी सही ढंग से नहीं हो कर पा रही है। इस कारण पर्यावरण के खतरे भी अंधाधुंध बढ़ रहे है। एक अध्ययन के अनुसार भारत में प्रतिवर्ष डेढ़ लाख टन ई-वेस्ट या इलेक्ट्रॉनिक कचरा बढ़ रहा है। इसमें देश में बाहर से आने वाले कबाड़ को जोड़ दिया जाए तो न केवल कबाड़ की मात्रा दुगुनी हो जाएगी, वरन् पर्यावरण के खतरों और संभावित दुष्परिणामों का सही अनुमान भी नहीं लगाया जा सकेगा। प्रतिवर्ष भारत में बीस लाख कम्प्यूटर अनुपयोगी हो जाते हैं। इनके अलावा हजारों की तादाद में प्रिंटर, फोन, मोबाइल, मॉनीटर, टीवी, रेडियो, ओवन, रेफ्रिजरेटर, टोस्टर, वेक्यूम क्लीनर, वाशिंग मशीन, एयर कंडीशनर, पंखे, कूलर, सीडी व डीवीडी प्लेयर, वीडियो गेम, सीडी, कैसेट, खिलौने, फ्लोरेसेंट ट्यूब, बल्ब, ड्रिलिंग मशीन, मेडिकल इंस्ट्रूमेंट, थर्मामीटर और मशीनें आदि भी बेकार हो जाती हैं। जब उनका उपयोग नहीं हो सकता तो ऐसा औद्योगिक कचरा खाली भूमि पर इकट्ठा होता रहता है, इसका अधिकांश हिस्सा जहरीला और प्राणीमात्र के स्वास्थ्य के लिए खतरनाक होता है। कुछ दिनों पहले इस तरह के कचरे में खतरनाक हथियार व विस्फोटक सामग्री भी पाई गई थी। इनमें धातुओं व रासायनिक सामग्री की भी काफी मात्रा होती है जो संपर्क में आने वाले लोगों की सेहत के लिए खतरनाक होती है। लेड, केडमियम, मरक्यूरी, एक्बेस्टस, क्रोमियम, बेरियम, बेटीलियम, बैटरी आदि यकृत, फेफड़े, दिल व त्वचा की अनेक बीमारियों का कारण बनते हैं। अनुमान है कि यह कचरा एक करोड़ से अधिक लोगों को बीमार करता है। इनमें से ज्यादातर गरीब, महिलाएँ व बच्चे होते हैं। इस दिशा में गंभीरता से कार्रवाई होना जरूरी है मगर देश के लोगों की मानसिकता अभी कबाड़ संभालने व कचरे से आजीविका कमाने की बनी हुई है। ऊर्जा उत्पादन हेतु ताप विद्युत संयंत्र, बड़े बाँध, प्रत्यक्ष और परोक्ष में बहुत अधिक मात्रा में औद्योगिक कचरा फैला रहे हैं। सौर ऊर्जा और पवन ऊर्जा, ऊर्जा के बेहतरीन विकल्प माने गए हैं। राजस्थान में इन दोनों विकल्पों के अच्छे मानक स्थापित हुए हैं। सोलर लैम्प, सोलर कुकर जैसे कुछ उपकरण प्राय÷ लोकप्रिय रहे हैं। एशियन डेवलपमेंट बैंक के साथ मिलकर टाटा पॉवर कंपनी लिमिटेड देश में (विशेषकर महाराष्ट्र में) कई करोड़ों रूपये के बड़े पवन ऊर्जा प्लांट लगाने की योजना बना रही है। इसी तरह से दिल्ली सरकार भी ऐसी कुछ निजी कंपनियों की ओर ताक रही हैं जो राजस्थान में पैदा होती पवन ऊर्जा दिल्ली पहुंचा सकें। परमाणु ऊर्जा के निर्माण से पैदा होते परमाणु कचरे में प्लूटोनियम जैसे रेडियोएक्टिव तत्वों का यह प्रदूषण पर्यावरण में भी फैल सकता है और भूमिगत जल में भी इन्हें रोकना बहुत आवश्यक है। एशियन डेवलपमेट बैंक ने हाल ही में गंगा के प्रदूषण को रोकने के लिए एक योजना तैयार की है। गंगा के किनारे के नगरों के पानी, सीवरेज, सॉलिड वेस्ट मैनेजमेंट, सड़क, ट्रेफिक व नदियों के प्रदूषण को दूर किया जायेगा। संयुक्त राष्ट्र ने एक रिपोर्ट में कहा है कि व्यापक औद्योगिक कचरे, भूमि का जरूरत से ज्यादा दोहन और सिंचाई के गलत तरीकों से जलवायु परिवर्तन हो रहा है। मरूस्थलों के बढ़ते क्षेत्रफल के कारण लाखों लोग अपना घर छोड़ने को मजबूर हो सकते हैं। रिपोर्ट में कहा गया है

हरियाणा सरकार की खिलाड़ियों को बड़ी सौगात, सैनी सरकार ने कर दिया ये बड़ा ऐलान

कुरुक्षेत्र । हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने कहा कि प्रदेश के खिलाड़ियों की बदौलत हरियाणा का नाम विश्व के खेल मानचित्र पर चमक रहा है। प्रदेश में लगातार बढ़ रही खेल संस्कृति को देखते हुए सरकार ने खिलाड़ियों के प्रोत्साहन और कल्याण के लिए अपने संकल्प पत्र 2024 में हर खिलाड़ी को 20 लाख रुपये का मेडिकल बीमा कवर देने का संकल्प लिया है। इसी प्रकार राज्य स्तर पर प्रति वर्ष तीन सर्वश्रेष्ठ अखाड़ों को 50 लाख रुपये, 30 लाख रुपये व 20 लाख रुपये की प्रोत्साहन राशि दी जाएगी। इसके अतिरिक्त जिला स्तर पर भी तीन सर्वश्रेष्ठ अखाड़ों को 15 लाख, 10 लाख और 5 लाख रुपये की राशि दी जाएगी।

मुख्यमंत्री कुरुक्षेत्र में हरियाणा कुश्ती दंगल के समापन अवसर पर बोल रहे थे। इस अवसर पर पूर्व मंत्री सुभाष सुधा भी उपस्थित रहे। इससे पहले मुख्यमंत्री ने विजेता पहलवानों को सम्मानित किया और उन्हें बधाई एवं शुभकामनाएं दी। उन्होंने कहा कि पिछले दो दिनों से इस दंगल में जिला और क्षेत्रीय स्तर पर 500 से अधिक पहलवानों ने भाग लिया। यह गर्व का विषय है कि आज कुश्ती के विभिन्न श्रेणियों के फाइनल राउंड में पहुंचे 32 पहलवानों में से 16 लड़कियां हैं। नायब सिंह सैनी ने कहा कि हरियाणा खेलों की धरती है। जनसंख्या व क्षेत्रफल की दृष्टि से हरियाणा बेशक छोटा राज्य है, लेकिन खेल के क्षेत्र में राज्य की उपलब्धियां बेमिसाल हैं। हरियाणा ने खेल के क्षेत्र में श्रेष्ठ प्रदर्शन किया है।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में राष्ट्रीय स्तर पर खेल क्षेत्र में हुए अनेक बदलाव

मुख्यमंत्री ने कहा कि वर्ष 2014 के बाद प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में राष्ट्रीय स्तर पर खेल क्षेत्र में अनेक बदलाव हुए हैं। स्पोर्ट्स इंफ्रास्ट्रक्चर, चयन प्रक्रिया, खिलाड़ियों को आर्थिक मदद देने वाली योजनाओं और उन्हें ट्रेनिंग देने वाली योजनाओं को प्रभावी बनाया गया है। इसी से प्रेरणा लेते हुए हरियाणा की डबल इंजन सरकार ने भी नई खेल नीति लागू की और जमीनी स्तर से ही टैलेंट की खोज से लेकर उनको प्रशिक्षण प्रदान कर ओलंपिक तक पहुंचाने का एक रोडमैप बनाया गया। इसी का परिणाम है कि आज प्रदेश में अति आधुनिक खेल इन्फ्रास्ट्रक्चर विकसित हुआ है। इस नई खेल संस्कृति से खिलाड़ियों को बड़ा प्रोत्साहन मिला है। ओलम्पिक के अलावा, एशियाई खेलों, राष्ट्रमंडल खेलों और अन्य अंतरराष्ट्रीय खेल प्रतियोगिताओं में भी हमारे नौजवानों ने अपनी धाक जमाई हुई है।

सरकार ने खिलाड़ियों के लिए सुरक्षित रोजगार किया सुनिश्चित

मुख्यमंत्री ने कहा कि सरकार ने उत्कृष्ट खिलाड़ियों के लिए सुरक्षित रोजगार सुनिश्चित करने हेतु 'हरियाणा उत्कृष्ट खिलाड़ी सेवा नियम 2021' बनाये हैं। इसके तहत खेल विभाग में 550 नए पद बनाये गये। इसके अलावा, 224 खिलाड़ियों को सरकारी नौकरी दी है। खिलाड़ियों के लिए ग्रुप-ए से ग्रुप-डी तक के पदों की सीधी भर्ती में आरक्षण का प्रावधान किया गया है।

उन्होंने कहा कि हरियाणा देश का पहला राज्य है, जो पदक विजेता खिलाड़ियों को सबसे अधिक नकद पुरस्कार देता है। अब तक खिलाड़ियों को 593 करोड़ रुपये के नकद पुरस्कार दिए हैं। इसके अतिरिक्त, उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले 298 खिलाड़ियों को मानदेय भी दिया जा रहा है। उन्होंने कहा कि राज्य, राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय खेल प्रतियोगिताओं में भाग लेने वाले तथा पदक जीतने वाले छात्रों को छात्रवृत्ति प्रदान की जा रही है। वर्ष 2014 से अब तक 29 हजार से अधिक छात्रों को 53 करोड़ 45 लाख रुपये की छात्रवृत्ति प्रदान की गई है।

राज्य में मजबूत खेल इन्फ्रास्ट्रक्चर

मुख्यमंत्री ने कहा कि राज्य में मजबूत खेल इंफ्रास्ट्रक्चर तैयार किया गया है ताकि खिलाड़ियों को सभी आधुनिक सुविधाएं प्राप्त हो सकें। प्रदेश सरकार ने खेल नर्सरियां खोली हैं और खिलाड़ियों को वित्तीय सहायता के साथ-साथ आधुनिक प्रशिक्षण की व्यवस्था की है। इस समय प्रदेश में 1,489 खेल नर्सरियां कार्यरत हैं। इनमें 37 हजार 225 खिलाड़ी प्रशिक्षण ले रहे हैं। इन नर्सरियों में नामांकित 8 से 14 वर्ष की आयु के खिलाड़ियों को 1500 रुपये तथा 15 से 19 वर्ष की आयु के खिलाड़ियों को 2,000 रुपये प्रति माह दिए जाते हैं। उन्होंने कहा खेल दुनिया को जोड़ने का एक बहुत मजबूत और सशक्त माध्यम है। मैदान कोई भी हो, चुनौती कैसी भी हो, हमें हर हाल में अपना श्रेष्ठ प्रदर्शन करना है।

2 प्रतिशत जनसंख्या का प्रतिनिधित्व करने वाला हरियाणा आज खेलों का पावरहाऊस-गौरव गौतम

इस मौके पर खेल राज्य मंत्री गौरव गौतम ने कहा कि हमारे खिलाड़ी खेल प्रतिभा की बदौलत हरियाणा का नाम देश-दुनिया में रोशन कर रहे हैं। यह गर्व की बात है कि हमारी बेटियां भी खेलों में अपना परचम लहरा रही हैं। उन्होंने कहा कि देश की 2 प्रतिशत जनसंख्या का प्रतिनिधित्व करने वाला हरियाणा आज खेलों का पावरहाऊस बना है। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी के नेतृत्व में हरियाणा की खेल नीति के चलते खिलाड़ियों ने अनेकों राष्ट्रीय व अंतरराष्ट्रीय पदक जीते हैं। उन्होंने कहा कि वर्ष 2014 से पहले 10 सालों में राज्य में खेल क्षेत्र के लिए 48 करोड़ रुपये की राशि दी। जबकि वर्तमान राज्य सरकार ने 550 करोड़ रुपये खिलाड़ियों और खेल सुविधा के लिए खर्च की है।

इंद्री में दुकान में लगी आग, सारा सामान जलकर राख... लाखों का नुकसान

इंद्री। इंद्री के मेन बाजार गुरद्वारा के पास पंसारी की दुकान में आग लग गई जिससे काफी नुक्सान हो गया है। दुकान में रखा सारा सामान जलकर राख हो गया। सूचना मिलते ही फायर ब्रिगेड व भारी पुलिस बल मौके पर पहुंचे और आग पर काबू पाया। आग इतनी भयंकर थी कि कई घंटों की कड़ी मशक्कत के बाद आग पर काबू पाया। आग लगने के कारणों का पता नहीं चला है। बताया जा रहा कि पंसारी की दुकान में लाखों का नुक्सान हुआ है। विक्की मल्होत्रा का कहना है कि अल सुबह तीन बजे दुकान में इतनी भयंकर आग लगी, जिससे सारा सामान जलकर राख हो गया। वहीं थाना प्रभारी ने बताया कि फायर ब्रिगेड़ की गाड़ी की मदद से आग पर काबू पाया। दुकान में आग लगने का कारण शार्ट सर्किट हो सकता है, जांच जारी है। जाँच के बाद ही पता चल पाएगा कि आग किन कारणों के चलते लगी है।

'यहां बस चलानी है तो...', बदमाशों ने पानीपत में यूपी की बस में तोड़फोड़ कर दी धमकी

पानीपत । बदमाशों का आतंक बढ़ता जा रहा है। उनमें पुलिस का कोई खौफ नहीं है। ताजा मामला पानीपत से सामने आया जहां बदमाशों ने पानीपत शहर में थाने के सामने पुराने अड्डे के पास यूपी की प्राइवेट बस में तोड़फोड़ की जबकि कंडक्टर से पैसे भी छीन लिए। बदमाशों ने बस संचालक को धमकी दी है कि अगर यहां बस चलानी है तो मंथली देनी होगी। नहीं तो जान से मार देंगे। पीड़ित कंडक्टर ने मामले की शिकायत पुलिस को दी। पुलिस ने शिकायत के आधार पर मामला दर्ज कर लिया है।

जान से मारने की दी धमकी

शिकायतकर्ता ने बताया कि वह बुलंदशहर जिले का रहने वाला है। वह पानीपत से मैनपुर उत्तर प्रदेश ट्रैवलर बस में काम करता है। वह उक्त बस का कंडक्टर है। 3 दिसंबर को वह बस में सवारियां लेकर यूपी से आ रहा था। 4 दिसंबर को सुबह करीब 7 बजे वह बस लेकर पुराने बस स्टैंड के बाहर पहुंचा। वह सवारियों को उतार रहा था। अचानक 5 युवक आए। उन्होंने आते ही गाली–गलौच तथा बस में तोड़फोड़ की। इसके बाद उन्होंने धमकी दी कि अगर दोबारा बस यहां लेकर आया तो जान से मार देंगे। इसके साथ ही बदमाशों ने बुकिंग के करीब 35 हजार रुपये भी छीन लिए। बदमाशों ने कहा कि पानीपत में बस चलाओगे तो महीनेदारी देनी पड़ेगी। यहां बस चलेगी तो सिर्फ सुनील की चलेगी।

दर्दनाक : फरीदाबाद में कंपनी में लिफ्ट में फंसकर कामगार की मौत, 6 महीने से कर रहा था काम

फरीदाबाद । फरीदाबाद स्थित ओरिएंट फैन कंपनी में कामगार की लिफ्ट से गिरने के कारण दर्दनाक मौत हो गई। इस पूरी घटना का सीसीटीवी फुटेज भी सामने आया है जिसमें कामगार लिफ्ट में माल लोड कर रहा था। तभी अचानक लिफ्ट चल पड़ी और वह उसमें फंस गया। जिसे अस्पताल ले जाया गया जहां उसकी मौत हो गई। पुलिस ने लिफ्ट को सील कर जांच शुरू कर दी है कि हादसे का कारण क्या रहा है।

पिछले 6 महीने से कंपनी में कर रहा था काम – मृतक का नाम अनिल थापा था, जो ठेकेदार के मार्फत यहां पिछले 6 महीने से काम कर रहा था और लिफ्ट में सामान ले जाने के लिए उसमें लोड कर रहा था तभी अचानक लिफ्ट चल पड़ी और वह नीचे गिर गया जिसे ईएसआईसी अस्पताल में लेकर जाया जहां उसकी जान चली गई। वहीं कंपनी के कर्मचारी अरविंद तिवारी ने बताया कि मृतक अनिल थापा ठेकेदार के द्वारा यहां काम कर रहा था और लिफ्ट में माल लोड कर रहा था तभी अचानक लिफ्ट चल पड़ी और वह लिफ्ट के पिलर में फंसकर गिर गया लेकिन कंपनी ने काफी देर बाद उसे अस्पताल पहुंचाया और उसे प्रॉपर इलाज भी नहीं मिल पाया, जिसकी वजह से उसकी मौत हो गई। उन्होंने कहा कि अब वह पुलिस कार्रवाई को लेकर पुलिस चौकी में पहुंचे हैं।

धागा फैक्ट्री में आग लगने का मामला : जिंदगी की जंग हारा 8 दिन पहले झुलसा श्रमिक, मौके पर जिंदा जले थे 2 मजदूर

पानीपत । पानीपत जिले के इसराना उपमंडल में स्थित में गुप्ता धागा फैक्ट्री में 8 दिन पहले लगी आग में झुलसे एक और श्रमिक की मौत हो गई। हादसे में दो श्रमिक मौके पर ही जिंदा जल गए थे जबकि तीन बुरी तरह झुलस गए थे। इन झुलसे हुए में एक और श्रमिक ने इलाज के दौरान आज दम तोड़ दिया। हालांकि इस मामले में घटना की अगली सुबह मृतक परिवार वालों के बयानों पर फैक्ट्री मालिक पर केस दर्ज हो चुका है। लेकिन तीन मौत हो जाने के बाद भी पुलिस ने आरोपी फैक्ट्री मालिक की गिरफ्तारी नहीं की है।

4 बच्चों का पिता था मृतक– मृतक की पहचान 31 वर्षीय काबिल के रूप में हुई है। वह उत्तर दिनाजपुर, पश्चिक बंगाल का रहने वाला था। वह चार बच्चों का पिता था, जोकि हाल में इसराना थाना क्षेत्र में रहता था। मृतक के शव को सिविल अस्पताल लाया गया। जहां परिजनों के बयानों के आधार पर पुलिस आगामी कार्रवाई कर रही है।

20 साल से चल रही यह फैक्ट्री– जानकारी के मुताबिक यह घटना इसराना उपमंडल के अंतर्गत गांव बलाना की थी। जहां शिव फैब्रिक (गुप्ता धागा फैक्ट्री) नाम की धागा फैक्ट्री है। यह फैक्ट्री करीब 20 साल से चल रही है। 8 दिन पहले देर रात करीब साढ़े 12 बजे यहां संदिग्ध परिस्थितियों में आग लग गई। इसके बाद चंद सेकेंड में ही आग बढ़ गई।

वहीं फैक्ट्री के मालिक ने बताया है कि आग शॉर्ट सर्किट से लगी। इसके बाद फैक्ट्री में रात के समय मौजूद 2 कर्मचारी जिंदा जलकर मर गए थे। मृतकों की पहचान सुमित और तसमिल के रूप में हुई थी। आग ने बिल्डिंग और माल के साथ मशीनों को भी नुकसान पहुंचाया है। दोनों मृतकों में से एक सुमित (32) गांव सौंदापुर का रहने वाला था। वह 2 बेटों का पिता था। उसके बड़े भाई की मौत करीब 11 साल पहले बीमारी के कारण हो गई थी। इसके 2 साल बाद उसकी मां का भी देहांत हो गया था। फिर 1 साल बाद पिता की भी कैंसर से मौत हो गई। सुमित की 2 बहनें हैं, जिनका वह इकलौता भाई था। वह अक्सर फैक्ट्री में नाइट शिफ्ट में काम पर रहता था। बताया जा रहा है कि करीब 3 साल पहले इसी फैक्ट्री में काम करने के दौरान उसका मशीन में हाथ आ गया था, जिससे उसके बाएं हाथ की पांचों उंगलियां कट गई थीं। सुमित का पत्नी के साथ मनमुटाव रहता था, इसलिए लंबे समय से वह मायके में रह रही है। इस समय सुमित अपनी बहन के पास गांव पलड़ी में रह रहा था।

किसानों को रोकने के लिए पुलिस ने कसी कमर, टिकरी बॉर्डर पर सख्ती

बहादुरगढ़। एक तरफ पंजाब हरियाणा सीमा पर किसान संगठन लगातार दिल्ली कूच का ऐलान कर रहे हैं। वहीं दूसरी तरफ दिल्ली पुलिस ने उन्हें रोकने के लिए टिकरी बॉर्डर पर भी तमाम इंतजाम कर रखे हैं। दिल्ली के बॉर्डर पर मल्टीलेयर बेरिकेडिंग की व्यवस्था के साथ ही वज्र वाहन तैनात किए हैं। वहां सीसीटीवी और साउंड सिस्टम भी इंस्टॉल किया जा चुका है, ताकि किसानों को किसी भी सूरत में बॉर्डर को पार करने नहीं दिया जाए।

किसान एक बार फिर दिल्ली कूच का ऐलान कर चुके हैं, तो दिल्ली पुलिस ने टिकरी बॉर्डर पर एहतियाती कदम उठाए हैं। टिकरी व झाड़ोदा बॉर्डर पर कंटेनर आदि अवरोधक के रूप में रखे गए हैं। भारी मात्रा में सीसीटीवी (CCTV) और साउंड सिस्टम लगाए गए हैं। वज्र वाहन भी तैनात किए गए हैं। वरिष्ठ अधिकारियों ने किसी भी संभावित आपात स्थिति से निपटने के लिए दिशा-निर्देश दिए हैं। हरियाणा-दिल्ली सीमा पर बढ़े तनाव के बाद से ही स्थानीय उद्यमी भी चिंतित हैं।

बता दें कि हरियाणा-पंजाब के शंभू बॉर्डर पर पिछले 9 महीने से आंदोलनरत किसान 8 दिसंबर से ही दिल्ली कूच का प्रयास कर रहे हैं। हालांकि करीब 9 महीने पहले फरवरी महीने में भी किसानों ने दिल्ली कूच का ऐलान किया था। उस समय तो बहादुरगढ़ के सेक्टर-9 मोड़ से टिकरी बॉर्डर तक मल्टीलेवल बेरिकेडिंग की गई थी। दिल्ली की एंट्री से पहले सीमेंट के बेरिकेड, उसके बाद लोहे के बेरिकेड, फिर कटीली तारों की बेरिकेडिंग और उसके बाद कंटेनर लगाए गए थे।

देश व प्रदेश का है किसान, इस पर राजनीति न करें कांग्रेस : मोहनलाल बड़ोली

सोनीपत। सोनीपत में आज प्रदेश अध्यक्ष मोहनलाल बड़ोली ने अपने निवास स्थान पर प्रेस वार्ता की। इस दौरान बड़ौली ने कहा कि हमारा सदस्यता अभियान अभी भी जारी है और अभी तक 34 लाख बीजेपी के सदस्य बने हैं। सक्रिय सदस्यों का अभियान शुरू है। वहीं किसानों पर बोलते हुए कहा कि प्रदेश और देश किसानों का है। कांग्रेस पार्टी इस पर राजनीति न करें। उन्हें दिल्ली जाने से किसी ने नहीं रोका है।

इस दौरान मोहनलाल बडौली ने कहा हरियाणा पहली सरकार बनी है जो एमएसपी पर फैसले खरीद रही है। हरियाणा का किसान सरकार की नीतियों से संतुष्ट है। कांग्रेस के लोग खुद जाकर देखें दिल्ली जाने से कोई नहीं रोकता हैं। कांग्रेस के लोग किसानों पर राजनीति ना करें। देश और प्रदेश में अव्यवस्था फैलाकर कांग्रेस राजनीति न करें। कांग्रेस के पास राजनीति करने के और बहुत तरीके हैं। बजरंग पूनिया के शंभू बॉर्डर पर जाने पर कहा कि वहां कोई भी जा सकता है किसी को नहीं रोका जाता है।

एमपी रामचंद्र जांगड़ा बोले- किसान आंदोलन में हरियाणा में बढ़ा नशा, किसान नेता पंढेर ने किया पलटवार

चंडीगढ़। हरियाणा से बीजेपी के सांसद रामचंद्र जांगड़ा ने किसान आंदोलन को लेकर विवादित बयान दिया है। इसको लेकर किसान भड़क गए हैं। दूसरी ओर किसान नेता सरवन सिंह पंढेर ने भी भाजपा सांसद राम चंदर जांगड़ा के बयान पर पलटवार किया है। उन्होंने कहा कि रामचंद्र जांगड़ा गैर-जिम्मेदाराना बयान दे रहे हैं। रामचंद्र जांगड़ा को इस ब्यान पर माफी मांगनी चाहिए। साथ में पंढेर ने भाजपा अध्यक्ष जेपी नड्डा से अपील की है कि रामचंद्र जांगड़ा को बीजेपी से बाहर निकाल दें। अगर राम चंदर को पार्टी से बाहर नहीं निकालते हैं, तो उन्हें अपनी टिप्पणी के लिए माफी मांगनी चाहिए।

इसके अलावा किसान मजदूर संघर्ष समिति के नेता सरवन सिंह पंधेर ने कहा कि हमारे पास बहुत से किसान संगठन हैं। केंद्रीय एजेंसियों को इस चीज का ध्यान देना चाहिए कि वह किसानों को कमजोर करने की कोशिश ना करें। पंजाब के लोग आज भी हमारे साथ हैं। हम लगातार संघर्ष कर रहे हैं और हमारी जीत होगी जैसे पहले आंदोलन में जीत हुई थी।

सांसद रामचंद्र जांगड़ा का बयान

बता दें हरियाणा से बीजेपी के सांसद रामचंद्र जांगड़ा ने किसान आंदोलन को लेकर विवादित बयान दिया था। दरअसल, जांगड़ा ने कहा था कि पहली बार हुए किसान आंदोलन के बाद हरियाणा में नशा बढ़ा है। किसान नशे के सौदागर और कसाई हैं। हरियाणा के युवा अब नशे की चपेट में आने लगे हैं। इसके अलावा उन्होंने कहा कि किसान आंदोलन के दौरान टिकरी और सिंघु बॉर्डर के गांवों से 700 लड़किया भी गायब हुई हैं। इतना ही नहीं बीजेपी सांसद ने कहा कि युवाओं को बहकाने वाले और राज्य को नुकसान पहुंचाने वाले आंदोलन से दूर रहे।

सनसनीखेज ! हरियाणा में मिला महिला का गर्दन कटा शव, पास ही पड़े थे कोंडोम का पैकेट....

सोनीपत। सोनीपत के सेक्टर तीन में पड़ी खाली जगह में एक गर्दन कटा महिला शव मिलने से फैल गई। महिला की निर्मम हत्या की गई है। सूचना के बाद सेक्टर 27 थाना पुलिस ने महिला के शव को कब्जे में लेकर पोर्टमार्टम के लिए सिविल अस्पताल भिजवा दिया है। फिलहाल पुलिस मामले में गहनता से जांच कर रही है। मिली जानकारी के अनुसार सोनीपत के सेक्टर 3 में उस समय हड़कम मच गया जब एक गर्दन कटी महिला का शव पड़ा हुआ मिला। सूचना के बाद सेक्टर 27थाना पुलिस मौके पर पहुंची और शव के आसपास छानबीन की गई। महिला के शव के पास से कुछ कागजात और आपत्तिजनक सामान बरामद हुआ हैं, जिसके आधार पर पुलिस ने महिला के पति को मौके पर बुलाया। महिला के पति ने जानकारी दी की कपड़ों के आधार पर उसने पहचान की है। मृतक महिला का नाम चिमनी देवी और आयु 51 साल है। ये बिहार के रहने वाले हैं और सोनीपत में 10 साल से किराए पर रहते हैं। महिला एक निजी हॉस्पिटल में सफाई कर्मचारी के तौर पर काम करती थी। कल घर पर नाइट ड्यूटी की बात कह कर आई थी। महिला के पति ने किसी से कोई झगड़ा या दुश्मनी की बात से भी इंकार कर दिया है। वमामले में जानकारी देते हुए सेक्टर 27 थाना प्रभारी सवित कुमार ने बताया कि सूचना मिली थी कि सेक्टर 3 के खाली एरिया में महिला का शव पड़ा है। मौके पर पहुंच कर महिला के शव को कब्जे में लिया गया और हॉस्पिटल भेजा गया है। महिला की गर्दन काटी गई है और शरीर पर अन्य जगह पर भी निशान मिले हैं, महिला की उंगलियां भी काटी गई है, मामले में गहनता से जांच शुरू कर दी गई है।

एक देश-एक चुनाव से देश विकसित राष्ट्र बनने के लिए तीव्र गति से आगे बढ़ेगा: नायब सैनी

चंडीगढ़। केंद्रीय कैबिनेट की ओर से एक देश-एक चुनाव को मंजूरी दिए जाने के बाद देश भर में शुरू हुई चर्चाओं के बीच हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने केंद्रीय कैबिनेट के फैसले का स्वागत करते हुए इसे एक महत्वपूर्ण फैसला बताया है। यह बात मुख्यमंत्री नायब सैनी ने किसान भवन में किसान हस्तशिल्प प्रदर्शनी का उद्घाटन करने के पश्चात कही। इस दौरान उन्होंने कहा कि हठकरघा और हस्तशिल्प का बहुत महत्व है। प्रदर्शनी में देश की कला के सुंदर नमूने रखे गए हैं। भारत को सोने की चिड़िया बनाने में शिल्पकारों का बहुत बड़ा हाथ है। हर शिल्पकार की अलग पहचान और कला है।

'तीव्र गति से आगे बढ़ेगा देश'

सैनी ने कहा कि अब तक लगातार 5 साल के दौरान किसी ना किसी चुनाव में ही व्यस्त रहते थे। कभी पंचायत, कभी नगर पालिका, कभी विधानसभा और कभी लोकसभा के चुनाव में ही लगे रहते थे। इस पर पैसे के साथ समय भी काफी खराब होता था। साथ ही विकास को भी गति नहीं मिल पाती थी, क्योंकि चुनाव की घोषणा के साथ ही आचार संहिता लागू हो जाती थी, जिसके चलते सभी विकास कार्य ठप हो जाते थे। इसलिए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की ओर से लिया गया फैसला स्वागत के योग्य है। इससे देश विकसित राष्ट्र बनने के लिए तीव्र गति से आगे बढ़ेगा।

'चुनाव के लिए पूरी तरह से तैयार'

हरियाणा में चल रही निकाय चुनाव की तैयारियों को लेकर मुख्यमंत्री नायब सैनी ने कहा कि भारतीय जनता पार्टी चुनाव के लिए पूरी तरह से तैयार है। पार्टी की ओर से कईं स्थानों पर अपने निशान पर चुनाव लड़ा जाता है और कईं स्थानों पर बिना निशान के चुनाव लड़ा जाता है। इसके लिए पार्टी के वरिष्ठ पदाधिकारी आपस में बैठकर चर्चा कर फैसला करेंगे।

हरियाणा से निर्विरोध जीतीं बीजेपी प्रत्याशी रेखा शर्मा, राज्यसभा जाना हुआ तय

चंडीगढ़ । राज्यसभा के उपचुनाव को लेकर जारी प्रक्रिया के बीच हरियाणा से बीजेपी की प्रत्याशी रेखा शर्मा को निर्विरोध राज्यसभा का सांसद घोषित कर दिया गया है। उनके खिलाफ किसी पार्टी ने अपना उम्मीदवार नहीं उतारा था। बता दें आज यानी 13 दिसबंर को हरियाणा राज्यसभा चुनाव के लिए नामांकन वापसी का आखिरी दिन था। भाजपा ने राष्ट्रीय महिला आयोग की पूर्व अध्यक्ष रेखा शर्मा को राज्यसभा का उम्मीदवार बनाया है। दूसरी ओर, भाजपा के मुकाबले के लिए कांग्रेस या फिर किसी अन्य दल की ओर से किसी को चुनावी मैदान में नहीं उतारा गया था। ऐसे में भाजपा की उम्मीदवार रेखा शर्मा निर्विरोध जीत गई है। रिटर्निंग अधिकारी आईएएस अशोक कुमार मीणा ने रेखा शर्मा को जीत का सर्टिफिकेट सौंपा। 90 सीटों वाली हरियाणा विधानसभा में भाजपा के 48 विधायक हैं जबकि 3 निर्दलीयों का भी उन्हें समर्थन है। ऐसे में बीजेपी उम्मीदवार की जीत पहले से ही तय थी। रेखा शर्मा ने नामांकन के आखिरी दिन 10 दिसंबर को आवेदन किया था। बता दें कि हरियाणा की 5 राज्यसभा सीटें हैं। इनमें से 4 पर भाजपा सीधे काबिज हो चुकी है। जिनमें रेखा शर्मा और उनसे पहले सुभाष बराला, रामचंद्र जांगड़ा और किरण चौधरी शामिल हैं। इसके अलावा निर्दलीय कार्तिकेय शर्मा भी भाजपा के समर्थन से राज्यसभा सांसद चुने जा चुके हैं। उनकी मां शक्तिरानी शर्मा कालका से भाजपा की विधायक हैं। बता दें कि राष्ट्रीय महिला आयोग की पूर्व अध्यक्ष रेखा शर्मा ने 10 दिसंबर को नामांकन भरा था और 13 दिसंबर को नामांकन वापसी का आखिरी दिन है। कांग्रेस का कोई उम्मीदवार न होने के कारण वह निर्विरोध जीत गई है। वहीं, हरियाणा भवन में प्रदेश भाजपा की ओर से रेखा शर्मा के स्वागत में समारोह का आयोजन भी किया गया है। इसमें समाज कल्याण बोर्ड हरियाणा की अध्यक्ष सुमित्रा चौहान सहित कई भाजपा के कद्दावर नेता मौजूद रहेंगे।

नागरिकों के पैमाने पर खरा उतर रहा समाधान शिविर-उपायुक्त डॉ. विरेंन्द्र कुमार दहिया

पानीपत। हरियाणा सरकार पूरे प्रदेश में आम नागरिक की समस्याओं के समाधान को लेकर समाधान शिविरों का आयोजन कर नागरिकों की समस्याओं का मौके पर हल करने को लेकर प्रयासरत है। इसी उददेश्य को पूरा करने को लेकर आयोजित किये जा रहे समाधान शिविर नागरिकों के पैमाने पर खरा उतर रहे हैं। शिविर में सभी विभागों के अधिकारी जन समस्याओं पर गौर करके उनका समाधान निकालतें हैं। उपायुक्त डॉ. विरेन्द्र कुमार दहिया ने बताया कि समाधान शिविर में भी अगर समस्याओं का समाधान नहीं होता तो फिर समाधान का और कोई जरिया नहीं है। पहले अधिकारी समस्याओं को समझे फिर उसका समाधान करें। देरी का ठोस कारण के बाद ही समस्याओं को रजैक्ट करें। समाधान शिविर में गुरूवार को 86 समस्याएं आई जिनके अति शीघ्रता से समाधान करने के उपायुक्त ने निर्देश दिये।

उपायुक्त ने बताया कि अब शहर के हाईवे पर कैमरे लगाये जायेगे व सड़क दुर्धटनाओं को रोकने के लिए ट्रैक्टरों व रेहड़ों पर शहर में पाबंदी लगाने के लिए प्रशासन ने तैयारियां प्रारंभ कर ली है। रिक्वरी वैन खरीदने के भी उपायुक्त ने निर्देश दिये हैं। उपायुक्त ने बताया की शहर में इस प्रकार की व्यवस्था की जायेगी की शहर का नाम आये तो दूसरे शहर के लोग पानीपत का नाम ऐतिहासिक नगरी के अलावा साफ सफाई वाले शहर के नाम के साथ पुकारे। उपायुक्त ने बताया कि समाधान शिविरों का एक ही उददेश्य है जिले को समस्याओं से मुक्त करना। इसमें उन्हें कामयाबी भी मिल रही है। उपायुक्त ने अधिकारियों को सख्त निर्देश दिये हैं की समस्याओं के समाधान में समय ना लगाये। जो लोग सर्दी के मौसम में आपनी समस्याओं को लेकर पहुंच रहे हैं उन्हे आश्वासन ना दे बल्कि उनकी समस्याओं का समाधान करें। उपायुक्त ने आम जन की सुनवाई करते हुए एक शिकायतकर्ता जगदीश वासी सेक्टर 12 की समस्या पर सुनवाई करते हुए संबंधित विभाग के अधिरारी को शिविर को व्यवस्था देने के आदेश दिये। एक अन्य शिकायतकर्ता सुनील वासी सौदापुर ने उपायुक्त से राशन डिपों को दौबारा प्रारंभ करने की अपील की। उपायुक्त ने खादय एवं आपूर्ति विभाग के अधिकारियों को तत्काल कार्यवाही करने के निर्देश दिये। शिविर में पहुंचे हिरालाल वासी वधवा राम कालोनी ने उपायुक्त से विधुर पेंशन बनावाने का अनुरोध किया। इस पर संज्ञान लेते हुए उपायुक्त ने समाज कल्याण विभाग के अधिकारी को तत्काल पेंशन बनावाने के निर्देश दिये। उपायुक्त ने कहा कि जो पात्र सभी नार्म पूर्ण करता हैं वह पेंशन का पात्र है उसके कार्य में देरी नहीं होनी चाहिये। एक अन्य प्रार्थी देवेंद्र वासी जौरासी ने उपायुक्त से दिव्यांग पेंशन बनाने के लिए प्रार्थना की उपायुक्त ने संबंधित विभाग के अधिकारियों को निर्देश दिये व जल्द से जल्द पेंशन बनवाने के लिए कहा। उपायुक्त ने कहा कि हमें मानवता का ध्यान रख कर दिव्यांगों के कार्य प्राथमिकता के आधार पर करने चाहिये। एक अन्य प्रार्थी ने प्रशासन से आर्थिक मदद करने की गुहार लगाई। प्रार्थी पिंकी पत्नी कुलदीप वासी उग्रा खेंडी ने उपायुक्त के समक्ष अपना दुखड़ा रोया व बताया कि वह कैंसर की मरीज है। उसकी आर्थिक स्थिति कमजोर है। इलाज कराने में असमर्थ है। उन्होंने प्रशासन से इस घड़ी में मदद करने की प्रार्थनी की। उपायुक्त ने सीटीएम को इस पर संज्ञान लेने के निर्देश दिये। समाधान शिविर में और भी कई विभागों से जुड़ी समस्याओं के समाधान करने के निर्देश दिये। हरि नगर के राजकुमार ने प्रशासन से उनके प्लाट का कब्जा दिलवाने की गुहार लगाई। पुलिस अधीक्षक लौकेंद्र ने राजकुमार के मामले का अध्ययन कर उचित कार्यवाही करने के निर्देश दिये। पुलिस अधीक्षक ने बताया कि आम जन की समस्याओं को अधिकारी गंभीरता से ले। उनमें देरी ना करें। इस मौके पर एसपी लोकेन्द्र सिंह, डीआरओ रणविजय सिंह सुल्तानिया, खजाना अधिकारी हजारा सिंह, सीएमओ जयंत आहुजा, डीएफएससी नीतू, डीडीपीओ मनिष मलिक, एलडीएम राजकुमार, पशु चिकित्सक अशोक लोहान, पब्लिक हैल्थ के कार्यकारी अभियंता कर्ण बहल, पंचायती राज के कार्यकारी अभियंता प्रदीप, पुलिस विभाग के कैंपलेड अधिकारी सुरेश, सिंचाई विभाग के एसडीओ राजेश, संजीव शर्मा के अलावा विभिन्न विभागों के अधिकारी मौजूद रहे।

बाईपास रोड पर रेलिंग को तोड़ते हुए पलटी कार, चार घायल

फरीदाबाद। सेक्टर-14 के पास से गुजर रहे बाईपास रोड पर बीती रात एक कार रेलिंग को तोड़ते हुए पलट गई। जिसमें बैठे चार लोगों को सूचना मिलने के बाद हाईवे की पेट्रोलिंग टीम ने कार से बाहर निकाला। जिनमें से एक के सिर में काफी गंभीर चोटें थी। जिसे इलाज के लिए अस्पताल भिजवा दिया गया। तो वही तीन की हालत ठीक बताई जा रही है। इस मामले में जानकारी देते हुए पेट्रोलिंग मैनेजर मनीष ने बताया कि बीती रात पेट्रोलिंग कर रहे उनकी टीम के लोगों को सूचना मिली थी। इसके बाद वह मौके पर पहुंचे तो एक गाड़ी रेलिंग को तोड़ते हुए पलटी हुई थी। इस हादसे में गाड़ी का इंजन अलग पड़ा हुआ था। हादसा इससे लगभग 400 मीटर पहले भी एक एक्सीडेंट हुआ था, लेकिन उसमें किसी को कोई नुकसान नहीं हुआ था। वहीं उन्होंने बताया कि घटना रात करीब एक-डेढ़ बजे के बीच की है,

वी हरियाणा में दे रहा 4 जी का उत्कृष्ट अनुभव

हिसार । जाने-माने दूरसंचार सेवा प्रदाता वोडाफोन आइडिया (वी) ने आज बताया कि ओपनसिगनल की नेटवर्क एक्सपीरिएंस रिपोर्ट नवम्बर 2024 के अनुसार इसे हरियाणा में उत्कृष्ट 4जी नेटवर्क उपलब्ध कराने के लिए सराहा गया है। इस रिपोर्ट के तहत स्मार्टफोन 4जी यूज़र्स के 4जी अनुभव का मूल्यांकन किया गया। हरियाणा में विभिन्न मानकों जैसे 4जी अपलोड स्पीड, 4जी डाउनलोड स्पीड, 4जी वीडियो अनुभव, 4जी लाईव वीडियो अनुभव, 4जी गेम्स अनुभव और 4जी वॉइस ऐप अनुभव पर वी का उत्कृष्ट नेटवर्क, उपभोक्ताओं को सर्वश्रेष्ठ डिजिटल अनुभव एवं कनेक्टिविटी उपलब्ध कराने की प्रतिबद्धता को दर्शाता है।

इस अवसर पर दीपक राव, क्लस्टर बिज़नेस हैड, पंजाब, हरियाणा, हिमाचल प्रदेश, जम्मू-कश्मीर और लद्दाख ने कहा, ''हमें खुशी है कि हमें हरियाणा में शानदार 4जी नेटवर्क परफोर्मेन्स के लिए सम्मानित किया गया है। यह उपलब्धि हमारे नेटवर्क को सशक्त बनाने तथा उपभोक्ताओं को सहज कनेक्टिविटी उपलब्ध कराने के लिए हमारे सतत निवेश की पुष्टि करती है। हम अपने उपभोक्ताओं को कनेक्टिविटी का उत्कृष्ट अनुभव प्रदान करते रहने के लिए निरंतर प्रयासरत हैं।'

ओपनसिगनल की रिपोर्ट हरियाणा सहित देश भर में नेटवर्क के परफोर्मेन्स में सुधार लाने के वी के सतत प्रयासों की पुष्टि करती है। इसी साल अप्रैल में वी ने एफपीओ के ज़रिए रु 18,000 करोड़ की राशि जुटाई थी और कंपनी देश भर में अपने नेटवर्क में सुधार लाने के लिए निरंतर प्रयासरत है।

इन्हीं प्रयासों के तहत वी ने हरियाणा में अपने बैण्डविड्थ को 1240 से अधिक साईट्स में एल 900 स्पैक्ट्रम पर 5 एमएचजेड से 10 एमएचजेड दोगुना कर कर लिया है तथा 1160 से अधिक साईट्स पर एल2100 स्पैक्ट्रम पर बैण्डविड्थ को 10 एमएचजेड से बढ़ाकर 15 एमएचजेड कर लिया है। कंपनी ने 250 से अधिक साईट्स पर एल2100 और एल900 की नई लेयर्स को शामिल किया है, जो एक साथ मिलकर हरियाणा में वी गीगानेट पर नेटवर्क का सहज एवं उत्कृष्ट अनुभव प्रदान करती हैं।

वी ने अपने उपभोक्ताओं को उत्कृष्ट डिजिटल अनुभव प्रदान करने के लिए प्रयासरत है। आधुनिक पहलों जैसे मौजूदा नेटवर्क अपग्रेड, सेवाओं की बेहतर गुणवत्ता और आधुनिक समाधानों के माध्मय से वी उपभोक्ताओं की बदलती ज़रूरतों को पूरा कर रहा है। हाल ही लाए गए कुछ ऑफर्स हैं:-

वी सुपरहीरो रीचार्जः वी के उपभोक्ता रोज़ाना रात 12 बजे से दोपहर 12 बजे तक अनलिमिटेड डेटा के फायदे पा सकते हैं, इसके अलावा वीकेंड डेटा रोलओवर और डेटा डिलाईट जैसे एक्सक्लुज़िव फायदे पहले से उपलब्ध हैं।

वी गारंटी प्रोग्राम जिसमें वी के यूज़र को 1 साल की अवधि के लिए 130 त्नक्क गारंटीड अतिरिक्त डेटा मिलता है, लगातार 13 बार रीचार्ज करने पर हर 28वें दिन उनके अकाउंट में 10 जीबी डेटा क्रेडिट हो जाता है। यह ऑफर वी के उपभोक्ताओं के लिए वैद्य है जिनके पास 5जी स्मार्टफोन है या जिन्होंने हाल ही में रु 299 के डेली डेटा अनलिमिटेड पैक के साथ नए 4जी स्मार्टफोन पर अपग्रेड किया है।

रु 1201 के मासिक रेंटल पर नवीकृत रैडएक्स पोस्टपेड प्लान, नॉन-स्टॉप सर्फिंग, स्ट्रीमिंग और कनेक्टिविटी के लिए अनलिमिटेड डेटा देता है। यह उपभोक्ता को कॉम्प्लीमेंटरी फायदे जैसे नेटफ्लिक्स बेसिक, छह महीने की स्विगी वन मेंबरशिप, सात दिनों का इंटरनेशनल रोमिंग पैक और सभी वी टचपॉइन्ट्स पर प्रायोरिटी कस्टमर सर्विस के फायदे देता है।

वी अब दो सब्सक्रिप्शन प्लान्स के साथ नेटफ्लिक्स का एक्सेस भी देता है, 70 दिनों के लिए रु 1198 और 84 दिनों के लिए रु 1599। ये पैक उपभेक्ताओं को हीरो अनलिमिटेड के विशेष फायदे देते हैं जैसे रात 12 बजे से सुबह 6 बजे तक अनलिमिटेड डेटा, वीकेंड डेटा रोलओवर और डेटा डिलाइट।

किफ़ायती कीमत पर उपभोक्ताओं में अधिक एंटरटेनमेन्ट की बढ़ती मांग के साथ वी मुवीज़ एण्ड टीवी ऐप अब एक ही सब्सक्रिप्शन में 17 ओटीटी प्लेटफॉर्म्स और 350 लाईव टीवी चैनलों तक का एक्सेस देता है। इसमें नए लॉन्च किए गए तीन सब्सक्रिप्शन प्लान्स हैं- रु 248 प्रति माह पर वी मुवीज़ एण्ड टीवी प्लस, रु 175 प्रति माह पर वी मुवीज़ एण्ड टीवी सुपर और रु 154 प्रति माह पर वी मुवीज़ एण्ड टीवी लाईट।

ओटीटी प्लेटफॉर्म्स की लोकप्रियता को देखते हुए, वी अपने बंडल्ड प्लान्स का विस्तार कर रहा है। वर्तमान में यह एमज़ॉन प्राइम, नेटफ्लिक्स, डिज़नी प्लस हॉटस्टार, सोनी लिव और सननेक्स्ट के साथ ओटीटी के फायदे देता है, जल्द ही ऐसी अन्य साझेदारियों की भी योजना है।

अग्रवाल संगठन द्वारा देश व प्रदेश में अग्रवाल युवक-युवतियों के रिश्ते करवाने का कार्य करेगा- बजरंग गर्ग

हिसार- हरियाणा अग्रवाल विकास संगठन के हिसार जिला प्रधान सत्यपाल अग्रवाल व शहरी प्रधान अनिल सिंगला मंगाली वाला ने संयुक्त जारी ब्यान में बताया कि अग्रवाल युवक-युवतियों के रिश्ते करवाने के लिए अग्रवाल समाज द्वारा कार्यालय का उद्घाटन अग्रोहा धाम वैश्य समाज के राष्ट्रीय कार्यकारी अध्यक्ष व हरियाणा अग्रवाल विकास संगठन के प्रांतीय अध्यक्ष बजरंग गर्ग ने किया। संगठन के प्रांतीय अध्यक्ष बजरंग गर्ग ने उद्घाटन समारोह में कहा कि बच्चों के रिश्ते करवाना बड़ा ही समाजिक कार्य है जबकि आज के समय में युवक-युवतियों के रिश्ते समय पर ना होने के कारण बच्चों की उम्र बढ़ती जा रही है। अग्रवाल संगठन द्वारा देश व प्रदेश में अग्रवाल युवक-युवतियों के रिश्ते करवाने का कार्य किया जाएगा। इसके लिए देश व प्रदेश के हर जिलों से युवक-युवतियों के पूरे परिचय लेकर उसका रिकॉर्ड तैयार किया जाएगा। बायोडाटा के माध्यम से युवक-युवतियों के माता-पिता आपसी तालमेल करके आसानी से बच्चों के रिश्ते कर सकेंगे और युवक-युवती के बायोडाटा वाली पुस्तकें का भी विमोचन किया जाएगा। बजरंग गर्ग ने कहा कि बच्चों के रिश्ते करवाने के लिए जगह-जगह अग्रवाल युवक-युवती परिचय सम्मेलन भी करवाएं जाएंगे ताकि एक ही मंच पर युवक-युवती को मनचाहा वर-वधु मिल सके। परिचय सम्मेलन करवाने से फिजूल खर्च पर भी अंकुश लगेगा। बजरंग गर्ग ने कहा कि हिसार में बच्चों के रिश्ते करवाने के लिए जिला प्रधान

सत्यपाल अग्रवाल, शहरी प्रधान अनिल सिंगला मंगाली वाला, एनके गोयल व अग्रोहा धाम में राष्ट्रीय युवा संयोजक अनन्त अग्रवाल, राष्ट्रीय महासचिव चूड़ियां राम गोयल, निर्माण समिति संयोजक रिषी राज गर्ग आदि के नेतृत्व में टीम का गठन किया गया है। इसी प्रकार देश व प्रदेश में कमेटियों का गठन किया जाएगा।इस अवसर पर संगठन के जिला प्रधान सत्यपाल अग्रवाल, शहरी प्रधान अनिल सिंगला मंगाली वाला, अग्रोहा धाम वैश्य समाज के जिला प्रधान एनके गोयल, निर्माण समिति संयोजक ऋषिराज गर्ग, विनोद गोयल, पवन सिंगला, सुभाष जैन, सतपाल गोयल, अनाज मंडी हॉस्पिटल प्रधान अनिल जैन, हिसार प्रॉपर्टी एसोसिएशन प्रधान संजय डालमिया, प्रवीण जैन, दुनीचंद गोयल, स्माईल क्लब प्रधान अंजनी कोहलीवाले, तरुण सिंगला, पूर्व पार्षद जगमोहन मित्तल, प्रदेश संगठन मंत्री राजेंद्र बंसल, प्रदेश सहसचिव निरंजन गोयल, गोपाल मित्तल, रतन बंसल, प्रवीण सिंगल, अभिमन्यु बंसल, सौरभ मित्तल आदि प्रतिनिधियों ने अपने विचार रखें।

हरियाणा विधानसभा अध्यक्ष हरविंद्र कल्याण ने 6 करोड़ की लागत से बनने वाले तीन रास्तों का किया शिलान्यास

करनाल। हरियाणा विधानसभा अध्यक्ष हरविंद्र कल्याण ने शहर से गांव से जोड़ने वाले तीन प्रमुख रास्तों का बुधवार को शिलान्यास किया। तीनों रास्ते लगभग 6 करोड़ रुपए की लागत से बनेंगे। हरियाणा विधानसभा अध्यक्ष हरविंद्र कल्याण ने कहा कि इन रास्तों का निर्माण होने से किसानों को बहुत लाभ होगा। उन्होंने कहा कि लोगों की ये बहुत पुराने डिमांड थी। शीघ्र ही लोगों को इन रास्तों की सुविधा मिलेगी।

हरियाणा विधानसभा अध्यक्ष हरविंद्र कल्याण ने फुरलक रोड से हसनपुर सीमा, नजदीक बीआरएम कॉलेज से गांव मलिकपुर रोड व शमशान घाट से पनोडी गांव तक जाने वाले रास्तों का शिलान्यास किया। जहां पर लोगों ने उनको पुष्पगुच्छ भेंट कर व फूल मालाओं के साथ स्वागत किया। विधानसभा अध्यक्ष हरविंद्र कल्याण ने कहा कि जिन रास्तों का आज शिलान्यास है, वे शहर के प्रमुख रास्ते है। उन्होंने कहा कि ऐसे बहुत से विकास कार्य पाइप लाइन में है और काफी कार्यो को प्रदेश के मुख्यमंत्री नायब सैनी ने स्वीकृति दी हुई। वे विकास कार्य आने वाले समय में शुरू होंगे। विधानसभा अध्यक्ष हरविंद्र कल्याण ने कहा कि क्षेत्र में विकास कार्यों में कमी नहीं आने दी जाएगी। कोरोना काल की वजह से विकास कार्य में रुकावट आ गई थी, लेकिन अब विकास कार्यों में तेजी लाई जाएगी।

इन रास्तों पर होंगे इतने खर्च-बुधवार को लगभग 6 करोड़ की लागत से बनने वाले रास्तों का शिलान्यास हुआ। जिसमें फुरलक

रोड से हसनपुर सीमा तक लगभग दो करोड़ 47 लाख रुपए, नजदीक बीआरएम कॉलेज में मलिकपुर रोड तक 6 लाख व शमशान घाट से पनोडी गांव तक एक करोड़ 80 लाख रुपए खर्च होंगे।

इस अवसर पर नगर पालिका चेयरमैन हैप्पी लक गुप्ता, सचिव रवि प्रकाश शर्मा, मंडल अध्यक्ष सुभाष कश्यप, नरेंद्र प्रजापति,पालिका अभियंता संदीप राठी , पार्षद अश्वनी राणा, जयनारायण पाल, अनुज गुप्ता,अमित गुप्ता, पार्षद प्रतिनिधि जयभगवान सेन, पंकज गुलाटी, सोमनाथ प्रजापति सहित अन्य लोग मौजूद रहे।

क्राइम डायरी

घरों व मंदिरों में चोरी करने वाले गिरोह का पर्दाफाश, अपराध शाखा सेक्टर 85 की टीम ने 4 आरोपियो को किया गिरफ्तार

फरीदाबाद की आवाज

फरीदाबाद- बता दें कि फरीदाबाद पुलिस द्वारा लगातार सफलताएं प्राप्त की जा रही है, इसी क्रम में अपराध शाखा सेक्टर 85 ने पुलिस अपराध उपायुक्त अपराध मकसूद अहमद के मार्गदर्शन तथा अमन यादव सहायक पुलिस आयुक्त अपराध के दिशा निर्देश पर कार्यवाही करते हुए घरों व मंदिरों में चोरी करने वाले एक गिरोह के चार सदस्य हरीश उर्फ हरिया, सचिन उर्फ सागर, कंचन उर्फ शिव शंकर, राजेश उर्फ सरकटा को गिरफ्तार किया है। पुलिस प्रवक्ता ने मामले में जानकारी देते हुए बतलाया कि अपराध शाखा की टीम ने मंदिरों में चोरी करने वाले सक्रिय गिरोह के चार सदस्यो को गिरफ्तार किया है। गिरफ्तार आरोपी हरिश वासी भारत कॉलोनी खेडीपुल, सचिन वासी राजेन्द्र कॉलोनी मवई, कंचन उर्फ शिव शंकर वासी हरी नगर खेडू पुल तथा राजेश वासी तिगांव के रहने वाले है। आरोपियो से थाना सेक्टर-8, सूरजकुण्ड, हृद्धङ्ग, डबुआ पल्ला व खेडी पुल में पंजीकृत कुल 6 चोरी की वरदातों का खुलासा हुआ है। पूछताछ में ज्ञात हुआ है कि सभी आरोपी दोस्त है जिनके द्वारा मिलकर श्री लक्ष्मी नारायण मंदिर ग्रीन फिल्ड, खाटूश्याम मंदिर सेक्टर-3, हृद्धङ्ग, पल्ला व डबुआ के मंदरो में चोरी की गई है। इसके अतिरिक्त आरोपी हरिश व सचिन ने थाना खेड़ीपुल क्षेत्र के अंतर्गत साई बजट कॉम्प्लेक्स सेक्टर 86 में एक इनवर्टर बैटरी की दुकान से बैटरियां व अन्य सामान की चोरी की वारदात को अंजाम दिया था। अनुसंधान के दौरान आरोपी हरिश व सचिन से चोरी के 20000/-रु बरामद किए गए है। जिनको पूछताछ के बाद जेल भेजा गया है। आरोपी राजेश व कंचन पुलिस रिमांड पर है जिनसे पूछताछ जारी है। अपराधिक रिकॉर्ड अनुसार आरोपी सचिन उर्फ सागर पर चोरी के 3 व अवैध हथियार के 2 मामले, हरीश उर्फ हरिया पर चोरी के 2 मामले, राजेश पर चोरी के 4 मामले तथा कंचन पर चोरी व पीओ के 3 मामले दर्ज है।

फरीदाबाद में वॉट्सऐप के जरिए दो लोगों से 43.35 लाख की ठगी

- एक को शेयर मार्केट में निवेश करने का दिया झांसा
- दूसरे से इलेक्ट्रॉनिक सामान दिलाने लिए रुपए

तहलका जज्बा/संवाददाता

बल्लभगढ़। साइबर ठगों ने आजकल वाट्सएप ग्रुप पर जोड़कर ठगी का नया तरीका अपना है। यह लोग वाट्सएप ग्रुप पर लोगों को जोड़कर ट्रेडिंग में पैसे लगाकर ज्यादा फायदा दिलाने का दावा करते हैं। पहले कुछ फायदा ग्राहक को देते हैं और विश्वास होने पर बड़ी रकम लेकर गायब हो जाते हैं। इस तरह के आजकल कई मामले साइबर थाने, साइबर सेल और स्थानीय थानों में आ रहे हैं। ऐसे ही दो मामले फरीदाबाद में हुए है। साइबर ठगों ने दो लोगों से 43.35 लाख की ठगी कर ली। एक व्यक्ति को शेयर मार्केट में निवेश का झांसा दिया। जबकि दूसरे को इलेक्ट्रॉनिक सामान दिलाने की बात कही। पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। सेक्टर-84 में परिवार के साथ रहने वाली संजली अग्रवाल ने अपनी शिकायत में बताया कि बीते दिनों एक अनजान नंबर से जीपीएस कैपिटल प्राइवेट लिमिटेड नाम के कंपनी से वॉट्सऐप पर एक मैसेज आया। मैसेज में शेयर बाजार में निवेश संबंधित बातें लिखी थी। बाद उनके पास एक लिंक आया। लिंक पर क्लिक करते ही मोबाइल फोन पर एक एप डाउनलोड हो गया। फिर शेयर मार्केट में निवेश का झांसा देकर कई चरणों में 26 लाख 35 हजार रुपए जमा करा लिया।

● इलेक्ट्रॉनिक सामान दिलाने के नाम पर ठगे 17 लाख

ऐसे ही एक अन्य मामले में एक व्यक्ति से इलेक्ट्रॉनिक सामान दिलाने का झांसा देकर करीब 17 लाख रुपए ठग लिए। सेक्टर-82 निवासी ने अपनी शिकायत में बताया है कि उनके सोशल मीडिया अकाउंट पर वॉट्सऐप बिजनेस अकाउंट से जुड़ने का एक संदेश आया। इस दौरान उन्होंने वॉट्सऐप बिजनेस पर इलेक्ट्रॉनिक सामान खरीदने की इच्छा जाहिर की। ठग ने अग्रिम राशि के रूप में करीब 17 लाख रुपए अपने विभिन्न बैंक खाते में ऑनलाइन जमा करा लिए।

● कैसे बचें साइबर ठगी से

अजनबी फोन और संदेशों से सावधान रहें। किसी भी अजनबी से शेयर बाजार या निवेश से संबंधित काल या मैसेज प्राप्त होने पर सतर्क रहें। ठग अक्सर लुभावने ऑफर के नाम पर आपको विश्वास दिलाने की कोशिश करते हैं। निजी जानकारी साझा न करें। अपने व्यक्तिगत और वित्तीय जानकारी जैसे कि बैंक खाता नंबर, पिन, पासवर्ड आदि किसी के साथ शेयर न करें। ठग अक्सर इन जानकारियों का इस्तेमाल आपके खाते से से पैसे निकालने के लिए करते हैं।

ऑनलाइन निवेश के लिए वेबसाइट की जांच करें

● किसी भी वेबसाइट या ऐप्लिकेशन पर निवेश करने से पहले उसकी वैधता और सुरक्षा की जांच करें। हमेशा प्रमाणित और प्रसिद्ध प्लेटफार्मो का ही इस्तेमाल करें। साइबर हेल्पलाइन से संपर्क करें- यदि आप ठगी का शिकार होते हैं तो तुरंत साइबर हेल्पलाइन नंबर 1930 पर काल करके शिकायत दर्ज कराएं।

सार्वजनिक स्थानों-बाजारों में प्रतिबंधित प्लास्टिक के उपयोग पर होगी सख्त कार्रवाई

फरीदाबाद। डीसी विक्रम सिंह के निर्देशानुसार हरियाणा राज्य प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड फरीदाबाद और नगर निगम फरीदाबाद द्वारा सिंगल यूज प्लास्टिक के उल्लंघनकर्ताओं पर जुर्माना लगाने और उनका सख्ती से सामना करने के लिए नियमित रूप से संयुक्त निरीक्षण नियमित तौर पर किए जा रहे हैं। यह निरीक्षण विभिन्न सार्वजनिक स्थानों, दुकानों और बाजारों में सिंगल यूज प्लास्टिक उत्पादों के उपयोग की स्थिति की जांच करने के लिए किया जा रहा है। जब किसी उल्लंघनकर्ता को प्रतिबंधित प्लास्टिक का उपयोग करते हुए पाया जाता है, तो उन पर जुर्माना लगाया जाता है और साथ ही उनका सिंगल यूज प्लास्टिक सामग्री भी जब्त कर लिया जाता है। यह कदम राज्य में प्लास्टिक के अवैध उपयोग को कम करने के लिए महत्वपूर्ण है। डीसी ने बताया कि इस कार्रवाई का उद्देश्य प्लास्टिक के अवैध व्यापार और उपयोग को रोकना है, जिससे पर्यावरण पर इसके हानिकारक प्रभावों को कम किया जा सके। सभी अवैध रूप से उपयोग किए जा रहे प्लास्टिक उत्पादों को जब्त कर उनकी पुनः बिक्री या उपयोग पर रोक लगाई जाती है, जिससे यह सुनिश्चित किया जा सके कि पर्यावरण की रक्षा की जा रही है।

सामुदायिक पुलिसिंग टीम द्वारा स्वास्थ्य विभाग के सहयोग HIV के प्रति जागरुकता कार्यक्रम का किया गया आयोजन

फरीदाबाद की आवाज

फरीदाबाद। पुलिस प्रवक्ता ने बताया कि फरीदाबाद पुलिस लगातार लोगो को जागरुक करने के लिए जागरुकता प्रोग्राम कर रही है इसी क्रम में सामुदायिक पुलिसिंग टीम द्वारा पुलिस लाइन सेक्टर-30 में स्वास्थ्य विभाग के सहयोग से एक विशेष HIV जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया।

कार्यक्रम में स्वास्थ्य विभाग की टीम ने करीब 450 नवनियुक्त महिला एवं पुरुष पुलिसकर्मियों को ҹङ्क के बारे में जागरूक किया। उन्होंने एचआईवी के कारण, प्रभाव और बचाव के उपायों पर महत्वपूर्ण जानकारी साझा की। इसके पश्चात, सभी प्रतिभागियों ने रस्साकसी खेल में भाग लिया। प्रतियोगिता में विजेता टीम को स्वास्थ्य विभाग की ओर से ट्रॉफी देकर सम्मानित किया गया। यह आयोजन युवाओं और पुलिसकर्मियों में स्वास्थ्य के प्रति जागरूकता बढ़ाने और एक स्वस्थ समाज के निर्माण के उद्देश्य से आयोजित किया गया।

देसी पिस्तौल सहित आरोपी को अपराध शाखा टीम DLF ने किया गिरफ्तार, पूर्व में चोरी व अवैध हथियार के मामले है दर्ज

फरीदाबाद की आवाज

फरीदाबाद। बता दे कि 11 दिसम्बर को अपराध शाखा DLF की टीम को गस्त के दौरान अपने गुप्त सूत्रों से सूचना प्राप्त हुई कि अमन उर्फ़ बब्लू वासी पर्वतीय कॉलोनी पास देसी कट्टा है, जिसपर कार्रवाई करते हुए अपराध शाखा की टीम ने अमन उर्फ़ बब्लू को गाजीपुर रोड नंगला इंक्लेव पार्ट-2 के गिरफ्तार किया है। आरोपी के खिलाफ थाना सारन में मामला पंजीकृत किया गया है। आरोपी से एक देसी कट्टा बरामद हुआ है। पूछताछ में सामने आया कि देसी कट्टा को 7000/-रु में हनुमानगढ़ राजस्थान से खरीद कर लाया था। अपारधिक रिकॉर्ड अनुसार आरोपी

पर 3 मामले चोरी व अवैध हथियार के थाना सारन व स्तरू नगर नें दर्ज है। आरोपी को पूछताछ के बाद अदालत में पेश कर जेल भेजा गया।

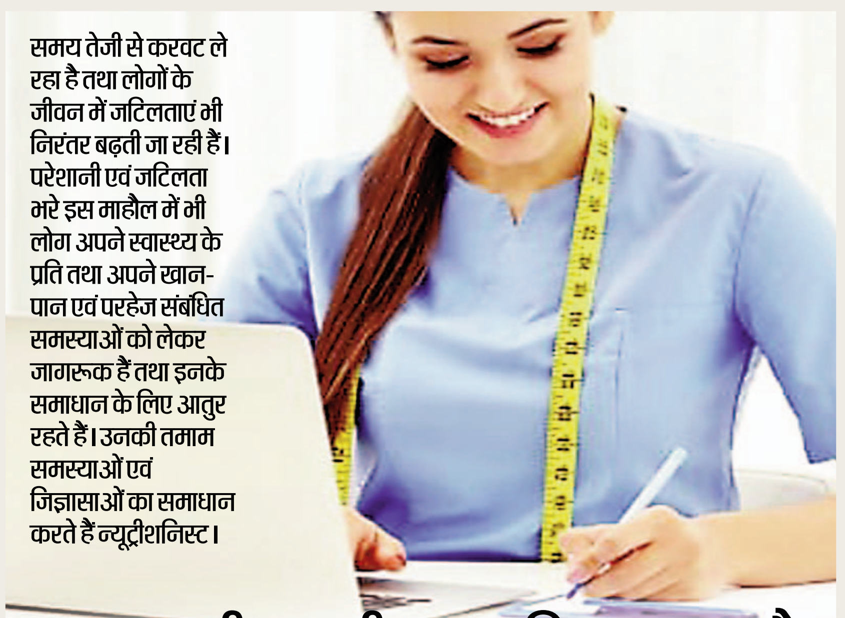

समय तेजी से करवट ले रहा है तथा लोगों के जीवन में जटिलताएं भी निरंतर बढ़ती जा रही हैं। परेशानी एवं जटिलता भरे इस माहौल में भी लोग अपने स्वास्थ्य के प्रति तथा अपने खान-पान एवं परहेज संबंधित समस्याओं को लेकर जागरूक हैं तथा इनके समाधान के लिए आतुर रहते हैं। उनकी तमाम समस्याओं एवं जिज्ञासाओं का समाधान करते हैं न्यूट्रीशनिस्ट।

स्वस्थ जीवन की आधारशिला रखता है न्यूट्रीशनिस्ट

एक सामान्य जीवन व्यतीत करने वाले नागरिक से लेकर खिलाड़ियों के लिए जरूरी फूड सप्लिमेंट तक का उपाय इन्हीं न्यूट्रीशनिस्टों के जरिए होता है। इस आधार पर कहा जा सकता है कि न्यूट्रीशन स्वास्थ्य को बढ़ावा देने के लिए फूड एवं अन्य पदार्थों को नियंत्रित करने का विज्ञान है। आज यह अपनी उपयोगिता के चलते नये प्रोफेशन का रूप अख्तियार कर चुका है। एक न्यूट्रीशनिस्ट का काम जीवन के स्तर को ऊंचा उठाने के लिए खान–पान के तौर–तरीकों तथा अच्छे स्वास्थ्य के मद्देनजर जरूरी चीजों को बढ़ावा देना होता है। यह सारी क्रियाविधि मनुष्य की उम्र पर निर्भर करती है। इसके अलावा उनके रूटीन, बीमारी तथा कार्य के स्वरूप को देखते हुए खाद्य पदार्थों की रूपरेखा तय की जाती है। यह सुखद संकेत है कि न्यूट्रीशन के सिद्धांतों एवं परिकल्पनाओं के जरिए लोगों के अंदर व्यापक बदलाव देखने को मिले हैं। न्यूट्रीशनिस्ट अपने ज्ञान एवं शोधों के द्वारा खाद्य पदार्थों की सूची तैयार करता है तथा उस आधार पर उसे हॉस्पिटल, फिजिकल ट्रेनिंग कैम्प, पर्वतारोहियों आदि के लिए निर्धारित करता है। इन खाद्य पदार्थों में विटामिंस, मिनरल्स, आयरन आदि होते हैं, जो मनुष्य के लिए आवश्यक होते हैं। पाचन क्रिया के अध्ययन व शोधों से यह पता चला है कि शरीर में अधिकांश रिएक्शन एवं शारीरिक परेशानियां संतुलित आहार न लेने से होती हैं। इन बीमारियों में डायबिटीज, लीवर व पेट संबंधी समस्याएं शामिल हैं। यदि ये न्यूट्रीशनिस्ट किसी प्रोडक्ट मैन्युफैक्चरिंग संस्थान में कार्यरत हैं तो वे अपनी प्लानिंग एवं शोधों के जरिए नए उत्पाद के सृजन की कोशिश करते हैं। वास्तव में ये न्यूट्रीशनिस्ट स्वस्थ जीवन की आधारशिला रखने में अपनी महत्त्वपूर्ण भूमिका निभा रहे हैं।

बारहवीं के बाद रखें कदम

न्यूट्रीशन के फील्ड में जो भी करियर ऑप्शन हैं, वे ग्रेजुएट या पोस्ट ग्रेजुएट बनने के बाद ही सामने आते हैं। इसके लिए लोगों को होम साइंस, न्यूट्रीशन, फूड साइंस/ टेक्नोलॉजी से सबंधित कोर्स करने अनिवार्य हैं। बैचलर कोर्स (न्यूट्रीशन एवं डायटीशियन) के लिए छात्र को विज्ञान विषयों (फिजिक्स, कैमिस्ट्री, होम साइंस एवं बायोलॉजी) में पास होना अनिवार्य है। तभी बीएससी इन होम साइंस तथा अन्य बैचलर प्रोग्राम जैसे फूड साइंस एंड टेक्नोलॉजी, मेडिसिन, होटल मैनेजमेंट एंड कैटरिंग टेक्नोलॉजी से संबंधित अन्य विषयों को भी शामिल किया जाता है। कुछ ऐसे भी संस्थान हैं जो 10+2 के पश्चात चार वर्षीय फूड टेक्नोलॉजी कोर्स कराते हैं, जबकि पोस्ट ग्रेजुएट लेवल पर न्यूट्रीशन का डायटीशियन से संबंधित कोर्स या तो दो वर्ष का है या फिर पोस्ट ग्रेजुएट डिप्लोमा (1 वर्षीय) के रूप में है। पीजी तथा पीजी डिप्लोमा कोर्स करने के लिए फूड साइंस, होम साइंस, होटल मैनेजमेंट एंड कैटरिंग टेक्नोलॉजी, बायो कैमिस्ट्री तथा मेडिसिन में बैचलर होना आवश्यक है। एमएससी इन होम साइंस भी इसी स्तर पर किया जाता है। इसके बाद पीएचडी का रास्ता खुलता है।

सिलेबस भी है कुछ खास

न्यूट्रीशन से संबंधित कोर्सो का सिलेबस काफी फैला हुआ तथा रुचिकर है। स्कूली स्तर से लेकर मास्टर एवं रिसर्च लेवल तक का पाठ्यक्रम बताता है कि स्कूलों में न्यूट्रीशन प्रोग्राम के अंतर्गत स्वस्थ खाना एवं उसके फायदे, स्वास्थ्य की जरूरत, मेन्यू डिजाइनिंग, बच्चों में फैट की मात्र, कुकिंग वर्कशॉप तथा प्रकृति के प्रति सहानुभूति दर्शाई जाती है। इसी तरह से एमएससी होम साइंस के सिलेबस में बायोकैमिस्ट्री, न्यूट्रीशन संबंधी रिसर्च, फिजियोलॉजी, बायोस्टेटिस्टिक, मनुष्य की न्यूट्रीशन की आवश्यकता, माइक्रोबायोलॉजी, प्रिंसिपल ऑफ फूड साइंस के अलावा अंतिम वर्ष तक ह्यूमन न्यूट्रीशन एंड डायटेक्टिक, इंस्टीटयूशनल मैनेजमेंट एवं फूड साइंस शामिल किया जाता है, जबकि एक वर्षीय डिप्लोमा इन डायटेक्टिस एंड पब्लिक हैल्थ न्यूट्रीशन (डीडीपीएचएन) के अंतर्गत तीन माह की कंपलसरी इंटर्नशिप दी जाती है। यह इंटर्नशिप किसी हॉस्पिटल या योग्य डायटीशियन के अंडर कराई जाती है। इसमें बायोकैमिस्ट्री, न्यूट्रीशन, अप्लाइड फिडियोलॉजी, फूड माइक्रो बायोलॉजी, एडमिनिस्ट्रेशन, थिरैप्टिक न्यूट्रीशन तथा पब्लिक हैल्थ न्यूट्रीशन आते हैं।

खान–पान में अभिरुचि जरूरी

एक अच्छे न्यूट्रीशनिस्ट की रुचि खानपान एवं उसे तैयार करने में अवश्य होनी चाहिए। तभी वह इस फील्ड की बारीकियों को समझ पाएगा। समूह में अथवा व्यक्तिगत स्तर पर लोगों को अपने बोलने की कला से बांधे रखने (कम्युनिकेशन स्किल्स), विभिन्न रिपोर्ट तैयार करने का कौशल तथा पोस्टर, बैनर लिखने संबंधी ज्ञान भी कदम–दर–कदम काम आता है। उनकी वाणी में मिठास हो तथा मरीज के साथ दोस्ताना व्यवहार बनाने की कला जानते हों। किसी भी संगठन के लिए प्लानिंग एवं इनके प्रशासनिक कार्यो को संभालने के साथ ही शारीरिक रूप से फिट तथा एक टीम लीडर की भांति काम करने का जज्बा सफलता का पैमाना तय कर सकता है। विज्ञान में अभिरुचि तथा उत्तरदायित्व जैसे गुणों को भी एक न्यूट्रीशनिस्ट के अंदर परखा जाता है।

क्या काम है न्यूट्रीशनिस्ट का

एक न्यूट्रीशनिस्ट का कार्य क्षेत्र काफी फैला हुआ है। फूड की प्लानिंग, न्यूट्रीशन प्रोग्राम तैयार करने, बीमारियों तथा जंक फूड से बचाने, पोषक गुणों से युक्त खाना खाने को प्रेरित करने से लेकर फूड सर्विस सिस्टम को प्रमुख संस्थानों जैसे स्कूल, हॉस्पिटल आदि जगहों पर प्रमोट करने संबंधी सभी कार्य इनके जिम्मे होते हैं। कुछ प्रमुख कार्य क्षेत्र इस प्रकार हैं–

क्लीनिकल डाइटीशियन– इनका कार्य किसी हॉस्पिटल, नर्सिंग केयर सेंटर अथवा अन्य संस्थानों में मरीजों को न्यूट्रीशन से संबंधित सेवाएं उपलब्ध कराना है। वे पता लगाते हैं कि मरीज को न्यूट्रीशन की कितनी आवश्यकता है तथा उसे किस रूप में इसे दिया जा सकता है। इसके बाद मिलने वाले परिणामों तथा डॉक्टर के साथ न्यूट्रीशन संबंधित आश्यकताओं पर चर्चा करते हैं।

कम्युनिटी डाइटीशियन – इनकी प्रमुख भूमिका व्यक्तिगत अथवा समूह के रूप में हैल्थ को बढ़ावा देने के लिए न्यूट्रीशन प्रैक्टिस को कारगर बनाना है। इनके काम करने का स्थान मुख्यत- पब्लिक हैल्थ क्लीनिक, होम हैल्थ एजेंसी तथा हैल्थ मेंटीनेंस ऑर्गेनाइजेशन है। कम्युनिटी डाइटीशियन किसी भी व्यक्ति अथवा उसके परिवार की डाइट को समझने, न्यूट्रीशन केयर प्लान तैयार करते हैं।

मैनेजमेंट डाइटीशियन – ये किसी भी कंपनी, स्कूल, कैफिटेरिया अथवा बड़े पैमाने पर हैल्थ केयर से संबंधित सुविधाओं की प्लानिंग करते हैं तथा उन्हें तैयार भी करते हैं। इसके लिए वे सीधे तौर पर या कड़ी के रूप में डाइटीशियन, फूड सर्विस वर्कर को अनुबंधित करते हैं। बजट, जरूरी उपकरणों, गुलेशन आदि कार्य भी इन्हीं के जिम्मे होता है।

कंसल्टेंट डाइटीशियन – ये प्राइवेट प्रैक्टिस के जरिए लोगों को हैल्थ केयर सुविधाएं उपलब्ध कराते हैं। ये अपने क्लाइंट्स को वेट कम या अधिक करने, कोलेस्ट्रॉल नियंत्रित रखने जैसे कार्यो की स्क्रीनिंग करते हैं। कुछ तो वेलनेस प्रोग्राम, स्पोर्ट्स टीम, सुपर मार्केट एवं अन्य न्यूट्रीशन से संबंधित बिजनेस में अपनी सेवाएं दे रहे हैं।

कोचिंग संस्थान – न्यूट्रीशनिस्ट के लिए कोई कोचिंग सेंटर जैसी संस्था नहीं है। इसके लिए न्यूट्रीशन कंसल्टेंट जगह–जगह वर्कशॉप, सेमिनार का आयोजन कर पेशे तथा इस फील्ड के प्रति जागरुकता फैलाते हैं। विदेशों में इससे संबंधित कई कोचिंग सेंटर कार्यरत हैं। छात्र अपनी जिज्ञासा के समाधान के लिए न्यूट्रीशन कंसल्टेंट या काउंसलर की मदद ले सकते हैं।

स्कॉलरशिप – कई प्रमुख संस्थान छात्रों को स्कॉलरशिप प्रदान करते हैं। इनमें कुछ तो कोर्स के दौरान प्रदान की जाती हैं तो कुछ पीएचडी के दौरान जेआरएफ के रूप में दी जाती हैं। नेशनल इंस्टीटयूट ऑफ न्यूट्रीशन, हैदराबाद द्वारा हर साल 7–10 छात्रों को जेआरएफ प्रदान की जाती है। इसके अलावा अधिकांश संस्थान अपने छात्रों को स्कॉलरशिप अथवा फीस में छूट संबंधी सुविधाएं प्रदान करते हैं।

वेतन – मुख्य तौर पर एक न्यूट्रीशनिस्ट का वेतन उसके कार्य एवं कार्य–क्षेत्र पर निर्भर करता है। फिर भी किसी प्राइवेट हॉस्पिटल में बतौर ट्रेनी–न्यूट्रीशनिस्ट ज्वॉइन करने पर 5,000 रु. प्रति माह तथा एक से दो साल का अनुभव होने पर 10,000–12,000 रुपए हर महीने मिलते हैं। जो प्रोफेशनल फील्ड, टीचिंग एवं फूड मैन्युफैक्चरिंग यूनिट्स में काम करते हैं, उन्हें आकर्षक सेलरी मिलती है, जबकि कंसल्टेंट न्यूट्रीशनिस्ट प्राइवेट प्रैक्टिस के जरिए पैसा व शोहरत दोनों कमा सकते हैं।

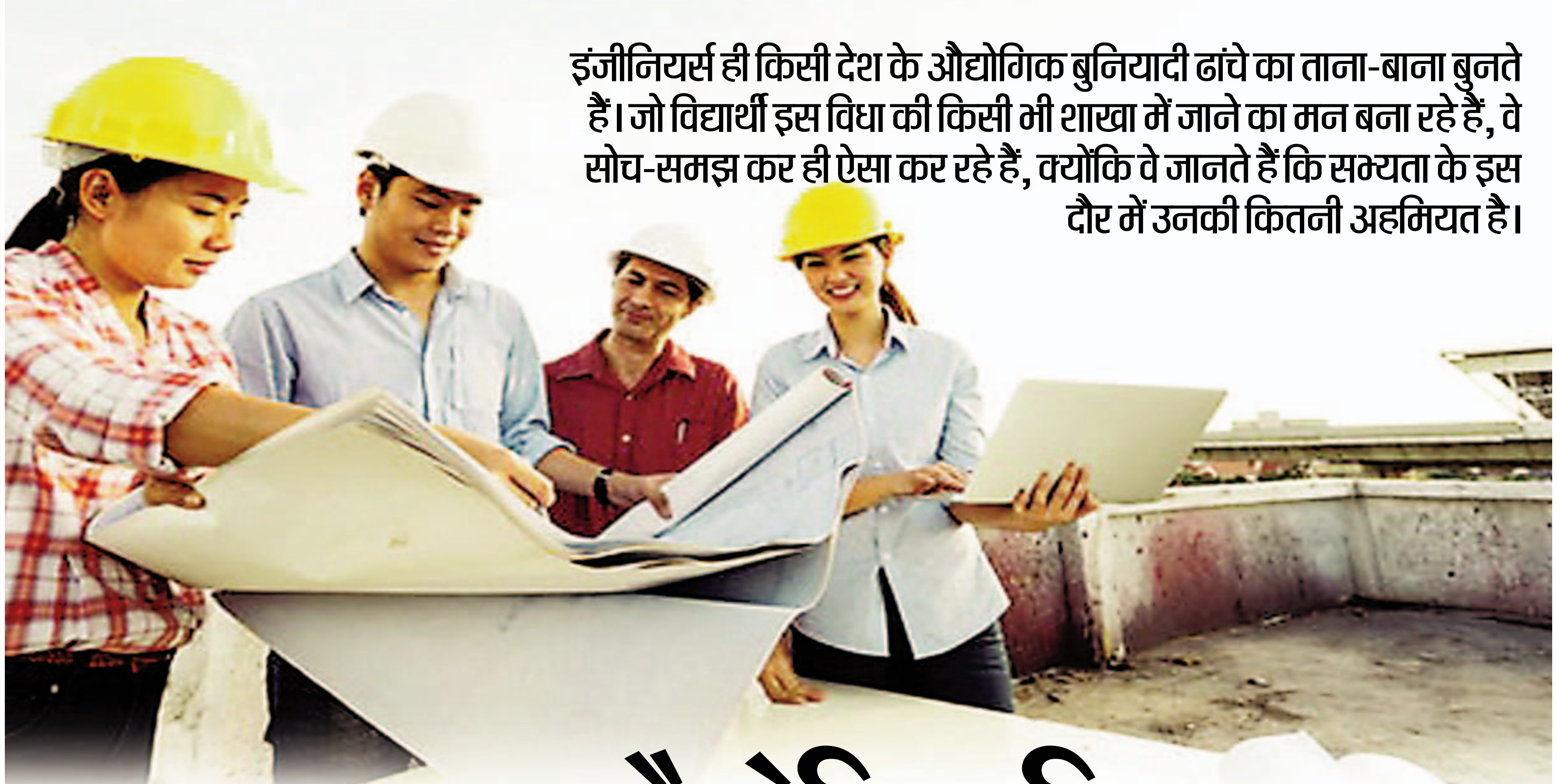

इंजीनियर्स ही किसी देश के औद्योगिक बुनियादी ढांचे का ताना-बाना बुनते हैं। जो विद्यार्थी इस विधा की किसी भी शाखा में जाने का मन बना रहे हैं, वे सोच-समझ कर ही ऐसा कर रहे हैं, क्योंकि वे जानते हैं कि सभ्यता के इस दौर में उनकी कितनी अहमियत है।

औद्योगिक विकास का ताना-बाना बुनते इंजीनियर्स

कुछ साल पहले तक जब करियर के इतने विकल्प नहीं थे, बच्चों को इंजीनियर बनाने का सपना मां–बाप के लिए सुनहरे कल का सपना होता था। चाहे कितनी ही परेशानी क्यों न उठानी पड़े, एक बार इंजीनियरिंग कॉलेज की कक्षाओं में पहुंच गए तो तकलीफें आने वाले दिनों में बरबस मुसकराने का माध्यम बन जाती थीं। आज भी न तो इस विधा की मांग में कमी आई है और न ही इसकी प्रतिष्ठा में। इतना जरूर हुआ है कि इंजीनियरिंग की जिन शाखाओं में पहले कम विद्यार्थी जाते थे, उनमें भी करियर की वही ऊंचाई दिखने लगी है, जिसके लिए इसे जाना जाता है।

इंजीनियरिंग (अभियांत्रिकी) दरअसल किसी भी वैज्ञानिक खोज और उसके व्यावसायिक अनुप्रयोग के बीच एक कड़ी के रूप में होती है और उसी रूप में वह तमाम भावी इंजीनियरों के लिए प्रेरणा स्रोत बनी हुई है। विज्ञान और गणित की सहायता से उपयोगी चीजों का निर्माण करने में ही इंजीनियरिंग की सार्थकता छिपी हुई है, यह किसी से नहीं छिपा है। यह एक ऐसी विशेषज्ञता प्रदान करती है, जिसके सहारे अवसरों के तमाम रास्ते खुल जाते हैं। इंजीनियर्स ही तो किसी देश की प्रौद्योगिकी व औद्योगिक बुनियादी ढांचे का ताना–बाना बुनते हैं। ये क्या नहीं करते– सड़क इनके बिना नहीं बनती, पुल नहीं बन पाते, भवनों का निर्माण नहीं होता, मशीनों का अस्तित्व नहीं होता, छोटे उपकरणों से लेकर हवाई जहाज तक तैयार नहीं होते, कार–कंप्यूटर–मोबाइल जिनके बिना इक्कीसवी सदी का आना फीका होता, इनके बिना नहीं बनते। कहने का तात्पर्य यही है कि प्रगति और खुशहाली का आधार इंजीनियरिंग ही है। यही वजह है कि बारहवीं की पढ़ाई पूरी करते ही इस दिशा में बढ़ने वाले विद्यार्थियों की संख्या काफी बड़ी होती है। इंजीनियर किसी भी किस्म की मशीनरी, प्रोडक्ट, सिस्टम और प्रोसेस के डिजाइन व डेवलपमेंट के लिए काम करते हैं। किसी भी प्रोजक्ट पर कितना समय लगेगा, कितना खर्च आएगा, क्या उपकरण लगेंगे, कैसे–कैसे उसका काम आगे बढ़ेगा, इन सबके पीछे उनका ही दिमाग होता है। आज इंसान के जीवन को आसान बनाने के लिए जो कुछ भी सामने आ रहा है, वह इन इंजीनियर्स की ही मेहनत का परिणाम है। ड्राइंग टेबल पर पसरी रेखाओं में भविष्य का कौन–सा उत्पाद छिपा है, यह इंजीनियर ही बता सकता है। जाहिर है ये इंडस्ट्रियल प्लांट में काम करते हैं, प्रयोगशालाओं में काम करते हैं, निर्माण स्थलों पर होते हैं, कार्यालयों में किसी अवधारणा के हर पहलू से जूझ रहे होते हैं। ये नहीं होते तो गगनचुम्बी इमारतें नहीं बनतीं, समन्दर की लहरों पर या गहराई में चलना नामुमकिन होता, आकाश में उड़ने की तो सोची ही नहीं जा सकती थी, कंप्यूटर कहां से आता, गेम कहां से बनते, बटन दबाते ही अमेरिका तो छोड़िए पास के शहर में किसी से बात नहीं हो पाती। जो विद्यार्थी इस विधा की किसी भी शाखा में जाने का मन बना रहे हैं, वे नाहक ऐसा नहीं कर रहे हैं, क्योंकि वे जानते हैं कि सभ्यता के इस दौर में उनकी कितनी अहमियत है।

विशेषज्ञता

इंजीनियरिंग की परंपरागत दो शाखाओं– सिविल और मैकनिकल– से आगे निकलते हुए आज इसकी विभिन्न शाखाएं प्रमुखता में हैं।

एग्रीकल्चरल इंजीनियरिंग

भारत जैसे कृषि प्रधान देश में इसकी सख्त जरूरत है। कृषि से जुड़े उपकरणों के डिजाइन व निर्माण, सिंचाई व फार्म मशीनरी के लिए उपकरणों के डिजाइन व निर्माण से जुड़ी होती है यह शाखा।

एयरोनॉटिकल इंजीनियरिंग

आकाश मार्ग से जाना इनके बिना संभव नहीं। हवाई जहाज का डिजाइन कैसा हो कि आसानी से उड़ सके, मौसम को झेल सके, इन सब पर इसमें काम होता है। इस बात पर काफी काम होता है कि हवाई जहाज के भीतर की स्पेस कैसी हो कि ज्यादा लोग भी बैठ सकें और उड़ान में कोई दिक्कत भी न आए।

कैमिकल इंजीनियरिंग

रसायनों की दुनिया बड़ी विचित्र होती है। किसके मेल से क्या बन जाएगा, यह तो कैमिकल इंजीनियर ही बता सकता है। दवाइयां, फूड प्रोसेसिंग, पेंट, टेक्सटाइल, खाद, सौन्दर्य प्रसाधन, साबुन, तेल जैसे कार्यों से जुड़ी कंपनियों में इनकी जरूरत होती है, ताकि वे शोध से रसायनों को उपयोगी व गैर–हानिकारक बना सकें।

सिविल इंजीनियरिंग

सिविल इंजीनियरिंग की ही बदौलत ये सड़कें हैं, जिन पर तेजी से चलते हुए हम विकास कर रहे हैं, इमारतें हैं, जिनमें रहने से लेकर कार्यालयों का मामला जुड़ा है, पुल हैं, जिनके बिना नदी–नाले–पहाड़–समन्दर कुछ भी पार करना असंभव होता। और तो और अपवहन प्रणाली (ड्रेनेज सिस्टम) इनके बिना नहीं बनती और शहरों का क्या हाल होता, आज आसानी से समझा जा सकता है। हड़प्पा काल तक के लोगों ने जब इनकी अहमियत समझी तो आज तो इनके बिना एक पल नहीं रहा जा सकता।

कंप्यूटर इंजीनियरिंग

आज कंप्यूटर का जमाना है, इस बात से कोई इनकार नहीं करेगा। लेकिन कंप्यूटर की सहायता से आज जो कुछ हो रहा है, वह इसके इंजीनियरों का ही तो कमाल है, जो इसके डिजाइन, सॉफ्टवेयर, हार्डवेयर पर बड़ी बारीकी से काम करते हैं और तब जाकर कहीं एक ऐसी प्रणाली बन पाती है, जिसके सहारे काम आसान हो पाते हैं।

एनवायरमेंटल इंजीनियरिंग

पर्यावरण ही तो हमारे जीवन के लिए सबकुछ है। यदि यह दूषित–प्रदूषित है तो हमारे लिए खतरा है। इससे जुड़े इंजीनियर उन परेशानियों को चिह्नित करते हैं और उनका समाधान ढूंढ़ते हैं। हवा–पानी की स्वच्छ उपस्थिति को सुनिश्चित करना, ग्रीन हाउस उत्सजर्न को नियंत्रित रखना, पेड़–पौधे बनाए रखना, ये सब इन्हीं का तो काम है।

इलेक्ट्रिकल और इलेक्ट्रॉनिक्स इंजीनियरिंग

इलेक्ट्रिकल इक्विपमेंट, मशीनरी, टेलीकम्युनिकेशन सिस्टम, रेडियो, टीवी इत्यादि के डिजाइन, निर्माण व चलाने में इनकी भूमिका होती है। इनके बिना ऐसा नहीं हो पाएगा कि इस क्षेत्र में बेहतर से बेहतर उपकरण बनाए जाएं।

मरीन इंजीनियरिंग

समन्दर की सतह पर या फिर गहराइयों में उतरने के लिए जिन जहाजों, उपकरणों व अन्य मशीनरियों की जरूरत होती है, मरीन इंजीनियर इनसे जुड़ी हर बात पर खोज करते हैं, सुधार करते हैं और संसार को खारे पानी के साथ मीठा बर्ताव करना संभव बनाते हैं।

मैकेनिकल इंजीनियरिंग

आज जितनी भी मशीनरियां हैं और जिनके बिना अब काम करना कठिन लगने लगता है, वे सब मैकेनिकल इंजीनियर्स की डिजाइन क्षमता, निर्माण, प्रचालन व रख–रखाव संबंधी कौशल की बदौलत हैं।

माइनिंग इंजीनियरिंग

जमीन के भीतर छिपे खनिजों को बाहर निकालने के लिए जो कुछ करना पड़ता है, वह इन इंजीनियर्स की ही देन है। जमीन के नीचे सुरंग बनाने से लेकर खनिजों को बाहर निकालने तक का काम इनके सहारे चलता है।

पेट्रोलियम इंजीनियरिंग

आज पेट्रोलियम उत्पादों की जरूरत इतनी बढ़ गई है कि उनके बिना विकास का पहिया रुकने का खतरा है। तेल भंडारों की खोज करना, तेल को निकालना, रिफाइनरी तक सुरक्षित पहुंचाना इस शाखा में आता है।

जाहिर है इंजीनियरिंग की इन व अन्य तमाम शाखाओं में करियर डिजाइन की संभावनाएं मौजूद हैं। जरूरत है तो इस बात की सही समय पर, सही तरीके से तैयारी कर इंजीनियरिंग की परीक्षा दी जाए और देश के विकास में सक्रिय भागीदारी निभाई जाए।

नौकरी के अवसर

इंजीनियर्स के लिए अवसरों की कमी नहीं है। वे केंद्र सरकार या राज्य सरकार की नौकरी कर सकते हैं, सार्वजनिक उपक्रमों में काम कर सकते हैं, रक्षा सेवा में जा सकते हैं, निजी संस्थानों में काम कर सकते हैं, पावर प्लांट्स, अस्पतालों या बैंकों में काम कर सकते हैं या फिर अपनी कंसल्टेंसी खोल सकते हैं। इंजानियरिंग एक ऐसा कौशल है, जिसे जितने बड़े फलक पर आजमाया जाएगा, उतना ही बेहतर परिणाम मिलेगा। उदाहरण के लिए मैकेनिकल और इलेक्ट्रॉनिक इंजानियर्स के लिए अधिक अवसर हैं, बनिस्पत मरीन व सेरेमिक इंजीनियर्स के। सरकार भी अलग–अलग परीक्षाओं के माध्यम से सिविल, मैकेनिकल, इलेक्ट्रिकल व इलेक्ट्रॉनिक्स और टेलीकम्युनिकेशन शाखाओं में इंजीनियर्स की भर्ती करती है।

वेतन

इंजीनियरिंग की पढ़ाई करने के बाद जितने अवसर मिलते हैं, वे अलग–अलग शाखाओं के हिसाब से वेतन या आमदनी का जरिया बनते हैं। सिविल इंजीनियरिंग से लेकर बायोमेडिकल इंजीनियरिंग तक, मरीन इंजीनियरिंग से लेकर कंप्यूटर इंजीनियरिंग तक, सबकी अपनी मांग है और 10,000 रुपये प्रति माह से लेकर 30,000 रुपये प्रति माह की तनख्वाह मिल सकती है। अन्य क्षेत्रों की भांति इसमें भी अनुभव के साथ–साथ आमदनी बढ़ती जाती है। अपनी कंसलटेंसी का तो कोई वेतन जैसा गणित नहीं है, लेकिन काम जम जाने के बाद मामला लाखों–करोड़ों तक जा सकता है।

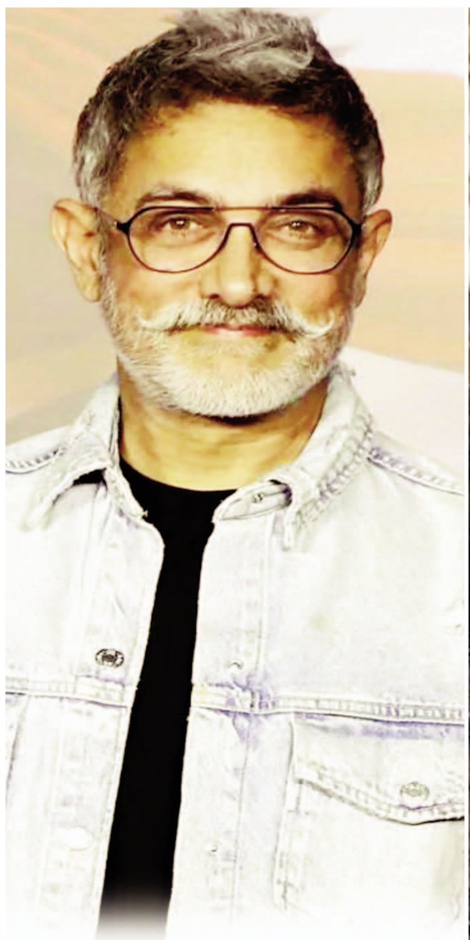

आमिर खान की बेटी आयरा खान ने इसलिए नहीं चुना अभिनय का करियर

आमिर खान की बेटी आयरा खान अपनी शादी के बाद से काफी चर्चा में हैं। आयरा ने अब अपने करियर को लेकर बात की है। आयरा ने बताया कि वे फिल्म में कभी आना ही नहीं चाहती थीं। आयरा खान ने अपने और अपने गैर-लाभकारी मानसिक स्वास्थ्य संगठन के बारे में जवाब दिए। साथ ही बताया कि उन्होंने अभिनय को करियर के रूप में क्यों नहीं चुना। आमिर खान की बेटी ने कहा, क्योंकि जब आप छोटे होते हैं और कोई आपसे कहता है आपको अभिनेता बनना चाहिए, न?, तो आप कुछ भी करना चाहते हैं, लेकिन ऐसा नहीं है, इसलिए साबित करें कि आप कूल हैं और किसी ऐसे व्यक्ति के पास नहीं जा रहे हैं जो अभिनेता बनना चाहता है। आयरा ने कहा कि उनके अनुसार अभिनेता बनना आसान या मजेदार नहीं है। आयरा ने बताया कि मानसिक स्वास्थ्य रोगियों के साथ काम करना कैसा लगता है क्या उन्हें भी मानसिक कष्टों से गुजरना पड़ता है। इस पर आयरा ने जवाब दिया, रोगियों के साथ काम करना बेहद फायदेमंद है। आयरा ने कहा, रोगियों के साथ काम करना बेहद फायदेमंद है। यह एक बड़ी जिम्मेदारी भी है।

आमिर खान भी करते हैं बात

आमिर खान और आयरा अक्सर मानसिक स्वास्थ्य समस्याओं से निपटने के बारे में बात करते रहते हैं। इस बारे में जागरूकता फैलाने के लिए करते रहे हैं। आमिर खान ने कहा, वह अपने रिश्ते को बेहतर बनाने के लिए अपनी बेटी के साथ संयुक्त थेरेपी सत्र ले रहे हैं। आमिर ने बताया कि यह उनकी बेटी ही थी जिसने उन्हें ऐसा करने के लिए प्रोत्साहित किया और वह अपने जीवन में इसके सकारात्मक प्रभाव देख सकते हैं।

शाहरुख खान और सलमान खान के साथ फिल्म करना चाहते हैं आमिर खान

शाहरुख खान, सलमान खान और आमिर खान को उनके प्रशंसक एक साथ स्क्रीन साझा करते हुए देखना चाहते हैं। आमिर खान ने अपने एक इंटरव्यू के बारे में बात की। आमिर ने दोनों अभिनेताओं के साथ लगभग छह महीने पहले एक साथ फिल्म करने के बारे में हुई बातचीत को साझा किया और कहा कि वे सही स्क्रिप्ट का इंतजार कर रहे हैं।

एक साथ नजर आ सकते हैं तीनों खान

आमिर खान ने इस बारे में की बात में कहा, ठीक है, लगभग छह महीने पहले, शाहरुख, सलमान और मैं एक साथ थे और हमने इस बारे में बात की थी। वास्तव में, मैं ही वह व्यक्ति था जिसने इस मुद्दे को उठाया। मैंने शाहरुख और सलमान से कहा कि अगर हम तीनों एक साथ फिल्म नहीं करते हैं तो यह वास्तव में दुखद होगा।

सलमान और शाहरुख के साथ करना है काम

आमिर खान ने कहा, मुझे लगता है सलमान खान और शाहरुख खान इस प्रस्ताव को मान चुके हैं। उन्हें भी लगा कि जरूर हमें करना चाहिए। हालांकि, इसके लिए हमें एक अच्छी कहानी चाहिए। हमें एक अच्छी स्क्रिप्ट का इंतजार है, हालांकि हम तीनों भी काम करने के लिए उत्साहित हैं।

द ग्रेट इंडियन कपिल शो में बोले आमिर

ऐसा पहली बार हुआ जब आमिर खान ने शाहरुख खान और सलमान खान के साथ काम करने की बात की। हाल ही में द ग्रेट इंडियन कपिल शो में भी आमिर खान ने कहा था कि आपकी और मेरी थिंकिंग बिल्कुल सेम है। मैं हाल ही में शाहरुख खान और सलमान खान से मिला।

दर्शकों के लिए कही ये बात

हम तीनों एक ही इंडस्ट्री में इतने सालों से हैं और ये ऑडियंस के लिए काफी गलत हो जाएगी की करियर के इस दौरान अगर हम साथ में एक फिल्म न करें, एक फिल्म तो बनती है। अगर हमने साथ में फिल्म नहीं की तो ये प्रशंसकों के लिए भी ठीक नहीं रहेगा।

शादी के बाद कुछ यूं जिंदगी बिताना चाहते हैं नागा चैतन्य

अभिनेता नागा चैतन्य और शोभिता धुलिपाला ने 4 दिसंबर को पारंपरिक तरीके से हैदराबाद में शादी की। इस दौरान अक्किनेनी परिवार के करीबी दोस्त, रिश्तेदार और फिल्म इंडस्ट्री के कुछ मशहूर हस्तियों ने शिरकत की। शादी के बाद शुक्रवार को कपल ने आंध्र प्रदेश में श्री भ्रामराम्बा समिता मल्लिकार्जुन स्वामी देवस्थानम मंदिर में दर्शन पूजन किया। इस बीच नागा चैतन्य अमेजन प्राइम वीडियो के 'द राणा दग्गुबाती शो' के अगले एपिसोड में भी नजर आने वाले हैं। इसके ट्रेलर में अभिनेता को अपनी निजी जिंदगी के बारे में बात करते हुए देखा गया। इस दौरान उन्होंने खुलासा किया कि वह शादी के बाद कैसी जिंदगी जीना चाहते हैं?

शादी के बाद कैसी जिंदगी जीना चाहते हैं नागा?

चैट शो में नागा चैतन्य को अपनी निजी जिंदगी के बारे में बात करते हुए देखा गया। नागा ने कहा, जब मैं 50 साल का हो जाऊंगा, तो मैं दो बच्चों के साथ खुशहाल शादीशुदा जिंदगी जीना चाहता हूं, शायद एक या दो। मैं उन्हें रेसिंग और गो-कार्टिंग के लिए ले जाना पसंद करूंगा और अपने बचपन के खास पलों को फिर से जीना चाहूंगा।

साई पल्लवी के साथ काम करने में घबराते हैं नागा

राणा दग्गुबती के इस चैट शो में अभिनेता ने साई पल्लवी के साथ काम करने के अनुभवों को भी साझा किया। वह साई के साथ आगामी फिल्म थंडेल में दिखाई देंगे। इससे पहले भी वह साई के साथ काम कर चुके हैं। अभिनेता ने कहा, मैं उनके (साई पल्लवी) साथ अभिनय और नृत्य करते हुए बहुत घबरा जाता हूं।

विशाल भारद्वाज की फिल्म 'अर्जुन उस्तरा' में एक साथ दिखेंगे शाहिद कपूर-तृप्ति डिमरी

तृप्ति डिमरी और शाहिद कपूर पहली बार एक साथ स्क्रीन साझा करने के लिए तैयार हैं। दोनों सितारे विशाल भारद्वाज की एक्शन फिल्म 'अर्जुन उस्तरा' में एक साथ दिखेंगे। अभिनेत्री ने विशाल की यह फिल्म साइन की है। रिपोर्ट्स के मुताबिक फिल्म का प्री-प्रोडक्शन पहले से ही चल रहा है और यह फिल्म 6 जनवरी, 2025 से फ्लोर पर आने वाली है। कहा जा रहा है कि फिल्म के लिए एक बड़ा स्टूडियो बनाया गया है, जो इसके विजन को पूरा करने में मदद करेगा। शाहिद कपूर और तृप्ति डिमरी की इस फिल्म के लिए एक भव्य सेट का निर्माण किया जा रहा है। यह फिल्म स्वतंत्रता के बाद के युग में अंडरवर्ल्ड की पृष्ठभूमि पर आधारित है। निर्माताओं की कोशिश है कि इस फिल्म की शूटिंग को जल्द पूरा करके इसे 2025 में ही एक भव्य रिलीज दिया जाए। तृप्ति डिमरी का यह साल काफी शानदार गुजरा। वह अपनी फिल्मों के चलते लगातार ट्रेंड में रहीं। अभिनेत्री ने समीक्षकों और दर्शकों की भी सराहना प्राप्त की। अब वह वर्ष 2025 के लिए कमर कस रही हैं। उनके प्रभावशाली प्रदर्शनों ने उन्हें 'आईएमडीबी' की शीर्ष-रेटेड अभिनेत्रियों में भी स्थान दिलाया है। अभिनेत्री तृप्ति डिमरी ने इस साल कई शानदार फिल्में दी। उन्होंने 2024 की शुरुआत कई थिएट्रिकल हिट के साथ की, जिसमें 'विक्की विद्या का वो वाला वीडियो', 'बैड न्यूज' और 'भूल भुलैया 3' शामिल है। अब वह शाहिद कपूर के साथ आगामी फिल्म 'अर्जुन उस्तरा' से दिल जीतने को तैयार हैं।

जितना सम्मान एक पुरुष अभिनेता को मिलता है, उतना ही महिला अभिनेत्री को भी मिलना चाहिए

अनन्या पांडे को आज इंडस्ट्री की सबसे बेहतरीन अभिनेत्रियों में से एक हैं, जिन्होंने अपनी फिल्मों और भूमिकाओं से सभी का दिल जीत लिया है। हाल ही में, अनन्या ने वेतन समानता पर अपने विचार साझा करते हुए कहा कि उन्होंने कभी भी अपने पुरुष अभिनेता की फीस के बारे में नहीं पूछा। हालांकि, उन्होंने खुलासा किया कि जब उन्होंने उन्हें मिलने वाली फीस सुनी तो वह चौंक गईं। मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार, एक इंटरव्यू के दौरान अनन्या पांडे ने फीस समानता को लेकर अपने विचार साझा किए और बताया कि ना केवल फीस के मामले में बल्कि फिल्म सेट पर महिलाओं की बाकी चीजों को लेकर भी प्रगति हुई है, लेकिन उन्हें लगता है कि इंडस्ट्री ने एक लंबा सफर तय किया है। अनन्या ने फिल्म इंडस्ट्री में अपने शुरुआती दिनों को याद करते हुए कहा कि तब सेट पर महिलाएं कम होती थीं, लेकिन अब सामान्य तौर पर उनकी संख्या काफी अधिक है। अनन्या पांडे ने कहा, अगर किसी पुरुष को मुझसे बेहतर कार सिर्फ इसलिए मिल रही है क्योंकि वह एक पुरुष है, तो यह गलत है। अनन्या ने इस बात पर जोर दिया कि वह पुरुष अभिनेताओं की फीस पर ध्यान केंद्रित नहीं कर रही थी, क्योंकि उन्हें उनकी कमाई के बारे में पूरी जानकारी नहीं थी। हालांकि वह कभी-कभी जो आंकड़े सुनती थीं, उससे वह अक्सर चौंक जाया करती थीं। अनन्या ने इस बात का कड़ा विरोध करते हुए कहा कि जब लिंग-आधारित असमानताओं की बात आती है, जैसे कि किसी पुरुष अभिनेता को आज भी बेहतर विशेषाधिकार प्राप्त हैं। आग अनन्या ने कहा कैसे किसी पुरुष को बड़ा कमरा या बेहतर कार दी जा सकती है, जिसे वह समझ सकती हैं। शायद यह अभिनेता के मान की वजह से किया जाता है, लेकिन उनका मानना है कि अभिनेत्रियों को भी ऐसा ही व्यवहार मिलना चाहिए। हालांकि उन्होंने स्वीकार किया कि उन्हें पुरुष अभिनेताओं की फीस के बारे में पूरी जानकारी नहीं है, लेकिन उन्होंने यह भी खुलासा किया कि वह अनुचित व्यवहार के खिलाफ मजबूती से खड़ी हैं। अनन्या का मानना है कि जितना सम्मान एक पुरुष अभिनेता को मिलता है, उतना ही सम्मान एक महिला अभिनेत्री को भी मिलना चाहिए। अनन्या ने आगे कहा कि अगर इसका मतलब बदलाव लाने और सही के लिए खड़े होने में मदद करना है तो वह बॉसी के रूप में पहचाने जाने के लिए तैयार हैं।

काम की बात करें तो अनन्या पांडे के पास कई रोमांचक प्रोजेक्ट हैं, जिसमें कॉल मी बे का दूसरा सीजन भी शामिल है। वह धर्मा प्रोडक्शन की चांद मेरा दिल में लक्ष्य के साथ नजर आएंगी और अक्षय कुमार और आर. माधवन के साथ एक अनटाइटल्ड प्रोजेक्ट में भी नजर आएंगी।

'औरों में कहां दम था' फ्लॉप होगी, मुझे पहले से पता था

फिल्म 'ए वेडनेसडे' के लिए नवोदित निर्देशक का राष्ट्रीय फिल्म पुरस्कार जीतने वाले नीरज पांडे इन दिनों खूब प्रयोग कर रहे हैं। नीरज हिंदी सिनेमा के उन चुनिंदा निर्देशकों में भी शामिल रहे जिनकी फिल्में लोगों ने सिर्फ उनके नाम की वजह से देखीं। बहुत ही बेबाक किस्म के फिल्मकार रहे नीरज अपनी फिल्मों की आलोचनाओं से भी कतराते नहीं है। सिनेमाघरों में रिलीज उनकी पिछली फिल्म 'औरों में कहां दम था' फ्लॉप रही, उनकी नई फिल्म 'सिकंदर का मुकद्दर' सीधे ओटीटी पर रिलीज हुई।

ऐसा कैसे होता है कि कोई फिल्म ट्रेलर में बेहतरीन नजर आती है और लोग उसे देखने के लिए उत्सुक भी हो जाते हैं, कितनी मेहनत से बनाया आपने 'सिकंदर का मुकद्दर' का ट्रेलर?

सच ये है कि ये ट्रेलर मैंने एडिट नहीं किया। ये मेरी टीम का काम है। ऋषि नाम के हमारे एक सहकर्मी हैं, जिन्होंने इसे एडिट किया है। आज की तारीख में सारी चीजें फिल्म और दर्शकों के बीच के पहले संवाद पर टिकी होती हैं। ये पहला संवाद ट्रेलर की शक्ल में होता है। ट्रेलर देखकर ही लोग तय करते हैं कि वे सिनेमाघर जाएं या फिल्म के ओटीटी पर आने का इंतजार करें।

फिल्म 'औरों में कहां दम था' के तुरंत बाद 'मुकद्दर का सिकंदर' रिलीज हुई है, दोनों पर साथ साथ काम चल रहा था?

नहीं 'मुकद्दर का सिकंदर' की यात्रा काफी लंबी रही है। इस पर काफी समय से काम चल रहा था। फिर बीते साल दिसंबर में हमने तय किया कि ये फिल्म बनानी है। मार्च में इसकी शूटिंग पूरी की और अब फिल्म आपके सामने हैं। उस समय 'औरों में

'औरों में कहां दम था' की बात चल निकली है तो इसके परिणाम के बारे में क्या कहना चाहेंगे? कोई फिल्म सिनेमाघरों में पहले सप्ताहांत पर नहीं चलती है तो क्या फिर भी उम्मीद बनी रहती है कि हो सकता है दर्शक आ जाएं...?

फिल्म 'औरों में कहां दम था' सिनेमाघरों में नहीं चलेगी, ये मुझे इसकी रिलीज से पहले ही पता चल गया था। इसकी रिलीज डेट तीन बार हिली थी। फिल्म तो काफी पहले से तैयार थी, लेकिन हमें लोगों ने इसकी रिलीज डेट को लेकर भ्रमित कर दिया।

बतौर निर्देशक आपकी बात फिल्म की रिलीज डेट को लेकर नहीं सुनी जाती?

बतौर किसी फिल्म का निर्देशक किसी फिल्म की रिलीज की तारीख में मेरा बस इतना हक बनता है कि मैं इसके निर्माताओं को सावधान कर सकूं। उन्हें बता सकूं कि आप अपने पैरों पर खुद कुल्हाड़ी मार रहे हैं। उसके बाद ये किसी और का फैसला हो जाता है। उनका फैसला हो जाता है जिन्होंने इस फिल्म में पैसा लगाया है। जब भी कोई फिल्म अपनी तय रिलीज डेट से खिसकती है, तो ये बड़ा अपशकुन होता है। मेरे हिसाब से तो ये अंत की शुरूआत होती है।

और, अविनाश तिवारी को फिल्म 'सिकंदर का मुकद्दर' में बतौर नायक लेने के पीछे...

ना, ना, ना, अविनाश तिवारी इस फिल्म के नायक नहीं है। ये एक कलाकारों का समूह है (ऑनसॉम्बल कास्ट) जिसने एक साथ काम किया है। फिल्म में कोई नायक या प्रतिनायक नहीं है।

आपकी किसी फिल्म में आपके अलावा किसी दूसरे लेखक को क्रेडिट मिलना भी कम महत्वपूर्ण नहीं है..

हां, मैंने विपुल (रावल) के साथ मिलकर ये फिल्म लिखी है। पटकथा और संवाद हमने मिलकर लिखे हैं, इस फिल्म के। विपुल ने इसके पहले हमारे लिए 'रुस्तम' लिखी थी, लेकिन उसे मैंने नहीं टीनू ने निर्देशित किया था। वह हमारे साथ काफी अरसे से काम कर रहे हैं और ये पहली बार है कि मैंने उनके साथ मिलकर कोई फिल्म लिखी है।

और, 'औरों में कहां दम था' की तरह ही 'सिकंदर का मुकद्दर' भी दो अलग अलग काल खंडों की कहानी है?

वहां 24 साल का अंतर है और वह रिश्तों की कहानी है। यहां 15 साल की कहानी है और ये डकैती की कहानी है। दोनों में कोई समानता नहीं है।

तो जैसे आपने अविनाश तिवारी के कंधे पर हाथ रखा और उन्हें ओटीटी में लॉन्च किया, वैसे ही कोई और सितारा है जिसे लॉन्च करने की तैयारी है? या किसी नए निर्देशक के साथ आपकी कंपनी कोई फिल्म बनने जा रही हो?

अविनाश पहले से काम करते आ रहे हैं। 'लैला मजनू' में उनकी लॉन्चिंग हुई। हां, ओटीटी सीरीज पर हम उन्हें लेकर आए। अगर मैं गलत नहीं हूं तो यही उनकी पहली वेब सीरीज थी। नए लोगों के साथ हम काम करते रहते हैं, हालांकि इससे हमारे कारोबारी भागीदार थोड़ा असहज भी होते हैं।

महुआ मोइत्रा का आरोप, बीते 10 वर्षों में व्यवस्थित रूप से लोकतंत्र को खत्म किया गया

नई दिल्ली । टीएमसी सांसद महुआ मोइत्रा ने भाजपा के नेतृत्व वाले केंद्र पर संविधान में हजारों कटौती करके खून बहाने का आरोप लगाकर कहा कि यह साफ है कि राजनीतिक कार्यपालिका ने बीते 10 वर्षों में व्यवस्थित रूप से लोकतंत्र को खत्म किया है। लोकसभा में बहस के दौरान टीएमसी सांसद मोइत्रा ने भारत के पूर्व मुख्य न्यायाधीश डीवाई चंद्रचूड़ का नाम लिए बिना उन पर निशाना साधकर कहा कि विपक्ष को परेशानी इससे है कि उच्च न्यायपालिका के कुछ सदस्य समझौता करने की पूरी कोशिश करते नजर आते हैं। निवर्तमान सीजेआई ने स्पष्ट रूप से बताया कि उनके कार्यकाल के दौरान जमानत का अधिकार कैसे दिया गया है। अर्णब के लिए ए से लेकर जुबैर के लिए जेड तक, उनके अक्षर संक्षिप्त प्रतीत होते हैं क्योंकि इसमें गुलफिशा फातिमा के लिए जी शामिल नहीं था, हनी बाबू के लिए एच शामिल नहीं था, खालिद सैफी के लिए के शामिल नहीं था, शरजील इमाम के लिए एस शामिल नहीं था। उन्होंने कहा कि विपक्ष में हमें अपना काम करने के लिए सुप्रीम कोर्ट की जरूरत नहीं है। हम इसे (ऐसा करने के लिए) नहीं कह रहे हैं, लेकिन हमें परेशानी यह है कि उच्च न्यायपालिका के कुछ सदस्य हमारी संवैधानिक अदालतों की स्वतंत्रता और अखंडता से समझौता करने की पूरी कोशिश कर रहे हैं।

जंगली मुर्गा खाकर विवादों में फिर घिरे मुख्यमंत्री सुखविंदर सिंह सुक्खू

शिमला। हिमाचल प्रदेश के मुख्यमंत्री सुखविंदर सिंह सुक्खू ने राज्य के दूर–दराज के इलाके टिक्कर में लोगों के साथ रात्रि भोज किया, जिससे वे फिर विवादों में घिर गए हैं। भाजपा के वरिष्ठ नेता और पूर्व सीएम जयराम ठाकुर ने आरोप लगाया कि भोजन में संरक्षित पक्षी प्रजाति जंगलफाउल परोसा गया। बीजेपी नेता ठाकुर ने रात्रिभोज का एक कथित वीडियो साझा कर सरकार पर सरकारी खजाने की कीमत पर पिकनिक आयोजित करने का आरोप लगाया। भाजपा नेता ने लिखा कि जो लोग जंगली मुर्गियों की संरक्षित प्रजातियों का सेवन करते हैं, उन्हें जुर्माना और जेल की सजा होती है। हालाँकि, सीएम सूक्खू चिकन परोसने के लिए मैनू छपवाते हैं और फिर अपने मंत्रियों को अपने सामने इसका स्वाद लेकर देखकर आनंद लेते हैं। कथित वीडियो में हिमाचल प्रदेश के स्वास्थ्य मंत्री डॉ.(कर्नल) धनी राम शांडिल सुक्खू के बगल में बैठे दिख रहे हैं। विवाद के बाद सीएम सुक्खू का बयान आया है। उन्होंने कहा कि ग्रामीण मुझे देशी चिकन दे रहे थे, मैं चिकन नहीं खाता और एक चैनल इस प्रसारित कर रहा था जैसे मैं चिकन खा रहा हूं। पहाड़ों में मांसाहारी भोजन जीवन का एक हिस्सा है। इस पर जयराम ठाकुर बयानबाजी कर रहे हैं। इस बीच, भाजपा नेताओं ने रात्रिभोज के कथित मेनू की एक प्रति साझा की, जिसमें बताया गया कि मेनू में आइटम नंबर 12 जंगली मुर्गा या जंगलफॉवल था। भाजपा प्रवक्ता करण नंदा और चेतन बरागटा ने सुक्खू से स्पष्टीकरण की मांग की।

नए साल में क्लब और होटलों में जरुरत से ज्यादा भीड़ तो निरस्त होगी अनुमति

–हथियार ले जाने पर भी बैन, पुलिस आयुक्त ने जारी की गाइड लाइन

आगरा। नए साल पर क्लब और होटलों में जरुरत से ज्यादा भीड़ मिली तो उसकी अनुमति निरस्त हो जाएगी। वहीं जिन क्लब और होटलों में कपल को जाने की अनुमति है, वहां अकेले युवक या युवती के जाने पर बैन रहेगा। क्लब और होटलों में हथियार ले जाने पर भी प्रतिबंध लगा दिया गया है। नए साल की तैयारी में जुटे क्लब और होटलों के लिए पुलिस आयुक्त जे. रविन्दर गौड ने यह गाइड लाइन जारी की है। ताजनगरी आगरा में नए साल की पूर्व संध्या पर सितारा होटलों में आयोजित होने वाले कार्यक्रमों में बड़ी संख्या में देश और विदेश से पर्यटक आते हैं। शहर के लोग भी जोश और उमंग से नए साल का स्वागत करते हैं, जिससे देर रात तक सड़कों पर आना जाता रहता है। इस दौरान कुछ युवा नशे में तेज रफ्तार वाहन दौड़ाते हैं, जिससे हादसों की आशंका रहती है। इसको देखते हुए पुलिस आयुक्त ने गाइड लाइन तैयारी की है।

झारखंड में मवेशी तस्करी के आरोप में चार गिरफ्तार, 46 मवेशी बरामद

सरायकेला। झारखंड के सरायकेला–खरसावां जिले में पुलिस ने मवेशी तस्करी के आरोप में चार लोगों को गिरफ्तार किया है, जबकि 46 मवेशियों को बचाया है। पुलिस को सूचना मिली थी कि कुछ तस्कर भुरकुंडा जंगल के रास्ते मवेशियों को पश्चिम बंगाल ले जाने की कोशिश कर रहे हैं। इसी सूचना पर कार्रवाई करने के लिए सरायकेला के एसडीपीओ समीर के नेतृत्व में एक टीम का गठन किया गया। इसके बाद गांव के पास कुंदुसल गोलचक्कर पर पुलिस टीम ने जांच अभियान चलाया। जांच अभियान के दौरान उन्होंने कुछ तस्करों को सरायकेला–खरसावां जिले के कुचाई से मवेशियों को पड़ोसी राज्य की ओर ले जाते हुए देखा। पुलिस ने तुरंत कार्रवाई करते हुए चार तस्करों को गिरफ्तार किया, जबकि कुछ अन्य अंधेरे का फायदा उठाकर भाग निकले। पुलिस ने मौके से 46 मवेशियों को जब्त किया। इस संबंध में झारखंड मवेशी वध निषेध अधिनियम की धाराओं के तहत मामला दर्ज है। गिरफ्तार तस्करों की पहचान टोनी बोडरा (23), राउतु सामद (41), मोटू पूर्ती (20) और सोमई बोडरा (35) के रूप में हुई है। पुलिस ने बताया कि तस्करों के खिलाफ सख्त कानूनी कार्रवाई की जाएगी और फरार आरोपियों को पकड़ने के लिए तलाश जारी है। पुलिस की सक्रियता से पशु तस्करों के मंसूबों पर भी पानी फिर गया।

एक देश एक चुनाव पर यूपी में राजनीति शुरू, अखिलेश ने ड्राफ्ट पढ़े बिना खामियां गिनाना शुरू कीं

कांग्रेस ने कहा भाजपा अपनी नाकामी छुपाने की कोशिश में लगी

लखनऊ (एजेंसी)। उत्तर प्रदेश में अब एक देश एक चुनाव पर राजनीति शुरू हो गई है। मायावती की पार्टी बसपा जहां इसका समर्थन कर रही है। वहीं कांग्रेस और समाजवादी पार्टी को एक देश-एक चुनाव का सिस्टम पंसद नहीं आ रहा है। अखिलेश ने वन नेशन-वन इलेक्शन के खिलाफ जनमत तैयार करने की बात शुरु कर दी है। इसके लिए पार्टी द्वारा गांव-गांव अभियान चलाया जाएगा। पार्टी अध्यक्ष और पूर्व सीएम अखिलेश यादव ने कहा कि एक देश-एक चुनाव सही मायनों में एक अव्यावहारिक है, क्योंकि कभी-कभी सरकारें अपनी समय अवधि के बीच में भी अस्थिर हो सकती हैं। उस स्थिति में क्या वहां की जनता बिना लोकतांत्रिक प्रतिनिधित्व के रहेगी? इसके लिए संवैधानिक रूप से चुनी सरकारों को बीच में ही भंग करना होगा, जो जनमत का अपमान होगा। मगर इस बीच सवाल यह है कि क्या अखिलेश ने वन नेशन-वन इलेक्शन के लिये तैयार किया गया ड्राफ्ट पढ़ लिया है या फिर बिना पड़े ही ऐसी बातें अपनी राजनीति चमकाने के लिए जुट गए हैं। ऐसा इसलिए भी है क्योंकि अखिलेश यादव जो खामियां और समस्याएं गिना रहे हैं उस पर मोदी सरकार ने मंथन नहीं किया होगा,ऐसा असंभव लगाता है।

सपा सूत्रों के मुताबिक मामले में अखिलेश ने पार्टी की लाइन स्पष्ट कर दी है। इस मुद्दे को लेकर पार्टी लोगों के बीच जाएगी ताकि भाजपा सरकार पर दबाव बना सके। उधर, यूपी कांग्रेस के अध्यक्ष अजय राय ने कहा कि एक देश-एक चुनाव के द्वारा भाजपा अपनी नाकामी छुपाने की कोशिश में लगी। मोदी व यूपी सरकार हर मोर्चे पर फेल है। भाजपा का झूठ उजागर हो चुका है। बता दें कांग्रेस और सपा से इतर बसपा सुप्रीमों मायावती एक देश-एक चुनाव का समर्थन कर चुकी हैं। बीते सितंबर में केंद्रीय कैबिनेट द्वारा प्रस्ताव को मंजूरी दिए जाने के बाद उन्होंने कहा था कि इस पर उनकी पार्टी का स्टैंड सकारात्मक है। लेकिन इसका उद्देश्य देश व जनहित में होना जरूरी है। माना जा रहा है कि इस मुद्दे पर बसपा अपने पुराने स्टैंड पर ही कायम रहेगी।

वहीं लखनऊ विश्वविद्यालय के राजनीति विज्ञान विभाग के अध्यक्ष प्रो. संजय गुप्ता कहते हैं कि पूर्व में कांग्रेस के समय में भी एक देश-एक चुनाव की व्यवस्था को लागू करने के प्रयास हुए थे। आज भले ही विपक्ष इस व्यवस्था को संविधानी ढांचे के विरुद्ध बताए, लेकिन ऐसा है नहीं। विपक्ष यह कह रहा है कि अगर कोई सरकार दो साल बाद गिर जाती है, तब क्या होगा। केंद्र इसके लिए नियमों में संशोधन भी करेगी। इसके लागू होने से विकास कार्य को गति मिलेगी। लखनऊ विश्वविद्यालय के ही प्रो. सौरभ मालवीय का भी कहना है कि लोकसभा और विधानसभा चुनाव एक साथ होने से देश का खर्च और संसाधनों की बचत होगी। साथ ही राजनीतिक पार्टियों को भी कार्य में सुविधा होगी।

महायुति गठबंधन पर संजय राउत का कटाक्ष, संघ मुख्यालय के सामने ईवीएम मंदिर बनाना चाहिए

मुंबई। शिवसेना (उद्धव बालासाहेब ठाकरे) गुट के नेता संजय राउत ने महाराष्ट्र में भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के नेतृत्व वाले महायुति गठबंधन पर कटाक्ष कर कहा कि उन्हें इलेक्ट्रॉनिक वोटिंग मशीनों का जुलूस निकालना चाहिए और ईवीएम मंदिर बनाना चाहिए। उन्होंने कहा कि पहली कैबिनेट बैठक के दौरान उन्हें नागपुर में राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) मुख्यालय के सामने ईवीएम मंदिर के निर्माण की घोषणा करनी चाहिए। संजय राऊत ने कहा कि मेरा मानना है कि मुख्यमंत्री को जुलूस निकालने से पहले उन्हें ईवीएम का जुलूस निकालना चाहिए और पहली कैबिनेट में उन्हें संघ मुख्यालय के सामने ईवीएम का मंदिर बनाने का निर्णय लेना चाहिए। राऊत ने कैबिनेट जिम्मेदारियों पर निर्णय नहीं ले पाने को लेकर नवगठित सरकार पर निशाना साधा। राज्य में हो रही हत्याओं और बलात्कारों का आरोप लगाकर राउत ने कहा कि महाराष्ट्र में अराजकता का माहौल है। संजय राउत ने कहा कि राज्य में नई सरकार बने एक महीना हो गया है लेकिन यह पता नहीं चल पाया है कि किसके पास कौन सा विभाग है। महाराष्ट्र के गांवों में हर दिन हत्याएं और बलात्कार हो रहे हैं, इसका जवाब सीएम नहीं दे पा रहे हैं। ये सरकार ईवीएम से बनी है, इनके पास दिमाग नहीं है, इनके दिमाग में ईवीएम है।

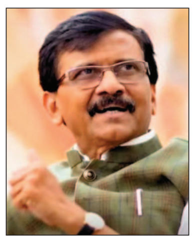

जेल से बाहर आते ही अल्लू अर्जुन बोले सॉरी- मैं कानून में यकीन रखता हूं

हैदराबाद (एजेंसी)। साउथ सुपरस्टार अल्लू अर्जुन को तेलंगाना हाई कोर्ट से जमानत मिलने के बाद आज सुबह हैदराबाद सेंट्रल जेल से रिहाई मिल गई। जेल से बाहर निकलने के बाद अल्लू अर्जुन ने मीडिया संग बातचीत की। उन्होंने कहा- चिंता की कोई बात नहीं है। मैं ठीक हूं। मैं कानून में यकीन रखता हूं। अदालत में यह केस चल रहा है तो मैं बीच में कमेंट नहीं करूंगा। मैं कानून का पालन करने वाला नागरिक हूं। मैं पुलिस के साथ सहयोग करूंगा।

एक्टर के पिता अल्लू अरविंद और ससुर कंचरला चंद्रशेखर उन्हें रिसीव करने पहुंचे थे। अल्लू अर्जुन की रिहाई से उनके फैन्स बेहद खुश हैं। जेल से रिहा होने के बाद अल्लू अर्जुन परिवार के पास अपने घर पहुंच गए हैं। घर पहुंचने पर उन्होंने सभी फैन्स का उनके प्यार और सपोर्ट के लिए शुक्रिया अदा किया। जिस महिला की जान गई है उनके परिवार के साथ मेरी संवेदना है। यह एक दुर्भाग्यपूर्ण घटना थी। मैं परिवार को हर संभव तरीके से सहायता देने के लिए मौजूद रहूंगा। सभी के प्यार और सपोर्ट के लिए बहुत-बहुत शुक्रिया। मैं आज यहां आप लोगों के सपोर्ट की वजह से हूं। मैं अपने फैन्स का शुक्रिया अदा करना चाहता हूं। बता दें कि 4 दिसंबर को हैदराबाद के संध्या थिएटर में पुष्पा 2 की स्पेशल स्क्रीनिंग के दौरान भगदड़ मचने से एक महिला की जान चली गई थी। इसी मामले में एक्टर अल्लू अर्जुन को बीती रात (13 दिसंबर) को गिरफ्तार किया गया था। अल्लू अर्जुन को 14 दिन की रिमांड पर भेजे जाने के बाद उन्हें शुक्रवार को चंचलगुडा सेंट्रल जेल ले जाया गया था। बाद में तेलंगाना हाई कोर्ट ने उन्हें 50,000 रुपये के निजी मुचलके पर अंतरिम जमानत दे दी थी।

अडानी मुद्दे पर शरद पवार ने भी छोड़ा कांग्रेस का साथ, अकेले पड़े राहुल गांधी

टीएमसी ने कहा–एक उद्योगपति पर चर्चा करने से ज्यादा कई अहम मुद्दे भी हैं

मुंबई (एजेंसी)। अडानी मुद्दे पर कांग्रेस अब अकेली पड़ती नजर आ रही है। अब इंडिया गठबंधन के साथ शरद पवार की पार्टी ने भी इस मामले में बढ़ते अलगाव का संकेत दिया है। एनसीपी शरद पवार ने कहा कि संसद के समय का बेहतर उपयोग होगा अगर वह किसानों और युवाओं के मुद्दों पर चर्चा करे, न कि व्यापारी के साथ संबंधों की। कांग्रेस के सहयोगी टीएमसी, शिवसेना (यूबीटी) और समाजवादी पार्टी ने अभी तक इस मुद्दे से दूरी बना रखी है, केवल कांग्रेस ने संसद में विरोध प्रदर्शन किया है।

टीएमसी ने कहा है कि उद्योगपति गौतम अडानी पर चर्चा करने से ज्यादा महत्वपूर्ण मुद्दे हैं। अब शरद पवार के भी कांग्रेस के से पल्ला झाड़ने के बाद कांग्रेस पर दबाव बढ़ सकता है और वह अडानी मुद्दे से पीछे हट सकती है। शुक्रवार को लोकसभा में संविधान को अपनाने के 75 साल पूरे होने पर बहस हुई थी। एनसीपी (एसपी) सांसद अमोल कोल्हे ने कहा कि संविधान ने संसद को संवैधानिक प्रणाली में प्रमुख स्थान दिया है। दुर्भाग्य से, कई बार हम अनुभव करते हैं कि इसे राजनीतिक युद्ध के मैदान में बदल दिया गया है। व्यक्तिगत टिप्पणियों के कारण संसद को कई बार स्थगित किया जाता है।

सांसाद कोल्हे ने कहा कि हमें इस बात की ज्यादा चिंता होनी चाहिए कि हमारे किसानों और युवाओं की आवाज यहां उठती है या नहीं, बल्कि एक राजनीतिक नेता का एक कॉरपोरेट के साथ क्या संबंध है, कौन सा नेता किसी के पलायन में कहां गया है, या किस विदेशी नेता ने एक स्थानीय नेता को चंदा दिया है। हम राष्ट्रीय हित के मुद्दों पर चर्चा चाहते हैं, न कि राजनीतिक नारों पर। यह कुछ ऐसा है जिससे सरकार और विपक्ष दोनों को अवगत होना चाहिए। सांसद सुप्रिया सुले जो कोल्हे के बगल में बैठी थीं, पूरे भाषण के दौरान अपनी सहमति जताती रहीं।

एनसीपी प्रमुख और महाराष्ट्र के उप मुख्यमंत्री अजित पवार, शरद पवार के भतीजे ने हाल ही में कहा था कि पांच साल पहले अडानी ने बीजेपी और एनसीपी के बीच महाराष्ट्र सरकार गठन की बात करवाई थी। यह तब था जब 2019 में महाराष्ट्र चुनावों में गठबंधन की जीत के बाद शिवसेना के एनडीए से बाहर निकलने के बाद अजीत पवार ने देवेंद्र फडणवीस के साथ महाराष्ट्र के उपमुख्यमंत्री के रूप में शपथ ली थी।

टीएमसी सांसद कल्याण बनर्जी ने बुधवार को संसद को बाधित करने के लिए बीजेपी और कांग्रेस दोनों को जिम्मेदार ठहराया है। बनर्जी ने अडानी मुद्दे पर कांग्रेस के अटकने की आलोचना की थी। उन्होंने कहा कि हम यहां कुछ काम करने आए हैं। अडानी मुद्दा ही एकमात्र मुद्दा नहीं है। इतने सारे मुद्दे हैं। कांग्रेस अडानी से जुड़ी हुई है और बीजेपी जॉर्ज सोरोस से जुड़ी हुई है। क्या इसका मतलब यह है कि अन्य सभी मुद्दे दूर हो जाएंगे।

दिल्ली के स्कूल को फिर मिली बम से उड़ाने की धमकी

नई दिल्ली । शनिवार को फिर दिल्ली के एक स्कूल को बम से उड़ाने की धमकी मिली है। इसके साथ ही ये इस सप्ताह दिल्ली के स्कूलों को धमकी भरे ईमेल भेजने की तीसरी घटना है। दिल्ली अग्निशमन सेवा के अधिकारी ने कहा, हमें सुबह 6:09 बजे डीपीएस आरके पुरम में बम होने की धमकी के बारे में फोन आया। अधिकारी ने बताया कि अग्निशमन विभाग, स्थानीय पुलिस, डॉग स्क्वायड और बम का पता लगाने वाली टीमें स्कूल पहुंचीं और तलाशी अभियान शुरू किया। जांच के लिए पहुंची पुलिस ने बताया कि स्कूल से कुछ भी संदिग्ध नहीं मिला हैं, लेकिन तलाशी जारी है। इसके पहले शुक्रवार को, करीब 30 स्कूलों को ईमेल पर बम की धमकी मिली थी, जिसके बाद कई एजेंसियों ने उनके परिसरों की तलाशी शुरू कर दी। इससे पहले, सोमवार को करीब 44 स्कूलों को इसी तरह के ईमेल मिले थे। तलाशी के दौरान कुछ भी संदिग्ध न मिलने पर पुलिस ने उन धमकियों को अफवाह करार दिया था।

अतुल सुभाष केस: आरोपी निकिता ने इलाहाबाद हाईकोर्ट में दी अग्रिम जमानत की याचिका

इलाहाबाद (एजेंसी)। बेंगलुरू में काम कर रहे एआई इंजीनियर अतुल सुभाष की आत्महत्या के मामले में आरोपी पत्नी निकिता सिंघानिया, सास, साले और चाचा ससुर ने इलाहाबाद हाई कोर्ट के चौखट पर पहुंच गए है। आरोपी पत्नी निकिता ने इलाहाबाद हाईकोर्ट में चारों की अग्रिम जमानत के लिए याचिका दाखिल की है। अब बुधवार को याचिका पर अदालत में सुनवाई हो सकती है।

बता दें कि पत्नी और ससुराल वालों पर प्रताड़ित करने का आरोप लगाकर सुसाइड करने वाले अतुल ने डेढ़ घंटे के वीडियो के साथ 23 पेज का एक सुसाइड नोट भी छोड़ा था। इसमें उन्होंने शादी की शुरुआत से लेकर पत्नी से विवाद के बाद खुद पर लगे एक-एक केस और सुसाइड की ओर ढकेलने वाले हर प्वाइंट को विस्तार से समझाया था। अतुल ने आत्महत्या से पहले खुद पर दहेज उत्पीड़न से लेकर हत्या सहित कई मामले दर्ज करने से लेकर सुसाइड के लिए उकसाने का आरोप अपनी पत्नी निकिता सिंघानिया, सास निशा, साले अनुराग और पत्नी के चाचा सुशील पर लगाया है।

उधर जांच के लिए बेंगलुरु पुलिस की एक टीम यूपी के जौनपुर पहुंची थी जहां पत्नी निकिता सिंघानिया, सास निशा, साला और अन्य लोग रहते हैं। हालांकि, जब पुलिस वहां पहुंची तब घर पर ताला लटका मिला। क्योंकि, निकिता की मां निशा और उसका भाई अनुराग एक दिन पहले ही घर बंद कर रात में कहीं ओर चले गए है। इसके बाद बेंगलुरु पुलिस ने घर पर नोटिस चस्पा कर दिया था। नोटिस में लिखा था कि बेंगलुरु में दर्ज केस में अपना बयान दर्ज करवाएं। इसी नोटिस के बाद अब निकिता ने इलाहाबाद हाईकोर्ट में याचिका दी है।

अतुल सुभाष पर अब भी तीन मुकदमे

बता दें कि अतुल पर पत्नी निकिता की ओर से जौनपुर अदालत में कुल पांच मुकदमे दायर किए गए थे। जिसमें निकिता ने तलाक का मुकदमा और सीजेएम कोर्ट में हत्या, मारपीट और अप्राकृतिक यौन संबंध के मुकदमे को बाद में वापस ले लिया था।

एक साथ चुनाव कराने से देश का संघीय ढांचा कमजोर होगा : महबूबा मुफ्ती

श्रीनगर (एजेंसी)। पीपुल्स डेमोक्रेटिक पार्टी (पीडीपी) की अध्यक्ष महबूबा मुफ्ती ने कहा कि 'एक देश, एक चुनाव' की अवधारणा देश के संघीय ढांचे को कमजोर करती है। मुफ्ती ने यहां संवाददाताओं से कहा, ''दुर्भाग्य से, राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (राजग) की यह सरकार दिन-प्रतिदिन भारत के संविधान को नष्ट कर रही है। भारत एक संघीय देश है, जिसका एक संघीय ढांचा है। एक देश, एक चुनाव की बात करके आप संघीय ढांचे को कमजोर कर रहे हैं।''

उन्होंने कहा कि राजग सरकार 2047 तक विकसित भारत बनाने की बात करती है, लेकिन वास्तव में वे देश को पीछे ले जा रहे हैं। जम्मू-कश्मीर की पूर्व मुख्यमंत्री ने कहा, ''वे 2047 की बात करते हैं, लेकिन वे पीछे की ओर जा रहे हैं। देश के स्वतंत्र होने के बाद शुरुआती वर्षों में एक देश, एक चुनाव था। इसके बाद, क्षेत्रों के बीच सत्ता का वितरण हुआ और संघीय ढांचे का जन्म हुआ। वे हमें उसी तानाशाही की ओर वापस ले जाना चाहते हैं, जो मुझे लगता है कि बहुत ही गलत है।'' इससे पहले, पीपुल्स डेमोक्रेटिक पार्टी की एक बैठक में पार्टी प्रतिनिधियों को संबोधित करते हुए मुफ्ती ने कहा कि जम्मू-कश्मीर और पीडीपी, दोनों कठिन दौर से गुजर रहे हैं। उन्होंने अपनी पार्टी के लोगों से पीडीपी के एजेंडे से समझौता नहीं करने की अपील करते हुए कहा, ''लेकिन, मैं आपको बताना चाहती हूं कि पीडीपी कठिनाइयों और चुनौतियों का सामना करने के लिए अस्तित्व में आई है।'' मुफ्ती ने कहा कि नेशनल कॉन्फ्रेंस के नेतृत्व वाली सरकार कैदियों की रिहाई, बिजली, आरक्षण आदि जैसे महत्वपूर्ण मुद्दों पर चुप है। उन्होंने कहा, ''हम सरकार के खिलाफ नहीं हैं, लेकिन उन्हें लोगों की समस्याओं का समाधान करना चाहिए।

भारत में कम विदेश में ज्यादा घूमना पसंद कर रहे भारतीय पर्यटक

नई दिल्ली (एजेंसी)। इस साल सर्दियों में भारतीय सैलानी भारत में कम और विदेश जाने की ज्यादा बुकिंग करा रहे हैं। यात्रा ऐप 'इक्सिगो' और ऑनलाइन बस टिकट बुकिंग ऐप 'अभीबस' ने एक संयुक्त रिपोर्ट तैयार की है, जिसमें कहा गया है कि कुछ देश हैं जो बार हॉट डेस्टिनेशन बनकर उभरे हैं। रिपोर्ट में कहा गया है कि इस साल सर्दियों के दौरान थाइलैंड, वियतनाम, लंदन और बाली शीर्ष विदेशी यात्रा स्थलों में उभरे हैं। इन स्थानों के लिए उड़ान बुकिंग में 80-100 प्रतिशत की वृद्धि देखी गई है। इक्सिगो ने कहा कि इसके साथ ही शिरडी, तिरुपति, अमृतसर और वाराणसी जैसे आध्यात्मिक स्थलों के लिए उड़ान बुकिंग में सालाना 22 प्रतिशत से लेकर 669 प्रतिशत तक की वृद्धि देखी गई है। आंकड़ों में बताया गया कि 20 दिसंबर, 2024 से दो जनवरी, 2025 तक बैंकॉक, फुकेट, अबू धाबी, कोलंबो, सिंगापुर, लंदन, वियतनाम, बाली और दुबई जैसे अंतरराष्ट्रीय गंतव्यों की यात्रा के लिए उड़ान बुकिंग में सालाना 48-174 प्रतिशत की वृद्धि हुई है।

रिपोर्ट में कहा गया है कि घरेलू स्तर पर सुंदर ठंडे परिदृश्य और बर्फबारी के आकर्षण के कारण इस मौसम में अधिक यात्री पहाड़ों की ओर आकर्षित हो रहे हैं। जम्मू, श्रीनगर और देहरादून जैसे उत्तर भारत के प्रमुख पहाड़ी स्टेशनों पर उड़ान बुकिंग में वृद्धि देखी जा रही है। आंकड़ों के अनुसार, हवाई किराये (एकतरफा) के संदर्भ में, मुंबई-हो ची मिन्ह सिटी (वियतनाम) जैसे कुछ मार्गों पर 30 दिन की अग्रिम खरीद तिथि (एपीडी) के आधार पर छह प्रतिशत की वार्षिक वृद्धि देखी गई है, जबकि मुंबई-फुकेट जैसे अन्य मार्गों पर 47 प्रतिशत तक की वार्षिक वृद्धि देखी गई है। दूसरी ओर, मुंबई-लंदन मार्ग पर प्रस्थान के लिए हवाई किराये में सालाना 46 प्रतिशत की गिरावट आई है। नई दिल्ली-हो ची मिन्ह सिटी मार्ग पर हवाई किराये में 18 प्रतिशत की गिरावट आई है।

एकतरफ़ा हवाई किराये की गणना 24 दिसंबर, 2023-एक जनवरी, 2024 के प्रस्थान के लिए और 24 दिसंबर, 2024-एक जनवरी, 2025 के प्रस्थान के लिए की गई है। आंकड़ों के अनुसार, घरेलू स्तर पर हवाई किराये (एकतरफा) के मामले में, दिल्ली-हैदराबाद (प्रस्थान) जैसे मार्गों पर 30 दिन की एपीडी आधार पर पिछले साल की तुलना में 17 प्रतिशत की वृद्धि हुई है, जबकि बेंगलुरू-लखनऊ और पुणे-नई दिल्ली मार्गों पर यह वृद्धि मात्र तीन प्रतिशत रही है।

संक्षिप्त समाचार

मेक्सिको अपनी संप्रभुता की रक्षा करेगा, चाहे अमेरिका किसी को भी राजदूत चुने : राष्ट्रपति शिनबाम

मेक्सिको, एजेंसी। मेक्सिको की राष्ट्रपति क्लाउडिया शिनबाम ने कहा कि उनका प्रशासन देश की संप्रभुता की रक्षा करेगा, भले ही अमेरिका मेक्सिको में राजदूत के रूप में किसे भी चुने। उनका यह बयान अमेरिका के नव-निर्वाचित राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप द्वारा की गई नवीनतम नियुक्ति के बाद आया है। राष्ट्रपति ने बुधवार को नेशनल पैलेस में अपनी नियमित प्रेस कॉन्फ्रेंस के दौरान कहा, इस राजदूत या किसी अन्य के साथ, हम अपनी संप्रभुता और बराबरी के दर्जे का रक्षा करेंगे। शिनबाम ने कहा कि उन्हें, विश्वास है कि समझौता होने जा रहा है और उन्हें पता होना चाहिए कि हम हमेशा मेक्सिको की रक्षा करेंगे और खुद को केवल संयुक्त राज्य अमेरिका की जरूरतों के अधीन किए बिना इसे गौरवान्वित करेंगे। समाचार एजेंसी सिन्हुआ के अनुसार, उन्होंने द्विपक्षीय एजेंडे के आगे बढ़ने के महत्व को दोहराया, जिसमें अमेरिका से मैक्सिको में हथियारों की तस्करी से निपटना भी शामिल है। ट्रंप ने मंगलवार शाम को अपने ट्रुथ सोशल नेटवर्क के माध्यम से घोषणा की थी कि मेक्सिको में उनके राजदूत रिटायर्ड कर्नल रोनाल्ड जॉनसन होंगे। वह एक पूर्व सीआईए अधिकारी और सेना के स्पेशल फोर्स अधिकारी हैं। जॉनसन ने ट्रंप के पहले कार्यकाल के दौरान अल साल्वाडोर में राजदूत के रूप में कार्य किया था। ट्रंप के मुताबिक, जॉनसन अमेरिका प्रथम विदेश नीति के माध्यम से हमारे राष्ट्र की सुरक्षा और समृद्धि को बढ़ावा देने के लिए हमारे महान विदेश मंत्री मार्को रुबियो के साथ मिलकर काम करेंगे।

एच-1बी : जीवनसाथियों के लिए वर्क परमिट अवधि 540 दिन होगी, 13 जनवरी से प्रभावी होंगे बदलाव

वाशिंगटन, एजेंसी। अमेरिकी गृह सुरक्षा मंत्रालय (डीएचएस) एच-1बी और एल-1 वीजा धारकों के जीवनसाथियों के लिए स्वचालित वर्क परमिट नवीनीकरण अवधि को 180 दिनों से बढ़ाकर 540 दिन करने जा रहा है। यह बदलाव 13 जनवरी, 2025 से प्रभावी होंगे और 4 मई, 2022 को या उसके बाद दाखिल किए गए आवेदनों पर लागू होंगे। इस विस्तार का मकसद प्रसंस्करण में देरी के कारण काम में रुकावटें रोकना है। भारतीयों को इस संसोधन से काफी फादा होगा। अमेरिका में ग्रीन कार्ड चाहने वाले एच-1बी वीजा धारकों के जीवनसाथी (एच-4 वीजा) तथा एल-1 वीजा धारकों के जीवनसाथी (एल-2 वीजा) वर्क परमिट के लिए पात्र हैं। डीएचएस मंत्री एलेजांद्रो एन. मयोरकास ने कहा, जनवरी 2021 से, अमेरिकी अर्थव्यवस्था ने 1.6 करोड़ से अधिक नौकरियां पैदा की हैं और गृह सुरक्षा मंत्रालय व्यवसायों को उन्हें भरने में मदद करने के लिए प्रतिबद्ध है। कुछ रोजगार प्राधिकरण दस्तावेजों के लिए स्वचालित विस्तार अवधि बढ़ाने से लालफीताशाही को खत्म करने में मदद मिलेगी जो नियोक्ताओं पर बोझ डालती है। यूएससीआईएस के निदेशक उर एम. जादौ ने कहा, हम अपने देश की अर्थव्यवस्था को समर्थन देने के लिए आव्रजन प्रणाली में बाधाओं व बोझ को कम करने के लिए प्रतिबद्ध हैं। यह अंतिम नियम अमेरिकी नियोक्ताओं को अपने कर्मचारियों को बेहतर तरीके से बनाए रखने में निश्चित ही सार्थक ढंग से मदद करेगा।

न्यूयॉर्क राजमार्ग पर विमान दुर्घटना में एक व्यक्ति की मौत, दूसरा घायल

न्यूयॉर्क, एजेंसी। हैरिसन में अंतरराज्यीय राजमार्ग - 684 पर शाम करीब सात बजे यातायात अवरुद्ध हो गया। घटनास्थल से प्राप्त वीडियो में क्षतिग्रस्त सफेद विमान मध्य में रेलिंग के पास खड़ा दिखा और आपातकालीन वाहनों ने यातायात को अवरुद्ध कर दिया है। वेस्टचेस्टर काउंटी में न्यूयॉर्क राजमार्ग पर बृहस्पतिवार रात एक छोटे विमान के दुर्घटनाग्रस्त हो जाने के कारण उस पर सवार एक व्यक्ति की मौत हो गई और दूसरा घायल हो गया। प्राधिकारियों ने यह जानकारी दी। विमान में दो लोग सवार थे। दुर्घटना के कारण मैनहट्टन से लगभग 40 किलोमीटर उत्तर-पूर्व की ओर हैरिसन में अंतरराज्यीय राजमार्ग - 684 पर शाम करीब सात बजे यातायात अवरुद्ध हो गया। घटनास्थल से प्राप्त वीडियो में क्षतिग्रस्त सफेद विमान मध्य में रेलिंग के पास खड़ा दिखा और आपातकालीन वाहनों ने यातायात को अवरुद्ध कर दिया है। गवर्नर कैथी होचुल ने कहा कि हादसे के बाद विमान के ईंधन को साफ करने के लिए पर्यावरण संरक्षण विभागके कर्मी मौके पर हैं।

भारतीय फिल्म को मिला टीवी ग्लोबल सस्टेनेबिलिटी पुरस्कार

लंदन, एजेंसी। भारतीय फिल्म 'द कुंबाया स्टोरी' ने लंदन में प्रतिष्ठित ब्रिटिश अकादमी फिल्म पुरस्कार (बाफ्टा) में आयोजित '13वें टीवीई ग्लोबल सस्टैनबिलिटी फिल्म पुरस्कार' (जीएसएफए) में ट्रॉफी अपने नाम की है। कुंबाया प्रोड्यूसर कंपनी लिमिटेड द्वारा निर्मित फिल्म ने बीती रात आयोजित कार्यक्रम में 'ट्रांसफॉर्मिंग सोसाइटी शॉर्ट फिल्म' श्रेणी में यह पुरस्कार जीता है। टीवीई जीएसएफए की संस्थापक सुरीना नरूला ने विजेताओं को 'फाउंडर्स अवार्ड' प्रदान किया।

ट्रंप के टैरिफ लगाने के जवाब में कनाडा भी उठा सकता है सख्त कदम, ऊर्जा की सप्लाई रोकने पर विचार

ओटावा, एजेंसी। अमेरिका के नवनिर्वाचित राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने बीते महीने कनाडा पर भारी-भरकम टैरिफ लगाने की बात कही थी। अब खबर आई है कि कनाडा की सरकार भी ट्रंप के ऐसे किसी कदम पर सख्त कदम उठा सकती है। दरअसल कनाडा के विभिन्न राज्यों के प्रीमियर्स (सीएम) ने प्रधानमंत्री जस्टिन ट्रूडो को सलाह दी है कि अगर अमेरिका, कनाडा पर टैरिफ लगाने का फैसला करता है तो कनाडा को भी तीखा पलटवार करना चाहिए। कुछ प्रीमियर्स ने कनाडा से अमेरिका को होने वाली ऊर्जा की सप्लाई बंद करने की भी सलाह दी है।

अमेरिका-कनाडा में बढ़ सकता है तनाव : कनाडा के प्रधानमंत्री जस्टिन ट्रूडो ने बुधवार को देश के विभिन्न राज्यों को प्रीमियर्स के साथ बैठक की। इस बैठक में डोनाल्ड ट्रंप के टैरिफ लगाने के कदम के जवाब पर चर्चा की गई। ट्रंप के कनाडा पर टैरिफ लगाने के बयान के बाद यह दूसरी ऐसी बैठक थी, जिसमें कनाडा द्वारा अमेरिका के खिलाफ उठाए जाने वाले कदमों पर चर्चा की गई। इस बैठक में कनाडा की वित्त मंत्री क्रिस्टिया फ्रीलैंड भी थीं। बैठक के दौरान कई प्रीमियर्स ने अमेरिका के खिलाफ सख्त कदम उठाने की ट्रूडो सरकार को सलाह दी।

अमेरिका की ऊर्जा सप्लाई रोकने की सलाह : कनाडा की वित्त मंत्री ने बैठक के बाद बताया कि कुछ राज्यों के प्रीमियर्स ने उन उत्पादों की पहचान करने और उनका निर्यात रोकने की सलाह दी है, जो कनाडा से अमेरिका को निर्यात किए जाते हैं और जो अमेरिका के लिए अहम हैं। कनाडा द्वारा काफी मात्रा में अमेरिका को तेल, नेचुरल गैस और बिजली की सप्लाई की जाती है। कुछ प्रीमियर्स ने अमेरिका की ये ऊर्जा सप्लाई रोकने की सलाह दी।

ट्रंप ने दिया था ये बयान : उल्लेखनीय है कि डोनाल्ड ट्रंप ने बीते महीने एक बयान में कनाडा और मैक्सिको से आने वाले सामान पर 25 फीसदी तक टैरिफ लगाने की बात कही थी। ट्रंप ने कहा था कि जब तक ये देश अपने सीमा से होने वाली ड्रग्स की सप्लाई और अवैध अप्रवासियों को नहीं रोकते हैं, तब तक वे टैरिफ लगाएंगे। अमेरिका और कनाडा के बीच सालाना व्यापार अरबों डॉलर का है। अमेरिका के ट्रेड रिप्रजेंटेटिव्स के आंकड़ों के अनुसार, अमेरिका और कनाडा के बीच साल 2022 में 614 अरब डॉलर का व्यापार हुआ था। ऐसे में अगर ट्रंप, कनाडा से आने वाले सामान पर टैरिफ लगाने का फैसला करते हैं और उसके जवाब में कनाडा भी सख्त कदम उठाता हो तो इससे दोनों देशों के रिश्तों में तनातनी पैदा हो सकती है।

पद छोड़ने से पहले बाइडन ने 39 लोगों को किया क्षमा दान; चार भारतीय अमेरिकी भी शामिल, 1500 लोगों की सजा भी : वाशिंगटन, एजेंसी। अगले महीने राष्ट्रपति पद छोड़ने से पहले राष्ट्रपति जो बाइडन ने अहिंसक अपराधों के दोषी 39 अमेरिकियों को माफी दी है। इसके साथ ही कोरोना महामारी के दौरान जेल से रिहा हुए और घरेलू कारावास में रखे गए करीब 1,500 लोगों की सजा कम की है। बाइडन ने जिन लोगों को क्षमादान दिया है उनमें चार भारतीय अमेरिकी भी शामिल हैं। इनके नाम मीरा सचदेवा, बाबूभाई पटेल, कृष्णा मोटे और विक्रम दत्ता हैं। गुरुवार को घोषित सजा में छूट उन लोगों के लिए है, जिन्होंने रिहा होने के बाद कम से कम एक साल तक घरेलू कारावास की सजा काट ली है। बाइडन ने कहा, वह आने वाले हफ्तों में और कदम उठाएंगे और क्षमादान याचिकाओं की समीक्षा जारी रखेंगे। गौरतलब है कि दिसंबर 2012 में, डॉ मीरा सचदेवा को 20 साल की जेल की सजा सुनाई गई थी। इसके साथ ही उनके द्वारा चलाए जा रहे कैंसर केंद्र में धोखाधड़ी के लिए लगभग स्8.2 मिलियन चुकाने का आदेश दिया गया था। वह अब 63 साल की हैं। वहीं, बाबूभाई पटेल को 2013 में स्वास्थ्य सेवा धोखाधड़ी साजिश, ड्रग्स ट्रैफिकिंग और धोखाधड़ी के लिए 17 साल की सजा सुनाई गई थी। इसके अलावा 2013 में, 54 वर्षीय कृष्णा मोटे को 280 ग्राम से अधिक क्रैक कोकीन और 500 ग्राम से अधिक कोकीन की तस्करी करने की साजिश रचने का दोषी ठहराए जाने के बाद आजीवन कारावास की सजा सुनाई गई थी। वहीं, 63 साल के विक्रम दत्ता को जनवरी 2012 में मैनहट्टन संघीय अदालत में 235 महीने की जेल की सजा सुनाई गई थी। उन्हें मैक्सिकन नशीले पदार्थों के संगठन के लिए अपने इत्र वितरण व्यवसाय के उपयोग से लाखों डॉलर की हेराफेरी करने की साजिश के आरोप में दोषी पाया गया था।

युद्धविराम वार्ता से निकल सकता है बंधकों की रिहाई का रास्ता, इजरायली रक्षा मंत्री ने जताई उम्मीद

यरूशलम, एजेंसी। इजरायल के रक्षा मंत्री इजरायल काट्ज ने कहा कि वह नए संघर्ष विराम समझौते के जरिए गाजा में अभी भी बंधक बनाए गए सभी लोगों की रिहाई की संभावना देखते हैं। समाचार एजेंसी सिन्हुआ के अनुसार, कैट्ज ने अमेरिकी रक्षा सचिव लॉयड ऑस्टिन के साथ फोन पर बातचीत में कहा, इस समय एक नए समझौते की संभावना है, उम्मीद है कि इससे सभी बंधकों की रिहाई हो सकेगी, जिनमें अमेरिकी नागरिकता वाले बंधक भी शामिल हैं। कैट्ज के कार्यालय के अनुसार, दोनों ने कई मुद्दों पर चर्चा की, जिसमें गाजा में युद्ध विराम के लिए नए सिरे से बातचीत भी शामिल थी।

इजरायल और लेबनान के हिजबुल्लाह के बीच लड़ाई खत्म करने वाले संघर्ष विराम समझौते के बाद गाजा में सीजफायर के लिए बातचीत फिर से शुरू हो गई है। इजरायल और हमास के बीच मध्यस्थता से चल रही बातचीत में अभी तक कोई सफलता की घोषणा नहीं की गई है। हमास ने अभी भी गाजा में करीब 100 लोगों को बंधक बना रखा है। बता दें 7 अक्टूबर इजरायल में हमास के बड़े हमले के जवाब में यहूदी राष्ट्र ने फिलिस्तीनी ग्रुप के कब्जे वाली गाजा पट्टी में सैन्य अभियान शुरू किया था। हमास के हमले में करीब 1200 लोग मारे गए थे जबकि 250 से अधिक लोगों को बंधक बनाया गया था। इजरायली हमलों ने गाजा में बड़े पैमाने पर तबाही मचाई है और हजारों फिलिस्तीनियों की मौत हुई है।

इजरायल-हमास संगर्ष के दौरान एक संक्षिप्त संघर्षविराम हुआ जिसमें लगभग 105 बंधकों को रिहा किया गया था। कुछ बंधकों को इजरायली सैनिकों ने भी बचाया। हाल ही में हमास ने घोषणा की है कि इजरायली सैन्य अभियानों के कारण गाजा पट्टी में बंधक बनाए गए 33 इजरायली बंधकों की मौत हो गई है, जबकि कुछ अन्य अभी भी लापता हैं। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक हमास ने एक वीडियो भी जारी किया जिसमें बताया गया कि बंधकों की हत्या कब और कैसे की गई।

रूस ने नागरिकों के लिए ट्रैवल एडवाइजरी की जारी, अमेरिका और यूरोप यात्रा से बचने की सलाह

मास्को, एजेंसी। रूस ने अपने नागरिकों के लिए एक ट्रैवल एडवाइजरी जारी की है जिसमें उन्हें अमेरिका और यूरोपीय देशों की यात्रा करने से बचने की सलाह दी गई है। रूस के विदेश मंत्रालय की प्रवक्ता मारिया जखारोवा ने यह चेतावनी जारी करते हुए कहा कि इन देशों में रूसियों के लिए खतरा हो सकता है खासकर अमेरिकी अधिकारियों की ओर से। मारिया जखारोवा ने इस ट्रैवल एडवाइजरी में यह कहा कि अमेरिकी अधिकारियों से रूसियों को खतरा हो सकता है और उन्हें इस समय इन देशों की यात्रा करने से बचना चाहिए। रूस ने यह चेतावनी अमेरिका और यूरोप के देशों में रूसियों के खिलाफ बढ़ते दबाव और तिरस्कार को देखते हुए जारी की है। हाल ही में रूस और पश्चिमी देशों के बीच तनाव बढ़ा है खासकर रूस द्वारा यूक्रेन पर आक्रमण करने के बाद से। पश्चिमी देशों ने रूस के खिलाफ कड़े आर्थिक प्रतिबंध लगाए हैं और इसके साथ ही रूस के नागरिकों पर भी सख्ती बढ़ाई गई है। रूस का कहना है कि इन देशों में रूसियों को गिरफ्तार किया जा सकता है या उनके खिलाफ कार्रवाई की जा सकती है जिससे उनके लिए यात्रा करना असुरक्षित हो सकता है। रूस ने यह एडवाइजरी अपने नागरिकों की सुरक्षा को ध्यान में रखते हुए जारी की है ताकि वे इन देशों में यात्रा करने से पहले पूरी जानकारी प्राप्त कर सकें।

बांग्लादेश में अब जॉय बांग्ला राष्ट्रीय नारा नहीं : यूनुस सरकार ने आदेश जारी किया, सुप्रीम कोर्ट का दखल से इनकार

ढाका, एजेंसी। बांग्लादेश में जॉय बांग्ला को राष्ट्रीय नारा नहीं माना जाएगा। मोहम्मद यूनुस के नेतृत्व वाली बांग्लादेशी सरकार ने हाल ही में इसे लेकर आदेश जारी किया है। बांग्लादेश के पहले राष्ट्रपति शेख मुजीबुर्रहमान ने 1971 में बांग्लादेश के स्वतंत्रता संग्राम के दौरान इस नारे का बड़े पैमाने पर इस्तेमाल किया था। डेली स्टार के मुताबिक, बांग्लादेशी सुप्रीम कोर्ट ने मंगलवार को इस सरकारी आदेश पर रोक लगाने से इनकार कर दिया है। सुप्रीम कोर्ट का कहना है कि राष्ट्रीय नारा सरकार की पॉलिसी का मामला है और न्यायपालिका को इसमें दखल नहीं देना चाहिए।

इंडियन एक्सप्रेस के मुताबिक, जॉय बांग्ला नारा कवि काजी नजरुल इस्लाम की कविता से लिया गया है। उन्होंने 1922 में भारत के स्वतंत्रता आंदोलन के दौरान लिखी एक कविता में इसका जिक्र किया था। 1971 में बांग्लादेश स्वतंत्रता आंदोलन के दौरान इसका इस्तेमाल युद्धघोष की तरह किया गया। शेख मुजीबुर्रहमान ने पाकिस्तानी सेना से मुकाबला करने के लिए 1971 में जॉय बांग्ला (बांग्ला की जीत) नारे का बड़े पैमाने पर इस्तेमाल किया था। तस्वीर- रॉयटर्स

शेख मुजीबुर्रहमान ने पाकिस्तानी सेना से मुकाबला करने के लिए 1971 में जॉय बांग्ला (बांग्ला की जीत) नारे का बड़े पैमाने पर इस्तेमाल किया था। तस्वीर- रॉयटर्स 2020 में हाई कोर्ट ने राष्ट्रीय नारा घोषित किया था बांग्लादेश बनने के बाद नजरुल इस्लाम को बांग्लादेश के राष्ट्रीय कवि की उपाधि से सम्मानित किया गया। बांग्लादेश की आजादी के तुरंत बाद अनौपचारिक तौर पर जॉय बांग्ला देश का राष्ट्रीय नारा बन गया। हालांकि, 1975 में शेख मुजीब की हत्या के बाद खोंडेकर मुस्ताक अहमद बांग्लादेश के राष्ट्रपति बने तो उन्होंने बांग्लादेश जिंदाबाद नारे का इस्तेमाल किया। 2017 में बांग्लादेश हाई कोर्ट में एक याचिका दायर की थी, जिसमें जॉय बांग्ला को देश का राष्ट्रीय नारा घोषित करने की मांग की गई थी। 10 मार्च, 2020 को हाई कोर्ट ने जॉय बांग्ला को राष्ट्रीय नारा घोषित कर दिया। 2 मार्च 2022 को शेख हसीना की अवामी लीग सरकार ने सभी सरकारी कार्यालयों और सरकारी समारोह में इसे बोलना अनिवार्य कर दिया था। नोट से शेख मुजीब की तस्वीर हटाने की तैयारी बांग्लादेश में करेंसी नोट से भी शेख मुजीबुर्रहमान की तस्वीर हटाने की तैयारी की जा रही है। ढाका ट्रिब्यून के मुताबिक, बांग्लादेश सेंट्रल बैंक नए नोट छाप रहा है, जिनमें जुलाई के हिंसक प्रदर्शन की तस्वीरें होंगी। अंतरिम सरकार के निर्देश पर 20, 100, 500 और 1,000 टका के नए बैंक नोट छापे जा रहे हैं। पहले राष्ट्रपति से जुड़ी निशानियों पर भी हमला अगस्त 2024 को बांग्लादेश में तख्तापलट के बाद से लगातार शेख मुजीब से जुड़ी निशानियों पर हमला किया जा रहा है। ढाका में शेख मुजीबुर्रहमान की मूर्ति को तोड़ा गया और कई सार्वजनिक स्थानों पर लगी उनकी नेमप्लेट को हटाया गया। अंतरिम सरकार ने आजादी और संस्थापक से जुड़े दिनों की 8 सरकारी छुट्टियां भी कैंसिल कर दी थी।

इमरान खान और बुशरा तोशखाना के नए मामले में दोषी करार, एनएबी ने दर्ज किया था मामला

इस्लामाबाद , एजेंसी। मामले में दंपति को जमानत मिल गई है। लेकिन जबकि पूर्व प्रथम महिला जेल से बाहर है, उसका पति अभी भी उसके खिलाफ दर्ज अन्य मामलों में सलाखों के पीछे है। दोनों पर अवैध बिक्री और सरकारी उपहारों को अपने पास रखने के जरिए राष्ट्रीय खजाने को नुकसान पहुंचाने का आरोप है, उन्हें उक्त मामले में 13 जुलाई को गिरफ्तार किया गया था उसी दिन उन्हें इद्दत मामले में बरी कर दिया गया था। इस्लामाबाद की एक विशेष अदालत ने पाकिस्तान तहरीक-ए-इंसाफ (पीटीआई) के संस्थापक-अध्यक्ष इमरान खान और उनकी पत्नी बुशरा बीबी को नए तोशाखाना मामले में दोषी ठहराया। इस मामले को आभूषण सेट मामले के रूप में भी जाना जाता है। रावलपिंडी की अदियाला जेल में सुनवाई की अध्यक्षता करने वाले विशेष न्यायालय सेंट्रल-द्ध के न्यायाधीश सेंट्रल शाहरुख अर्जुमंद ने खान और बुशरा पर आरोप तय किए। मामला शुरू में राष्ट्रीय जवाबदेही ब्यूरो (एनएबी) द्वारा दायर किया गया था। हालाँकि, एनएबी संशोधनों के आलोक में, संघीय जांच एजेंसी ने मामले को अपने हाथ में ले लिया और इस साल सितंबर में अपना चालान दायर किया।

मामले में दंपति को जमानत मिल गई है। लेकिन जबकि पूर्व प्रथम महिला जेल से बाहर है, उसका पति अभी भी उसके खिलाफ दर्ज अन्य मामलों में सलाखों के पीछे है। दोनों पर अवैध बिक्री और सरकारी उपहारों को अपने पास रखने के जरिए राष्ट्रीय खजाने को नुकसान पहुंचाने का आरोप है, उन्हें उक्त मामले में 13 जुलाई को गिरफ्तार किया गया था उसी दिन उन्हें इद्दत मामले में बरी कर दिया गया था। अक्टूबर में, पूर्व प्रथम महिला को कई महीने सलाखों के पीछे बिताने के बाद आखिरकार रिहा कर दिया गया जब इस्लामाबाद उच्च न्यायालय (आईएचसी) ने उक्त मामले में उनकी गिरफ्तारी के बाद की जमानत याचिका को मंजूरी दे दी। इस बीच, नवंबर में, आईएचसी ने भी जेल में बंद पूर्व प्रधान मंत्री को जमानत दे दी। हालाँकि, खान और बुशरा दोनों ही संकट से बाहर नहीं हैं क्योंकि पूर्व प्रधानमंत्री का नाम 188 विभिन्न मामलों में आने के कारण उनके कानूनी संकट जल्द ही समाप्त होने की संभावना नहीं है।

सीरिया की अंतरिम सरकार का दावा, विद्रोही खेमे से बातचीत करने दमिश्क पहुंचे तुर्किए और कतर के वरिष्ठ अधिकारी

दमिश्क, एजेंसी। तुर्किए और कतर के वरिष्ठ अधिकारी पूर्व सीरियाई राष्ट्रपति बशर अल-असद की सरकार को उखाड़ फेंकने वाले विद्रोही खेमे के नेताओं संग चर्चा करने के लिए दमिश्क पहुंचे हैं। इसकी जानकारी सीरिया के अंतरिम सूचना मंत्रालय ने दी है। सिन्हुआ समाचार एजेंसी की रिपोर्ट के अनुसार, तुर्किए के प्रतिनिधिमंडल में विदेश मंत्री हकान फिदान और खुफिया प्रमुख इब्राहिम कालिन शामिल थे, जबकि कतर का प्रतिनिधित्व राज्य सुरक्षा सेवा के प्रमुख खलफान बिन अली बिन खलफान अल-बट्टी अल-काबी ने किया। मंत्रालय के एक बयान के अनुसार, दोनों प्रतिनिधिमंडलों में सलाहकार दल भी शामिल था। अधिकारियों का हयात तहरीर अल-शाम समूह के नेता अबू मोहम्मद अल-जुलानी से मिलने का कार्यक्रम है, जिसने अल-असद को गिराने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई थी। वे उग्रवादी नेता मोहम्मद अल-बशीर के साथ भी बातचीत करने वाले हैं, जो अब विद्रोही गठबंधन द्वारा नियुक्त अंतरिम प्रधानमंत्री के रूप में कार्य कर रहे हैं। मंत्रालय ने कहा कि चर्चा विद्रोही गुटों के बीच आंतरिक राजनीतिक संवाद को आगे बढ़ाने पर केंद्रित होने की उम्मीद है। तुर्किए या कतर सरकार की ओर से इस यात्रा की कोई आधिकारिक पुष्टि नहीं की गई है। फिदान ने पहले कहा था कि अंकारा दमिश्क में अपने दूतावास को एक बार परिस्थितियां अनुकूल होने पर फिर से खोलने का इरादा रखता है। तुर्किए ने 26 मार्च, 2012 को सीरिया की राजधानी में अपना दूतावास बंद कर दिया था, जिसमें बढ़ती हिंसा और 2011 में शुरू हुए सीरिया के गृहयुद्ध के बीच असद को पद छोड़ने के लिए कहा गया था। असद सरकार को उखाड़ फेंकने वाले उग्रवादी समूहों का समर्थन करने वाले समाचार आउटलेट साउट अल-असिमा के अनुसार, सीरियाई संविधान और संसद को कथित तौर पर तीन महीने के लिए निलंबित कर दिया गया है। आउटलेट ने गुरुवार को अज्ञात स्रोतों का हवाला देते हुए इस घटनाक्रम की सूचना दी, लेकिन इस बारे में विवरण नहीं दिया कि निलंबन कैसे लागू किया जाएगा। इससे पहले बुधवार को सीरिया के सैन्य अभियान प्रशासन ने घोषणा की थी कि उसने दमिश्क और उसके आसपास के क्षेत्रों में पहले से लागू कर्फ्यू हटा लिया है और निवासियों से अपनी दैनिक गतिविधियों को फिर से शुरू करने और अपने कार्यस्थलों पर लौटने का आह्वान किया है।

सीरिया की 90 फीसदी सतह से हवा में मार करने वाली मिसाइल प्रणालियों को हमने तबाह कर दिया : इजरायल

येरूशलम, एजेंसी। इजरायल डिफेंस फोर्सेज (आईडीएफ) का दावा है कि उसने सीरिया की हवाई सुरक्षा को बहुत नुकसान पहुंचाया है और उसकी सतह से हवा में मार करने वाली मिसाइल प्रणालियों का 90 प्रतिशत से ज्यादा हिस्सा नष्ट कर दिया है। समाचार एजेंसी सिन्हुआ की रिपोर्ट के मुताबिक, एक बयान में आईडीएफ ने बताया कि वह सीरिया की स्थिति का मूल्यांकन कर रहा था, खासकर बशर अल-असद के सत्ता से हटने की संभावना को ध्यान में रखते हुए।

बयान में कहा गया है, ऐसी स्थिति के लिए तैयार होने के लिए वायु सेना ने सीरिया की सैन्य ताकतों को नष्ट करने के लिए एक बड़े हमले की योजना बनाई है। पिछले कुछ दिनों में सैकड़ों इजरायली लड़ाकू जेट और विमान ने मिलकर हमले शुरू किए हैं, जिनसे सीरिया के सबसे महत्वपूर्ण हथियारों, जैसे लड़ाकू जेट, हेलीकॉप्टर, मिसाइल, ड्रोन, रडार और रॉकेट को बड़ा नुकसान हुआ है। हमलों में कई सीरियाई हवाई अड्डों को भी निशाना बनाया गया। उत्तरी दमिश्क के पास टी4 हवाई अड्डा को भारी नुकसान पहुंचा है, जिससे वहां तैनात एसयू-22 और एसयू-24 लड़ाकू विमान पूरी तरह नष्ट हो गए। ब्ले हवाई अड्डा, जहां तीन और लड़ाकू स्क्वाड्रन थे और पास में स्थित हथियारों के गोदाम भी इजरायली

हमलों में प्रभावित हुए। आईडीएफ ने एक्स पोस्ट में कहा, 48 घंटों के भीतर आईडीएफ ने सीरिया में अधिकांश रणनीतिक हथियारों के भंडार पर हमला किया, ताकि ये आतंकवादी समूहों के हाथों में न पड़ें। इसके अलावा, सीरिया के होम्स क्षेत्र में एक महत्वपूर्ण विनिर्माण और भंडारण केंद्र को निशाना बनाया गया, जिसे सीरिया के स्कड मिसाइल कार्यक्रम का अहम हिस्सा माना जाता था। आईडीएफ के बयान में बताया गया कि इन अभियानों का उद्देश्य क्षेत्र में बढ़ते तनाव के बीच सीरिया की उन्नत सैन्य ताकतों को कमजोर करना है।

हरियाणा सिख गुरुद्वारा प्रबंधक कमेटी के चुनाव 19 जनवरी को होंगे: डीसी

नामांकन के लिए अधिसूचना का प्रकाशन 18 दिसंबर को होगा

फरीदाबाद की आवाज

फरीदाबाद। डीसी विक्रम सिंह ने बताया कि आयुक्त गुरुद्वारा चुनाव, न्यायमूर्ति एचएस भल्ला द्वारा हरियाणा सिख गुरुद्वारा प्रबंधन समिति के सभी 40 वार्डों के प्रथम आम चुनाव के लिए शेड्यूल जारी कर दिया गया है। डीसी विक्रम सिंह ने गुरुवार को लघु सचिवालय के बैठक कक्ष में हरियाणा सिख गुरुद्वारा प्रबंधक कमेटी के चुनाव को लेकर संबंधित अधिकारियों के साथ बैठक की। डीसी विक्रम सिंह ने बताया कि सभी 40 वार्डों के आम चुनाव 19 जनवरी 2025 को होंगे। इस बारे में जानकारी देते हुए डीसी ने बताया कि (रिटर्निंग अधिकारी) एफएमडीए जॉइंट सीईओ गौरी मिड्ढा द्वारा नामांकन आमंत्रित करने के लिए अधिसूचना का प्रकाशन बुधवार 18 दिसंबर को होगा। इसके बाद 20 दिसंबर से लेकर 28 दिसंबर तक नामांकन भरे जाएंगे। तत्पश्चात 30 दिसंबर को नामांकन पत्रों की जांच और छटंनी की जाएगी। इसी प्रकार रिटर्निंग अधिकारी के आदेश में संशोधन के लिए डीसी को आवेदन दायर करने की अंतिम तिथि 31 दिसंबर की है। डीसी द्वारा संशोधन आवेदन पर निर्णय 01 जनवरी 2025 को दोपहर 03 बजे तक लिया जाएगा। वैध नामांकन पत्रों की सूची का प्रकाशन 01 जनवरी 2025 को किया जाएगा। कोई भी उम्मीदवार 02 जनवरी 2025 तक उम्मीदवारी वापस ले सकते है और फिर उसी दिन चुनाव चिह्न दोपहर 03 बजे के बाद आवंटित किए जाएंगे। अगर आवश्यक हुआ तो 19 जनवरी 2025 को हरियाणा सिख गुरुद्वारा प्रबंधक कमेटी के चुनाव सुबह 8 बजे से लेकर सायं 5 बजे तक करवाए जाएंगे। मतदान पूरा होने के तुरंत बाद बूथ पर ही मतगणना करवा

दी जाएगी। उन्होंने आगे बताया कि नामांकन पत्र भरने वाले प्रत्येक अभ्यर्थी को नामांकन की अंतिम तिथि से पहले निर्वाचन अधिकारी के पास पांच हजार रुपये का शुल्क जमा करना होगा तथा मतदान मशीनों (ईवीएम) का उपयोग करके चुनाव कराया जाएगा। चुनाव कार्यक्रम के अनुसार प्रत्याशियों को चुनाव चिह्न के लिए गुरुद्वारा चुनाव आयोग द्वारा निर्धारित प्रतीक चिह्नों में से तीन को वरीयता क्रम में भरना होगा। संबंधित वार्ड की मतदाता सूची में शामिल अमृतधारी सिख ही चुनाव लड़ सकेंगे।

● कौन लड़ सकेगा चुनाव

न्यूनतम 25 साल तक के अमृतधारी सिख ही चुनाव लड़ पाएंगे। कोई व्यक्ति गुरुमुखी पढ़ने में सक्षम माना जाएगा, यदि वह गुरुमुखी में गुरु ग्रंथ साहिब का पाठ करने में सक्षम है और गुरुमुखी लिखने में सक्षम माना जाएगा, यदि वह समिति के चुनाव के लिए अपना नामांकन पत्र गुरुमुखी में अपनी हस्तलिपि में भरता है। बशर्ते कि यदि कोई प्रश्न उठता है कि कोई उम्मीदवार गुरुमुखी पढ़ने और लिखने में सक्षम है या नहीं, तो प्रश्न का निर्णय निर्धारित तरीके से किया जाएगा।

● कौन नहीं लड़ सकेगा चुनाव

गुरुद्वारे का वेतन भोगी सेवक, अपनी दाढ़ी या केश को काटने या साफ करने वाले, शराब या नशीले पदार्थों तथा तथा हलाल मांस का सेवन करने वाले, मानसिक रूप से अस्वस्थ, दिवालिया घोषित और नैतिक अधमता से संबंधित किसी अपराध में दोषी व्यक्ति, गुरमुखी लिपि में पंजाबी पढ़ने या लिखने में असमर्थ है चुनाव नहीं लड़ सकेंगे।

बैठक में एसडीएम फरीदाबाद शिखा, एसडीएम बड़खल अमित मान, एसडीएम बल्लभगढ़ मयंक भारद्वाज, एफएमडीए जॉइंट सीईओ गौरी मिड्ढा, सीटीएम अंकित कुमार, डीआरओ सुशील शर्मा सहित अन्य संबंधित विभागों के अधिकारीगण मौजूद थे।

19 दिसंबर से शुरू होगा 'प्रशासन गांव की ओर' अभियान

रोजाना गांव में समस्याएं सुनकर किया जाएगा निवारण: डीसी

फरीदाबाद की आवाज

फरीदाबाद। राष्ट्रव्यापी अभियान 'प्रशासन गांव की ओर'19 से 24 दिसंबर तक शुरू किया जाएगा। ग्रामीण विकास पर फोकस रखते हुए लोगों को बेहतर ढंग से प्रशासनिक सेवाएं मुहैया कराई जा रही हैं और इस अभियान के तहत और प्रभावी रूप से प्रशासन अपना दायित्व निभाएगा। यह जानकारी डीसी विक्रम सिंह ने गुरुवार को लघु सचिवालय के बैठक कक्ष में सुशासन सप्ताह के मद्देनजर संबंधित अधिकारियों के साथ बैठक करते हुए दी। डीसी विक्रम सिंह ने बताया कि इस अभियान का उद्देश्य केंद्र और राज्य सरकार के विभागों की सक्रिय भागीदारी और समर्थन से सुशासन को बढ़ावा देना है। सुशासन सप्ताह के दौरान जनता की शिकायतों के निवारण और सेवा वितरण में सुधार के लिए एक राष्ट्रव्यापी अभियान 'प्रशासन गांव की ओर' शुरू किया जा रहा है। 19 से 24 दिसंबर तक रोजाना गांव के लोगों की समस्याएं सुनी जाएंगी और समस्याओं का निवारण किया जाएगा। सुशासन सप्ताह की रिपोर्ट सीपी ग्राम पोर्टल पर अपलोड की जाएगी। सीएम विंडो और एसएमजीटी पर ग्रामीण क्षेत्र से आई शिकायतों का भी जल्द से जल्द समाधान करना है। ग्रामीण क्षेत्र के अंत्योदय केंद्रों में आई शिकायतों का समाधान भी दिए गए समय अनुसार किया जाएगा। सभी विभाग विशेष शिविरों में निपटाए गए सार्वजनिक शिकायतों की संख्या, सीपी ग्राम पोर्टल में निपटाए गए सार्वजनिक शिकायतों की संख्या, राज्य पोर्टलों पर निपटाए गए सार्वजनिक शिकायतों की संख्या, ऑनलाइन सेवा वितरण के लिए जोड़ी गई सेवाओं की संख्या, निपटाए गए सेवा वितरण

आवेदनों की संख्या को दैनिक रूप से गुड गवर्नेंस पोर्टल पर अपलोड कराएंगे। गुड गवर्नेंस के अंतर्गत किए गए कार्यों का संकलन, प्रचार-प्रसार तथा उन्हें पोर्टल पर अपेक्षित फोटोग्राफ के साथ तथा सार्वजनिक शिकायतों के समाधान की सफलता की कहानियों संबंधित विभागों द्वारा पोर्टल पर अपलोड भी की जाएगी। बैठक में जिला ग्रामीण विकास अभिकरण के सीईओ सतबीर मान, एसडीएम फरीदाबाद शिखा, एसडीएम बड़खल अमित मान, एसडीएम बल्लभगढ़ मयंक भारद्वाज, सीटीएम अंकित कुमार सहित अन्य संबंधित विभागों के अधिकारीगण मौजूद थे।

रैफर मुक्त फरीदाबाद का धरना दसवें दिन भी रहा जारी

फरीदाबाद। सिविल अस्पताल के बाहर रैफर मुक्त फरीदाबाद का धरना आज 10वें दिन में प्रवेश कर गया। अन्तर्राष्ट्रीय रणजी खिलाड़ी संजय भाटिया, विजय कृष्ण, बसपा के पूर्व जिलाध्यक्ष रहे सरदार उपकार सिंह, दलित चिंतक एवं समाज सेवक रामफल जांगड़ा ने धरना स्थल पर आकर सेवा वाहन के संचालक सतीश चोपड़ा व अनशनकारी बाबा रामकेवल को समर्थन दिया और प्रदेश की नायब सैनी सरकार से श्री अटल बिहारी वाजपेयी छांयसा मेडिकल कॉलेज में आईपीडी सेवाऐं शुरू करने, ट्रामा सेंटर बनवाने व सिविल अस्पताल की स्वास्थ्य सेवाओं में सुधार करने की मांग की। इस मौके पर युवा समाजसेवी अभिषेक गोस्वामी, राकेश उर्फ रक्कू, संतोष यादव, मनोज कोहली, योगेश कोहली, हेमलता शर्मा, दीपक शक्ति,

नगर निगम फरीदाबाद की मतदाता सूची के पुनरीक्षण के लिए अधिकारी नियुक्त: डीसी

फरीदाबाद की आवाज

फरीदाबाद। डीसी विक्रम सिंह ने बताया कि हरियाणा राज्य निर्वाचन आयोग द्वारा जारी अधिसूचना 7 दिसंबर में वर्णित हिदायतों व निर्देशों के अनुसार नगर निगम, फरीदाबाद की वार्ड वाईज मतदाता सूची तैयार की जा रही है। वे सभी नागरिक, जिनका नाम नगर निगम की मतदाता सूची में नहीं है, यदि किसी अपात्र मतदाता (मृतक / स्थान छोडकर चले गये अथवा डबल दर्ज है), किसी के नाम इत्यादि में गलती है अथवा किसी दूसरे वार्ड / मतदान केंद्र से अपना नाम बदलवाना चाहता है, तो निम्नलिखित रिवाईजिंग अथॉरिटी के पास निर्धारित फार्म में दावे-आपत्तियां 17 दिसंबर 2024 से 23 दिसंबर 2024 तक प्रस्तुत कर सकेंगे जिसका निपटारा डीसी द्वारा 03 जनवरी 2025 तक किए जाने के

फलस्वरूप नगर निगम फरीदाबाद की मतदाता सूचियों का वार्ड वाईज अंतिम प्रकाशन 06 जनवरी 2025 को कर दिया जाएगा।

संशोधन प्राधिकारी के रूप में नियुक्त अधिकारियों की सूची

वार्ड नंबर एक, दो और तीन के लिए नगर निगम अतिरिक्त आयुक्त गौरव अंतिल (8901453584) और जीएमडीआईसी सचिन (9877162640), वार्ड नंबर चार और पांच के लिए उप जिला परिषद परमिंद्र सिंह (9582740761) और एक्सईएन पंचायती राज परवीन गोठवाल (9416063632), वार्ड नंबर छह, सात और आठ के लिए एमसीएफ संयुक्त आयुक्त जितेन्द्र कुमार (9871561943) और एचएसवीपी एक्सईएन इलेक्ट्रिकल जोगिंदर सिंह (991003975), वार्ड नंबर नौ और दस के लिए एसटीपी टाउन एंड कंट्री प्लानिंग देवेंद्र (9416777250) और एक्सईएन, पब्लिक हेल्थ अमित जैन (8901415415), वार्ड नंबर ग्यारह, बारह और तेरह के लिए उपमंडल अधिकारी बड़खल अमित मान (9990814848) और एमसीएफ एक्सईएन, डिवीजन 1 पद्म भूषण (7042144566), वार्ड नंबर पंद्रह, सोलह और सत्रह के लिए डीडीपीओ प्रदीप कुमार (9991188187) और बीडीपीओ तिगांव अजित सिंह (9812981325), वार्ड नंबर अठारह, उन्नीस और बीस के लिए डीआरओ सुशील शर्मा (9306667174) और नायब तहसीलदार बड़खल उमेश कुमार (9211110678), वार्ड नंबर बाईस, तेईस और चौबीस के लिए नगर निगम संयुक्त आयुक्त सुमित कुमार (8410000022) और एक्सईएन एमसीएफ सुशील कुमार (9891981947), वार्ड नंबर पच्चीस, छब्बीस और सताइस के लिए उपमंडल अधिकारी शिखा (8168895552) और नायब तहसीलदार फ़रीदाबाद यशवन्त (9212755419), वार्ड नंबर अठाइस, उनत्तीस और तीस के लिए एचएसवीपी संपदा अधिकारी सिद्धार्थ दहिया (7056756625) और बीडीपीओ बल्लभगढ़ पूजा शर्मा (9671002887), वार्ड नंबर चौदह, इकतीस और बत्तीस के लिए आरटीए सचिव मुनीश सहगल और एक्सईएन सिंचाई (यांत्रिक प्रभाग) हितेश (9991116944) को नियुक्त किया गया है। इसी प्रकार वार्ड नंबर इक्कीस, तेंतीस और चौंतीस के लिए डीटीपी प्लानिंग अमित मधोलिया (9996693467) और एनटी तिगांव जय प्रकाश (941677010), वार्ड नंबर पेंतीस, छत्तीस और सेंतीस के लिए उपमंडल अधिकारी बल्लभगढ़ मयंक भारद्वाज (8587035383) और तहसीलदार बल्लबगढ़ भूमिका लांबा (9999420200), वार्ड नंबर अड़तीस, उन्तालीस और चालीस के लिए एमसीएफ संयुक्त आयुक्त गजेंद्र सिंह (9466439838) और एक्सईएन एमसीएफ ओपी कर्दम (9818525505), वार्ड नंबर इकतालीस, ब्यालिस और तेरयालीस के लिए संयुक्त आयुक्त एमसीएफ सुश्री द्विजा और एक्सईएन एमसीएफ ओम दत्त (9467788826),

स्वामी, प्रकाशक, मुद्रक व सम्पादक दिनेश शर्मा द्वारा स्वास्तिका क्रिएशन, 19 डीएसआईडीसी शेड, स्कीम-3, ओखला फेस-II, नई दिल्ली-110020 से मुद्रित करवाकर मुख्य कार्यालय 19 डीएसआईडीसी शेड, स्कीम-3, ओखला फेस-II, नई दिल्ली-110020 से प्रकाशित किया।
पीआरबी एक्ट के अंतर्गत रचनाओं के लिए उत्तरदायी। सभी विवादों का न्यायक्षेत्र फरीदाबाद न्यायालय होगा। फोन : 011-26386221 मो. : 9810635211 DCP Licencing No. F.2 (F-10) Press/2017 RNI No. - DELHIN/2017/76338